

# मिरा भाईदर महानगरपालिका

महापालिका सभागृह कार्यालय,  
तिसरा मजला, भाईदर  
दि. २०/०३/२००३.

मा. महासभा दि. २०/०३/२००३ सकाळी ११.०० वाजता.

आज दि. २०/०३/२००३ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईदर महानगरपालिकेची महासभा महापालिकेच्या सभागृहात मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

## उपस्थित सदस्य

|     |                                    |             |
|-----|------------------------------------|-------------|
| १)  | श्रीम. मेंडोसा मायरा गिल्बर्ट      | महापौर      |
| २)  | श्री. हुसेन सय्यद मुझफकर           | उपमहापौर    |
| ३)  | श्री. पाटील मोहन मधुकर             | सभापती      |
| ४)  | श्री. पाटील धुवकिशोर मन्साराम      | सभागृह नेता |
| ५)  | श्री. बोर्जीस हेरल जॉर्ज           | गटनेता      |
| ६)  | श्री. पाटील चिंतामण कमलाकर         | सदस्य       |
| ७)  | श्री. पाटील अशोक बळवंत             | गटनेता      |
| ८)  | श्री. पाटील अनंत रामचंद्र          | सदस्य       |
| ९)  | श्रीम. म्हात्रे संगीता विजय        | सदस्या      |
| १०) | श्रीम. डिसोझा ज्युडी थॉमस          | सदस्या      |
| ११) | श्री. शेख आसिफ गुलाब               | सदस्य       |
| १२) | श्री. ठाकुर नितिन गोपीनाथ          | सदस्य       |
| १३) | श्री. म्हात्रे मिलन वसंत           | गटनेता      |
| १४) | श्रीम. म्हात्रे नयना गजानन         | सदस्या      |
| १५) | श्री. अग्रवाल धनराज नंदलाल         | सदस्य       |
| १६) | श्री. अग्रवाल ओमप्रकाश गंगाधरजी    | सदस्य       |
| १७) | श्रीम. करंबेळे प्रियांका प्रकाश    | सदस्या      |
| १८) | श्रीम. गोहिल शानू                  | सदस्या      |
| १९) | श्री. सिंग मदन उदितनारायण          | सदस्य       |
| २०) | श्री. पाटील रोहिदास शंकर           | गटनेता      |
| २१) | श्रीम. पाटील प्रभात प्रकाश         | सदस्या      |
| २२) | श्री. भुदेका शिवप्रकाश प्रल्हादराय | सदस्य       |
| २३) | श्री. भोईर गजानन लक्ष्मण           | सदस्य       |
| २४) | श्री. नलावडे दिनेश द.              | सदस्य       |
| २५) | श्रीम. पाटील सुनिता कैलास          | सदस्या      |
| २६) | श्रीम. पाटील लिला गुरुनाथ          | सदस्या      |
| २७) | श्री. पाटील जयंत महादेव            | सदस्य       |
| २८) | श्रीम. सावळे निर्मला बाबुराव       | सदस्या      |
| २९) | श्री. माळी रविंद्र भिमदेव          | सदस्य       |
| ३०) | श्री. घरत केशव रामभाऊ              | सदस्य       |
| ३१) | श्रीम. ज्योत्स्ना जालिंदर हसनाळे   | सदस्या      |
|     | उर्फ                               |             |
|     | शिंदे पुजा प्रताप                  |             |
| ३२) | श्रीम. वाडे जिवी हिरा              | सदस्या      |
| ३३) | श्री. गावंड आत्माराम बाळाराम       | सदस्य       |
| ३४) | श्रीम. पाटील अनिता जयवंत           | सदस्या      |
| ३५) | श्री. म्हात्रे परशुराम पद्माकर     | सदस्य       |
| ३६) | श्री. गावंड हरेश लक्ष्मण           | सदस्य       |

|     |                                 |                    |
|-----|---------------------------------|--------------------|
| ३७) | श्रीम. भोईर जयाबाई यशवंत        | सदस्या             |
| ३८) | श्री. पटेल आसिफ गुलाम           | सदस्य              |
| ३९) | श्रीम. गायकवाड सुरेखा यशवंत     | सदस्या             |
| ४०) | श्री. वैती चंद्रकांत सिताराम    | गटनेता             |
| ४१) | श्री. मोदी चंद्रकांत भिकालाल    | सदस्य              |
| ४२) | श्री. खान शफीक अहमद             | सदस्य              |
| ४३) | श्रीम. सपार उमा विश्वनाथ        | सदस्या             |
| ४४) | श्रीम. फँरो ग्रिटा स्टीफन       | सदस्या             |
| ४५) | श्री. मेंडोसा स्टीवन जॉन        | सदस्य              |
| ४६) | श्री. पाटील रोहीदास आत्माराम    | सदस्य              |
| ४७) | श्री. कुरेशी याकुब ईस्माईल      | सदस्य              |
| ४८) | श्री. कोलासो लिओ इजिदोर         | सदस्य              |
| ४९) | श्रीम. आल्मेडा जेन्वी युस्टस    | सदस्या             |
| ५०) | श्रीम. भामरे उर्मिला कोमल       | सदस्या             |
| ५१) | श्री. घोन्सालविस जोजफ जॉन       | सदस्य              |
| ५२) | श्री. कोलासो जेम्स इजिदोर       | सदस्य              |
| ५३) | श्रीम. पाटील भानु भगवान         | सदस्या             |
| ५४) | श्रीम. जैन गिता भरत             | सदस्या             |
| ५५) | श्री. रॉड्रीक्स मॉरस जोसेफ      | सदस्य              |
| ५६) | श्री. शहा शशिकांत रतिलाल        | सदस्य              |
| ५७) | श्रीम. शहा रिटा सुभाष           | सदस्या             |
| ५८) | श्रीम. नरावत भवरीकुंवर चेनसिंह  | सदस्या             |
| ५९) | श्री. पाटील रतन कृष्णा          | गटनेता             |
| ६०) | श्री. पाटील शरद केशव            | सदस्य              |
| ६१) | श्रीम. गोयंका सुधा लक्ष्मीकांत  | सदस्या             |
| ६२) | श्री. भोईर शशिकांत जगन्नाथ      | सदस्य              |
| ६३) | श्रीम. रांजणकर मुक्ता प्रविण    | सदस्या             |
| ६४) | श्री. पाटील प्रेमनाथ गजानन      | सदस्य              |
| ६५) | श्रीम. नाईक शुभांगी सिताराम     | सदस्या             |
| ६६) | श्री. मेहता नरेंद्र             | सदस्य              |
| ६७) | श्री. म्हात्रे तुळशिदास दत्तू   | सदस्य              |
| ६८) | श्रीम. जानी कैलासबेन दिनेशचंद्र | सदस्या             |
| ६९) | श्रीम. शाह रक्षा एस.            | सदस्या             |
| ७०) | श्री. पाटील मिलन गोविंदराव      | सदस्य              |
| ७१) | श्री. जैन रमेश धरमचंद्र         | सदस्य              |
| ७२) | श्री. दुबोले प्रकाश शंकर        | नामनिर्देशित सदस्य |
| ७३) | श्री. परेरा टेरी पॉल            | नामनिर्देशित सदस्य |
| ७४) | श्री. संजय नारायण पांगे         | नामनिर्देशित सदस्य |

### अनुपस्थित सदस्य

|    |                               |                    |
|----|-------------------------------|--------------------|
| १) | श्रीम. गोविंद हेलन जॉर्जी     | सदस्या             |
| २) | श्री. हंसु कमलकुमार पांडे     | सदस्य              |
| ३) | श्री. पाटील प्रफुल्ल काशिनाथ  | सदस्य              |
| ४) | श्री. सुर्यकांत अनंतराव भोईर  | सदस्य              |
| ५) | श्री. पाटील अशोक पांडुरंग     | सदस्य              |
| ६) | श्री. ठाकुर प्रकाश पांडुरंग   | नामनिर्देशित सदस्य |
| ७) | श्री. सुवर्णा रोहित मोहनचंद्र | नामनिर्देशित सदस्य |

### रजेचे अर्ज आलेले सदस्य

|    |                                     |       |
|----|-------------------------------------|-------|
| १) | श्री. तिवारी सुरेंद्रप्रसाद मुरलीधर | सदस्य |
| २) | श्री. चौहाण महेंद्रसिंग             | सदस्य |
| ३) | श्री. पाटील परशुराम दामोदर          | सदस्य |

वरील प्रमाणे महासभेकरीता आवश्यक असणारा कोरम पूर्ण झाल्याने मा. महापौरांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करण्यांस सांगितले. त्यानुसार वंदेमातरम् या राष्ट्रगीतानंतर सभेच्या कामकाजास सुरुवात झाली.

### **मा महापौर :-**

मा. आयुक्त साहेब, मा. उपमहापौर, सभापती, सभागृह नेते, मा. उप आयुक्त, सचिव उपस्थित पदाधिकारी, सन्मा. नगरसेवक, नगरसेविका, महानगरपालिका अधिकारी वर्ग, पत्रकार बंधु आपले सर्वांचे स्वागत. मिरा भाईदर महानगरपालिका स्थापनेपासून या वर्षाच्या व आगामी वर्षाच्या म्हणजे सन २००२-२००३ सुधारीत व सन २००३-२००४ अंदाजित बजेट मा. आयुक्त साहेब यांनी सादर केलेल्या व मा. स्थायी समितीने शिफारस केलेल्या बजेट मा. महासभेपुढे मंजुरीसाठी सादर केलेले आहे. तरी यावर समाधानकारक चर्चा करून मंजुरी द्याल व खेळीमेळीच्या वातावरणात सभेचे कामकाज पार पाडावे अशी विनंती करते. तसेच मा. सचिव यांनी सदर विषयाबाबत माझे निवेदन सभागृहासमोर वाचावे असे सुचित करते. सचिव या सभेचे कामकाज सुरु करावे.

### **प्र. सचिव :-**

मा. महापौरांच्यां परवानगीने मा. महापौरांचे निवेदन मी वाचून दाखवतो. सन २००३-२००४ चे रक्कम रु. १२०,८९,७४,०००/- रक्कमेचे अंदाजपत्रक मा. आयुक्त आणि मा. स्थायी समिती दि. २८/०२/२००३ रोजी सादर केले होते. मा. स्थायी समितीने सदरचे अंदाजपत्रकावर सखोल चर्चा करून काही सुधारणा करून शिफारशीसह चांगला असा १३५,९५,७४,०००/- रक्कमेचा अर्थसंकल्प मा. महासभेपुढे सादर केलेला आहे. आज मिरा भाईदर महापालिकेच्या सन २००३-२००४ च्या अर्थसंकल्पावर चर्चा करण्यासाठी आपण एकत्र आलो असून यावर चर्चा करतांना अनेक सन्मा. सदस्यांनी काही स्वागतार्ह सुचना मांडावयाच्या आहेत व या सुचनांचा निश्चितच प्रशासन विचार करून त्याचा अंतर्भाव या वर्षाच्या अर्थसंकल्पात करेल याची मला खात्री आहे. भाईदर शहराच्या सर्वांगिण विकास व केंद्रबिंदु मानून हा अर्थसंकल्प तयार करतांना आयुक्तांनी व मा. स्थायी समितीने विशेष काळजी घेतल्याचे दिसते. मा. आयुक्तांनी तयार केलेल्या अंदाजपत्रकातील धोरणांना कोणत्याही प्रकारची बाधा न येत अत्यावश्यक खर्चात कपात करून अनेक नवनवीन योजनांचा समावेश करून मा. स्थायी समितीने अंदाजपत्रक तयार केलेले आहे. महानगरपालिकेची नागरी हिताची कामे ही कधीही न संपणारी आहेत. भाईदर शहरात एका बाजूस गलीच्छ वस्तीमध्ये राहणारी तळागळातील माणसे, झोपडपट्टीतील लोक, तसेच मध्यमवर्गीय लोक आणि आलिशान फ्लॅटमध्ये राहणारे उच्चभु नागरीक अशा अनेक स्तरावरील लोकवस्तीच्या अडचणी, त्यांचे प्रश्न, मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे असे बहुरंगी व बहुरंगी विविधतेने नटलेले रवरुप लक्षात घेऊन नागरिक, शैक्षणिक, सांस्कृतीक, क्रिडा विषयक आदी सुविधा पुरविण्यासाठी तसेच नगराची साफसफाई, दिवाबती, पाणी पुरवठा या मुलभूत सेवा पुरवण्यासाठी आणि विकासाची कामे लक्षात घेता सर्व समावेक्षक संतुलीत व विकासाचा अर्थसंकल्प तयार करणे ही एक तारेवरची कसरत असते. हे आव्हान मा. आयुक्त व स्थायी समितीने पेलून आर्थिक नियोजन करून हा अर्थसंकल्प तयार केलेला आहे. यामध्ये प्रत्येक नगरसेवकांच्या अपेक्षाप्रमाणे सर्व कामे अंदाजपत्रकात समाविष्ट झाली असतीलच असे नाही. परंतु कोणत्याही वार्डात अन्याय होणार नाही याची दक्षता घेण्यांत आलेली आहे. तरी खेळीमेळीच्या वातावरणात सभेचे कामकाज पूर्ण होईल अशी आशा बाळगते.

### **मोहन पाटील :-**

या ठिकाणी सचिवजी मा. महापौरांना नम्रतेने निवेदन करतो मी की, आपण या ठिकाणी अर्ध्या तासाचा जो प्रश्नोत्तराचा तास आहे. जी वेळ द्याल ती, तो तास झाल्यानंतर, सबमिट केल्यानंतर निवेदन त्यावेळी लागू होईल असे मी सुचित करतो.

### **उपमहापौर :-**

प्रश्नोत्तराचा काळ आपण सुरु करतोय.

### **रतन पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने राष्ट्र पुरुष श्री. छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या ३७३व्या जयंती निमित्त सन्मा. व्यासपीठ व सन्मा नगरसेवकांना शिवजयंतीच्या हार्दिक शुभेच्छा देतो व आम्ही आणलेले पेढे आहेत. त्यांनी तोंड गोड करून घ्या अशी मी सभागृहाला विनंती करतो. छत्रपती शिवाजी महाराज की जय.

### **सचिव :-**

प्रश्नोत्तर तासाला ११ वाजून २५ मिनिटाने सुरुवात होते. श्री. ओमप्रकाश अग्रवाल मा. सदस्य यांनी विचारलेला प्रश्न. प्रश्नाचे उत्तर लेखी दिलेले आहे.

## ओमप्रकाश अग्रवाल :-

सन्मा. महापौर मँडम, कत्तल खान्याविषयी मी महापालिकेला प्रश्न दिला होता. हा प्रश्न जेव्हा मी दिला त्यापासून आज म्हणजे बहुतक तीन किंवा चार सभा या ठिकाणी महासभेच्या झाल्या आणि प्रत्येक महासभेमध्ये माझ्या प्रश्नाची वेगवेगळी उत्तरे मला देण्यांत आली. म्हणजे पहिला प्रश्न मी ज्या दिवशी दिला त्याचे उत्तर मला आले की, धोरणात्मक निर्णय घेतला जाईल. याच्यावर आम्ही लवकरच कारवाई करु. जेव्हा दुसरी सभा झाली त्यामध्ये मला पुन्हा उत्तर मिळाले या शहरामध्ये एकूण १६३ मांसविक्री केंद्रांची दुकाने आहेत. त्यामध्ये आता जे मांस विक्री किंवा अन्य विक्री केंद्र आहेत. त्यामध्ये १४६ दुकाने ज्यांनी महानगरपालिकेकडून नाहरकत दाखला त्यावेळी घेतला होता पण आता त्या नाहरकत दाखल्याला पुन्हा नुतनीकरण न करता ते चालतात आणि १६३ पैकी १७ दुकाने जी मटणविक्री केंद्राची आहेत ती बिन परवानगीने चालतात असे या प्रश्नाच्या उत्तरावरुन दिसते. नगरपालिकेच्या काळापासून या मटणाच्या दुकानाबाबत अनेक वेळा या महापालिकेमध्ये मोर्चे आलेले आहेत. मटण विक्री केंद्र चालू नसावे असे कोणाचेही मत नाही पण मटण विकतांना जे शासनाने धोरण ठरविलेले आहे किंवा जी परवानगी ह्या महापालिकेमधून घ्यायला पाहिजे अशी परवानगी न घेता आणि ज्या पद्धतीने मांस विक्री चालू आहे त्यामध्ये काही लोकांच्या भावनांना ठेच पोचते. आपल्याला माहित आहे आयुक्त साहेब आपण भाईदरमध्ये आल्यानंतर फिरला असाल. भाईदरला स्टेशनला लागून मटणाची दुकाने आहेत. भाईदर पूर्वेला स्टेशनला लागून मटणाची दुकाने आहेत. आज त्या मटणाच्या दुकानात तुम्ही गेलात. कत्तलखाना नाही म्हणून आम्ही तिकडे कत्तल करतोय. कत्तल केल्यानंतर तिकडे जी घाण होते त्या घाणीची विल्हेवाट सुद्धा लावत नाही आणि ती घाण अशीच फेकून टाकतात. त्या मटणाच्या दुकानामध्ये उघड्या रितीने जे मांस मटन विक्री टाकले जातात म्हणजे विकायला ठेवले जाते त्याच्यावर कुठलाही कापड नसतो. आरोग्याच्या दृष्टीने तोही एक भयानक प्रकार आहे याची वेळोवेळी दखल देऊनसुद्धा महापालिका त्याच्यावर कारवाई करत नाही आहे असे दिसून आलेले आहे. आपल्या उत्तरामध्ये आपण दिलेले आहे की, धोरणात्मक निर्णय आम्ही घेणार. धोरणात्मक निर्णय घेतांना आमदार श्री. अशोक मोडक साहेब या महापालिकेत आले होते. त्यावेळी त्यावेळेचे आयुक्त शिवमुर्ती नाईक साहेबांना त्यांनी सांगितले होते धोरणात्मक निर्णय घेणार कोण. धोरणात्मक निर्णय सभागृह घेणार किंवा आयुक्त साहेबांनी तसा प्रश्न ठेवला तर त्याच्यावर गांभीर्याने विचार करून त्याच्यावर निर्णय घेणार पण मागच्या तीन सभा झाल्या या विषयावर कुठल्याही विषय पत्रिकेवर विषय आलेला नाही आहे. असे वाटते की, या विषयावर काही गांभीर्य या सभागृहाला किंवा आयुक्त साहेबांना वाटत नाही असे मला दिसते. तीन महिन्यापुर्वी याच महापालिकेमध्ये एक मोठे जन आंदोलन करत करत या ठिकाणी हजारो लोकांनी या महापालिकेमध्ये प्रवेश केला आणि त्यावेळी जो आक्रोश लोकांमध्ये होता तो आक्रोश पुन्हा कधीही या महापालिकेमध्ये होऊ शकतो. कारण एकतर तुम्ही परवानगी घेता पाहिजे तिकडे आमचे भाईदर पश्चिम येथे मारुती मंदीरच्या रस्त्यामध्ये मटणाची दुकान आहे म्हणजे देवळाला लागून १००-२०० फुटावर जेव्हा कोण दुकान उघडतो त्याची आपण दखल घेत नाही की त्याने दाखला घेतला आहे की नाही घेतला म्हणजे या पद्धतीने जर या शहरामध्ये कानुन व्यवस्थेला बाजूला ठेवून जर लोक या पद्धतीने काम करायला लागले तर या नगरपालिकेये दुर्दैव समजावे. या महापालिकेमध्ये केव्हाही मोठा जन आक्रोश किंवा महारोग होऊ शकतो. मी आरोग्य अधिकाऱ्यांना विचारणार आहे त्यांनी सांगितले १४६ लोकांनी जे परवानगी न घेता म्हणजे त्यांनी दाखला घेतला आहे पण तो नुतनीकरण न करता आजही त्यांचे धंदे चालू आहेत. या तीन महिन्यांच्या काळामध्ये माझा प्रश्न दिल्यानंतर त्यांनी त्याच्यावर काय कारवाई केली हे त्यांनी मला या संदर्भात प्रश्नाचे उत्तर द्यावे. दुसरी जी सतरा दुकाने आहेत म्हणजे एकूण १६४ दुकाने त्या आकड्यामध्ये दाखविली आहेत. १४६ त्यांनी परवानगी घेतली आहे पण नुतनीकरण न करता असे दाखविले आहे. जी बाकीची सतरा दुकाने आहेत त्याच्यावर त्यांनी काय कारवाई केलेली आहे. या सभागृहामध्ये त्यांनी आम्हाला माहिती द्यावी आणि आयुक्त साहेब मी आपणाला पुन्हा विनंती करतोय आता थोड्याच वेळात बजेट सादर होणार आहे. बजेटमध्ये त्याच्यावर काय तरतुद केली आहे त्यावर नंतर चर्चा करणार आहोत. पण हा एक गंभीर विषय भाईदरमध्ये आहे. दिडशे दुकाने नगरपालिकेच्या रेकॉर्डवर आहेत पण गल्ली गल्लीमध्ये पाहिजे तशा पद्धतीने मांस मटण विक्री केंद्र आहेत. मांस मटण विकतात त्याचा प्रश्न नाही आहे. त्या ठिकाणी अक्षरशः रस्त्यावर बकरे कापले जातात, जनावरे कापली जातात आणि महापालिकेचे सर्व अधिकारी त्याकडे दुर्लक्ष करतात ही एक मोठी दुर्दैवी बाब आहे. याबाबतीत आरोग्य अधिकाऱ्यांनी एक तर १४६ दुकानांची नुतनीकरण न करता दुकाने चालवत आहेत आणि जी १७ दुकाने कोणती आहेत त्याची मला यादी दिलेली नाही. तेही सभागृहाला माहिती पडू द्या. एक साधा व्यापारी मला माहिती आहे एखादी हॉटेल सुरु केली तर त्याला किती कायदे लागतात. एखाद्या व्यापारी मला माहिती आहे सोन्या चांदीची

दुकान सुरु केली तर त्याला किती कायदे लागतात आणि जे महापालिकेच्या अधिकारामध्ये आहे जे मटन मांस विक्री हा एक ज्वलंत विषय आहे या शहराचा त्यावर दुर्लक्ष केले जाते ही बाब गंभीर आहे. मा. आयुक्त साहेब याच्यावर मला १४६ दुकानाच्या नुतनीकरणाबाबत काय झालेले आहे, १७ दुकाने परवानगी न घेता दुकाने चालू ठेवलेली आहेत त्याच्यावर या तीन महिन्यामध्ये काय कारवाई केलेली आहे आणि धोरणात्मक निर्णय आपण किती दिवसांत घेणार आहोत, महापालिकेच्या कोणत्या सभेमध्ये घेणार आहोत याची कृपया आपण मला माहिती द्यावी.

### रिटा शाह :-

मा. आयुक्त साहेब जसे आता ओमप्रकाश गारोडीया साहेब बोलले तसे या सभागृहाचे कामकाज खरोखर गैरकायदेशीर चालेले आहे. एखादा नगरसेवक उठला त्यांनी प्रश्न विचारला त्याच्यावर रुलिंग होत नाही आणि दुसरा नगरसेवक उठून दुसरा प्रश्न विचारतो. तिसरा विचारतो. मला वाटते कुठल्याही नगरसेवकाला आजपर्यंत चांगले रुलिंग कुठल्याही महासभेत भेटलेले नाही.

### डॉ. बावसकर :-

मा. महापौर महोदया, महानगरपालिका हृदीत कत्तलखान्याची व्यवस्था आणि त्याबरोबरच मांस विक्री दुकानांची व्यवस्था असणे आवश्यक आहे. आपल्याकडे अशाप्रकारची व्यवस्था अजुनपर्यंत नाही. महानगरपालिका हृदीमध्ये बन्याच ठिकाणी मटण विक्रीची दुकाने अस्तित्वात आहेत यापैकी काही दुकानांना परवानगी दिलेली आहे. परंतु त्यापैकी काही दुकानांचे नुतनीकरण झालेले आहे. काही अनधिकृतसुद्धा आहेत हे नाकारता येत नाही अश परिस्थिती सध्या आहे. ज्या दुकानांना परवानगी आहे आणि नुतनीकरण केलेले नाही त्यांना नुतनीकरण करण्यासाठी नोटीसा बजावण्यात येत आहेत. वास्तविक कत्तलखाने आणि मांस विक्री यासाठी स्वतंत्र उपविधी तयार करून त्याचे धोरण ठरवणे आवश्यक अहे आणि तसे मा. महासभेच्या परवानगीने त्यावर अंमलबजावणी करण्याची गरज आहे असा प्रस्ताव मी आल्यानंतर तयार करायला घेतलेला आहे. पुढच्या महासभेमध्ये याचे नियम, परवानगी देण्याचे नियम, दुकानाच्या अटीशर्ती, त्यांनी कशा प्रकारे विक्री करावी, बाहेर जाणाच्या लोकांना ते दिसु नये याची व्यवस्था, तेथील स्वच्छता, त्यांची घाण गोळा करणे वगैरे ह्या सगळ्या नियम व अटीसहीत आपण मा. महासभेला पुढच्या महासभेपुढे प्रस्ताव सादर करीत आहोत त्यावर महासभेत चर्चा झाल्यानंतर आपल्याला धोरणात्मक निर्णय घेता येईल आणि जो निर्णय मा. महासभा घेईल त्याची अंमलबजावणी करण्याचे काम प्रशासन करेल आणि यापुढे तरी आपल्याला जी परवानगी देणारी दुकाने आहेत तीच सुस्थितीमध्ये ठेवता येतील. त्यावर आपल्याला नियंत्रण ठेवता येईल आणि जे अनधिकृतपणे कत्तल करतील किंवा मांस विक्री करतील त्यांच्यावर नियमानुसार आपल्याला कारवाई करणे शक्य होईल. त्यावर आपल्याला दंडात्मक कारवाई करता येईल, त्यांच्यावर आपल्याला केसेस सुद्धा दाखल करता येतील. आज जी दुकाने अनधिकृत आहेत त्यांना नोटीस देण्याचे काम आपले चालू आहे. परंतु यासाठी एक सखोल अशी धोरणात्मक बाब ही आहे आणि याचा निर्णय महासभेत घेतल्यानंतर याचबरोबर कत्तलखान्याची व्यवस्था करण्यासाठी सुद्धा धोरणात्मक निर्णय आपल्याला महासभेमध्ये घेणे गरजेचे आहे. केंद्र शासनाचे अनुदान कत्तलखान्यासाठी आपल्याला उपलब्ध होऊ शकते त्यासाठी एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तयार करून केंद्र शासनाला सादर केल्यानंतर आपल्याला तसे अनुदान मिळेल. कारण महानगरपालिकेला यावर जास्त खर्च करण्याची गरज नाही. अद्यावत प्रकारचा कत्तलखाना आपल्याला उभरता येईल आणि ह्याद्वारे महानगरपालिका हृदीतील नागरिकांना चांगल्या प्रकारे सोयी सुविधा उपलब्ध करून देता येतील. ह्यातुन महानगरपालिकेला उत्पन्न सुद्धा मिळू शकेल. तर अशा प्रकारचा एक प्रस्ताव मी पुढच्या महासभेमध्ये आपल्या मंजुरीसाठी सादर करणार आहे. त्यानंतर आपल्याला त्यावर अंमलबजावणी करता येईल महासभा जो निर्णय घेईल त्याप्रमाणे.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

ज्या दुकानदारांनी नुतनीकरण केल्याशिवाय आज जे व्यवसाय करतात आणि महसुलीचे महापालिकेला नक्कीच नुकसान होते त्याचे दुमत कोणालाही नाही आहे. म्हणजे दादागिरी व्यापाच्यामध्ये झालेली आहे का? किंवा अधिकारी अक्षम आहेत काय? त्यांना एकदा आपण एन.ओ.सी. दिलेली आहे तर नुतनीकरणामध्ये काय अडचण आहे आणि जी १७ दुकाने आहेत त्यांनी परवानगी सुद्धा घेतलेली नाही. आज पोटकलम ३३५ महापालिकेच्या अधिनियमामध्ये त्याच्यावर पोलिस केस करून गुन्हा नोंदवून त्यांना अटक करू शकता आणि साहेब आपण त्यावेळी महापालिकेत नव्हते सचिव साहेब आपण त्या मोर्चाच्या समोर गेले होते. काय परिस्थिती होती त्या मोर्चाची या भाईदर शहरामध्ये काय झाले होते महापालिकेमध्ये ते तुम्हांला माहित आहे आणि अशा गंभीर विषयाला पण पुढे असे चालवणार असाल तर याला फार मोठे आंदोलनाचे स्वरूप या मिरा भाईदर शहरामध्ये आल्याशिवाय राहणार नाही. तुम्ही आताही स्पष्ट लिहिले आहे. चांगली गोष्ट आहे की, तुम्ही लिहिले आहे. १४६ दुकाने

नुतनीकरणाशिवाय चालतात. १७ दुकानदारांनी दाखले घेतले नाही. म्हणजे ही चांगली बाब आहे कमीत कमी अधिकाऱ्यांनी कबूल सुद्धा केलेले आहे हे सर्व जे चालेले आहे ते अंधेर खाते चाललेले आहे. पण याला कुठेतरी वाचा पडला पाहीजे. आपण काय कारवाई करणार. १४६ जी दुकाने चालू आहेत ज्यांनी नुतनीकरण करून घेतलेले नाही एक तर तुम्ही सांगा त्याची अडचण आहे महापालिका नुतनीकरण करू शकत नाही हे तरी उत्तर द्या आम्हाला आणि १७ दुकानांची मला यादी द्या ज्यामध्ये तुम्ही आजही केले नाही. मला माहित आहे ती यादी तुम्हांला माहिती आहे की नाही मला माहिती आहे ती यादी. त्या दुकानात सुद्धा तुम्ही गेले नाही फक्त आकडे देऊन तुम्ही मोकळे झाले. ज्या पद्धतीने रिटा शाह मॅडम यांनी जो प्रश्न सांगितलेला आहे. खरोखरच या सभागृहामध्ये किंतु किंमत नगरसेवकाला दिली जाते हे आम्हाला मागच्या पाच वर्षापासून माहिती आहे. फक्त आम्ही ओरडतो, ओरडून सभागृहाच्या बाहेर गोलो आणि अधिकाऱ्यांचे कान तसेच्या तसेच राहिले आहेत. त्याच्यावर कुठलीही कारवाई होत नाही. ठामपणे सांगतोय मी, मला उत्तर देऊन दोन महिने झालेले आहेत. तुम्ही या १४६ दुकानामध्ये किंवा १७ दुकाने अनधिकृत चालतात त्यामध्ये तुम्ही विजीट सुद्धा दिली नाही हे मी खात्रीने सांगतो.

डॉ. बावसकर :-

मा. महापौर महोदया, एवढ्या कमी कालावधीमध्ये मला

ओमप्रकाश अग्रवाल :-

साहेब आपण आले आता तुमच्या अगोदर आरोग्य अधिकारी नव्हते त्यांचे काम नव्हते जेव्हा ऑफीसर्स येणार आहेत. डॉक्टरेट येणार आहेत त्यावेळी त्याच्यावर कारवाई अशी परिस्थिती आहे का?

डॉ. बावसकर :-

तशी परिस्थिती नाही.

ओमप्रकाश अग्रवाल :-

मग त्यांना सांगा कोण जबाबदार आहे. तुमच्या अगोदर अधिकारी होते की, नव्हते अधिकारी. म्हणजे मोगम उत्तर देऊन फक्त दिशाभूल करायचा विषय असेल आणि आम्हाला काही नाही या शहराला चांगला तुम्ही संत गाडगेबाबा महाराज अभियान सुरु केले आहे. मोहन पाटील साहेबांनी त्या दिवशी सांगितले कुठे आहे संत गाडगेमहाराज. आज मटण विक्री ज्या पद्धतीने चालली आहे संत गाडगे महाराज अभियानामध्ये तो एक भाग आहे. या अभियानामध्ये एक तरी दुकानात गेले होते काय. आताही चला माझ्याबरोबर तुम्ही.

उपआयुक्त :-

मा. महापौर साहेब यांचा जो प्रश्न आहे तो प्रश्न मांस विक्री उघड्यावर विकू नये आणि उघड्यावर कापू नये हा प्रश्न आहे आणि यासाठी त्यांचा मोर्चा वगैरे आला होता. नगरपालिकेने नुतनीकरण करण्याचे जे काम सुरु केलेले होते त्यावेळेला नुतनीकरणासाठी ज्या ज्या लोकांनी अर्ज केला आपण पाणी पुरवठा ही अत्यावश्यक बाब असतांना देखील आपण पाणी पुरवठा १/१/१५ नंतर बिगर परवाना बांधलेल्या बांधकामाला आपण पाणीपुरवठा करू शकत नाही तर व्यवसायालासुद्धा देऊ नये हे मत आमचे होते आणि नुसते नुतनीकरण केले नाही किंवा परवानगी घेतली नाही म्हणून मोर्चा आलेला नव्हता. मोर्चा यासाठी आलेला होता कि, ते उघड्यावर कापतात आणि ओपन दुकानावर मांडून विक्री करतात. यासाठी मोर्चा आला होता. त्या प्रत्येक दुकानदारांना आम्ही नोटीस दिलेली आहे. ते झाकून घेण्याचे नोटीस प्रत्यक्षात सांगितले आहे आणि कापणे जे चालू आहे ते मूळ रस्त्यावर कापतात अशी तक्रार होती. आम्ही चौकशी केली असता एकही दुकानदारांनी रस्त्यावर कापलेले नसून दुकानाच्या पाठीमागे कापलेले आहेत आणि यांचा प्रश्न राहता राहिला. नाहरकत दाखला नुतनीकरण का करून घेतलेले नाही. हे पुर्वी ना हरकत दाखले फार मोठ्या प्रमाणात दिलेले आहेत. ज्याचे बिगर परवाना आहे त्यांनी अर्जच केलेले नाहीत आणि अनधिकृत चालू आहे. आम्ही मध्ये चर्चा केली होती त्यावेळेला कांबळे हे निलंबीत होते फक्त शिंदे एकच आरोग्य अधिकारी होते आणि त्यांना सगळ्या सुचना दिल्या होत्या की, ते दुकानदारांना नोटीसा द्या आणि सिल करून टाका त्यानंतर सिल करायची ज्यावेळेला मोहिम सुरु झाली त्यावेळेला विक्रेत्यांचा मोर्चा मोठ्या प्रमाणात आला. त्यावेळेला मी मंत्रालयात होतो.

ओमप्रकाश अग्रवाल :-

आपण सभागृहाची दिशाभूल करीत आहात.

उपआयुक्त :-

दिशाभूल करण्याचा प्रश्न नाही आहे.

ओमप्रकाश अग्रवाल :-

मोठा मोर्चा आला होता. मोठा मोर्चा म्हणजे किती?

### उपआयुक्त :-

मोठा मोर्चा म्हणजे दुकाने बंद करून विक्री करायचे बंद करायचे का प्रश्न विचारायला आले होते. सचिव होते. मी त्या दिवशी मंत्रालयात होतो. किती मोठा मोर्चा आला हे मी सांगू शकणार नाही. परंतु तुम्ही उघड्यावर विक्री करू नका आणि कापू नका रस्त्यावर हे एवढे बंधन तुम्ही घाला. परंतु आम्ही पाठीमागे कापतो आणि झाकून विक्री करतो हे अलाऊड करा आणि ज्यांनी ज्यांनी लायसेन्स नुतनीकरण करून घेतले नाही त्याच्यावर दंडासह वसुली करा अशी त्यांची मागणी होती. त्याप्रमाणे आम्ही होकार दिला त्याप्रमाणे आरोग्य अधिकाच्यांना सुचना दिल्या कि नोटीसा द्या आणि नुतनीकरण करा. फक्त रकमेचा प्रश्न आहे आम्ही दंडासहीत वसुल करू पण तुमच्या मोर्चाचा जो प्रश्न होता तो रस्त्यावर कापतात आणि उघड्यावर विकतात हे आम्ही प्रत्येक दुकानदाराला बंदी घातलेली आहे आणि रस्त्यावर कापणे जे चालू आहे रस्त्यावर कापत नसून दुकानाच्या पाठीमागे कापतात असे आमच्या चौकशीत निर्दर्शनास आलेले आहे.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

रस्त्यांवर कापत नाही. दुकानाच्या पाठीमागे कापतात. दुकान कुठे असते. बिल्डींगमध्ये असते दुकान आणि बिल्डींगमध्ये असल्यानंतर कापलेले साहित्य किंवा त्याचे राहीलेले अवशेष कुठे असतात, बिल्डींगमध्ये आणि तिकडे लोक राहतात, तिकडे माणसे राहत नाही अशातला विषय नाही आहे. म्हणजे त्यांना आधार नाही आहे, त्यांना काही पर्याय नाही म्हणून कुठेही कापावा असे तुमचे मत आहे काय?

### उपआयुक्त :-

असे आमचे मत नाही आहे. आम्ही त्या दुकानदारांना रस्त्यावर कापतात हे जे आपले म्हणणे होते ते चुकीचे होते. रस्त्यावर कापत नाही.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

साहेब तुम्हाला आताही सांगतोय माझ्या बरोबर चला. मी त्या दिवशीही तुम्हाला सांगितले, माझ्याबरोबर तुम्ही सहा वाजता चला. मी प्रत्यक्ष तुम्हाला दाखवतो.

### उपआयुक्त :-

येतो तुमच्या बरोबर.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

साहेब, तुम्ही अजुनही सांगतो, सभागृहाची दिशाभूल करू नका.

### उपआयुक्त :-

सभागृहाची दिशाभूल आतापर्यंत केलेली नाही आणि यापुढेही करणार नाही.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

हे तुम्ही मान्य करता, १७ दुकाने आजही बिना परवाना चालू आहेत.

### उपआयुक्त :-

मा. महापौर मँडम, या सभागृहात ज्या कत्तलखान्यांची आवश्यकता आहे, खाणाच्यांची पण मागणी आहे, विकणाच्यांची पण मागणी आहे आणि यामध्ये नगरपालिकेचे आद्य कर्तव्य आहे की, कत्तलखाना बांधणे आणि कटाईची सुविधा निर्माण करणे. १९८५ ला नगरपालिका झाली. आतापर्यंत त्याचा प्रस्ताव कुणी दिलेला नाही. प्रशासनानेसुद्धा पाठपुरावा केलेला नाही. प्रशासनाच्या डोक्यात विषय असा होता कि, नगरपालिकेला कत्तलखाना बांधायचा असेल तर केंद्र शासनाची मंजुरी शंभर टक्के अनुदान आहे आणि जागा उपलब्ध नाही. जागा उपलब्ध झाल्याशिवाय आपल्याला प्रस्ताव सादर करता येत नाही. शासकीय जागा गेल्या वर्षभरामध्ये आम्ही कमीत कमी पंचवीस ते सव्वीस रिमांयडर केलेली आहेत की, आम्हाला आरक्षणाची जागा द्या. नगरपालिकेच्या नावावर एक गुंडा जागा देखील सातबारा उताच्यावर नाही. कत्तलखाना बांधला नाही तर त्यांना कापायचे कुठे आणि विक्री करायची कुठे. आम्ही कंपलशन करू, दुकाने सिल करू. परंतु कापण्याची सुविधा जोपर्यंत निर्माण करता येत नाही तोपर्यंत त्यांचे बंदी कसे आणायचे. नगरपालिकेचे आद्य कर्तव्य आहे मार्केट बांधायचे. मार्केट बांधून बाजारपेठ भरवली नाही तर रस्त्यावरच बसणार आहेत. आपण रस्त्यावरचे उचलून फेकून दिले तर नागरिकांना बाजारपेठ उपलब्ध कुठे आहे. दाखवायचे कुठे. आपण ज्यावेळेला मार्केट बांधू त्याचवेळेला बाजारपेठ रस्त्यावर बसवता येणार नाही हा निर्णय घेता येईल. परंतु प्रत्यक्षात आपण कत्तलखानाच बांधला नाही तर तुम्ही कापू नका असे म्हणण्यात अर्थ काय आहे. आम्ही फक्त एवढेच

बंधन करतो की, आपला मोर्चा आला. आपले अहिंसेचे बंधन आहे. आम्ही त्या लोकांना समजावून सांगितले. प्रत्येकांना नोटीसा दिलेल्या आहे. झाकून विक्री करा आणि दुकानाच्या पाठीमागे कापा. रस्त्यावर कापू नका. ही आम्ही सक्त ताकीद सर्वांना दिलेली आहे. जी सुविधा महापालिकेनी किंवा नगरपालिकेने करायला पाहिजे ते न करता फक्त अँक्शनच घ्या. ही एकतर्फी गोष्ट होणार नाही. कारण आपल्याकडे बाजारपेठा पूर्ण रस्त्यावर भरतात. फळ विक्रेते, भाजी विक्रेते, किराणा मालाचे दुकान सगळे रस्त्यावर भरतात. जोपर्यंत मार्केट उपलब्ध करून देत नाही तोपर्यंत रस्त्यावर विकू नका हे बंधन घालणे हे संयुक्तीक ठरणार नाही.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

साहेब, पहिली गोष्ट कोणी मटण खायचे किंवा नाही खायचे तो त्यांचा अधिकार आहे. मटण विक्री हा व्यवसाय चालू रहायला पाहिजे हे ही माझे मत आहे. पण ३३७ कलम आपण बघा. आयुक्त साहेब त्यामध्ये लिहिलेले आहे. कंपलशन नगरपालिकेचा अधिकार आहे. त्या मांस मटण विक्रीच्या दुकानामध्ये जाऊन जे मटण विकतो ते शुद्ध आहे कि नाही. त्याला कोणत्या प्रकारचे किटाणू लागलेले आहेत कि नाही. म्हणजे मटण मागे कापणे ह्याला हरकत नाही. पण तो ज्या पद्धतीने विकतो हा रोगराई पसरविण्याची शक्यता आहे. आयुक्त साहेब तुम्ही माझ्या बरोबर चला. कशा पद्धतीने ते लोक कापतात, कापल्यानंतर त्याचे जे अवशेष आहेत त्यांना ही धुवत नाही. कारण तिकडे पाणी नाही. पाणी शिवाय ते लोक विकतात. माझे म्हणणे आहे की, ही गंभीर बाब आहे. फक्त कत्तलखाना नाही म्हणून सर्व अंधेर खात्यामध्ये चलने दो ही बाब नाही आहे. यामध्ये प्रशासनानी कडक धोरण घेतले पाहिजे. माणसाच्या आरोग्याचा विषय आहे. त्याच्यामध्ये शहराच्या स्वच्छतेचा विषय आहे. म्हणून मा. आयुक्त साहेब आमची विनंती आहे मी भारतीय जनता पार्टी तर्फे आपल्याला विनंती करतोय आपण या विषयावर तीन महिन्यामध्ये आणि टिपणीमध्ये या प्रोसेडिंगमध्ये नोंद करा तीन महिन्यामध्ये आयुक्त साहेब आपण यावर एक उपाय योजना लवकरात लवकर या सभागृहामध्ये विषय आणून योजना आखा.

### उपआयुक्त :-

मा. महापौर मँडम, आयुक्त साहेबांशी या विषयावर माझी चर्चा झालेली आहे. आम्ही जागाही पसंत केलेली आहे. तो प्रस्ताव ही तयार करायला आर्कीटेक्ट यांना सांगितले आहे. यामध्ये बेस असा आहे की, ज्यावेळेला आपण कत्तलखाना निर्माण करतोय त्यावेळेला ऑनिमल हजबंडरीचा डॉक्टर त्या जनावरांना तपासल्याशिवाय कापत येत नाही. हे बंधन आपण केव्हा लावू शकतो की, आपण ज्यावेळेला त्यांना सुविधा निर्माण करून देऊ त्यावेळेला परंतु आता जर ऑनिमल हजबंडरीच्या डॉक्टरांना बोलावून हे सशक्त आहे का, रोग झालेला आहे का, कोंबडी असो, जनावर असो त्यांना तपासणी करूनच कपात करायला पाहिजे. परंतु ज्यावेळेला आपण सुविधा निर्माण करू, प्रत्येक जनावर हे कापूनच विक्रीसाठी अलाऊड करायला पाहिजे. परंतु त्यावेळेला तिथे डॉक्टरांची तपासणी होणे गरजेचे आहे. हे केव्हा करू आपण ज्यावेळेला अधिकृत आणि नियोजनबद्ध कत्तलखाना बांधू त्यावेळेला सगळीकडे आपल्याला पाठवता येणार नाही. आपल्या म्हणण्याप्रमाणे आम्ही रस्त्यावर कापणे आणि झाकून विक्री करणे, काही जणांनी काच लावलेली आहे, काही जणांनी झाकण लावलेले आहे. पडदा लावून विक्री करण्याच्या सुचना आम्ही सर्वांना दिलेल्या आहेत. दंड वसुलीचा आम्ही तीन महिन्यात आमच्या आरोग्य अधिकाऱ्यांनी सांगितले आहे. तो प्रस्ताव केंद्र शासनाकडे पाठवला जाईल. जागेचे उपलब्धता आम्हाला झालेली आहे. माझ्या माहितीप्रमाणे एक महिन्यापुर्वीच आम्हाला जागा मिळालेली आहे. त्या ठिकाणी सुसज्ज असा कत्तलखाना बांधायचा प्रस्ताव पुढच्या महासभेपुढे आणू आणि तो प्रस्ताव केंद्रशासनाकडून मंजुरी घेऊ.

### रोहिदास शंकर पाटील :-

मा. महापौर साहेबांच्या परवानगीने बोलतोय. हा विषय ज्या पद्धतीने ओमप्रकाशजींनी मांडला आणि ज्या पद्धतीने आधीचे आयुक्त आताचे उप आयुक्त यांनी उत्तर द्यायचा प्रयत्न केला. या सभागृहाच्या भावनेचा हा विषय आहे असा भाग नाही आहे. हा पहिल्यांदा एकतर इथे गफलत होते की, विषय मांडते वेळी ज्या पद्धतीने उत्तर दिले जाते एकतर नक्की की, या आयुक्तांची कंपलसरी ड्युटी आहे. कधी कोणी मागणे आणि नंतर देणे या विषय वेगळा. कोण मांगे अगर न मांगे, पण कोणी सभासद मांगे अगर न मांगे, जनता मांगे अगर न मांगे पण म्युनिसिपल अँक्टमध्ये कंपलशन ड्युटीमध्ये आयुक्तांच्या कत्तलखान्याच्या जबाबदाऱ्या म्हणून त्यांची जबाबदारी आहे. त्या जबाबदारीला आपण जसे आता डॉ. बावसकर म्हणाले की, मी आता आलो. नाईक साहेब ते बोलू शकत नाही. सभागृह ते बोलू शकत नाही, सभागृहातील सदस्य बदलत असतील पण सभागृहाचे अस्तित्व आहे. वर्षानुवर्षे चाललेले सभागृह आता त्यांनी उत्तर देतेवेळी तीन घटना त्यामध्ये तीन भाग आहेत. कत्तलखाना उभा करणे हा एक विषय वेगळा. कत्तलखान्यासाठी जागा, त्यांची निर्मिती, त्याचा फंड,

त्यांचे डॉक्टर, त्यांची तपासणी, त्यांची कारवाई हा विषय वेगळा आहे. आता चाललेली जी अनधिकृत मटण विक्री आहे ती नियमित चालविण्यासाठी प्रशासनाची जी कसुर होते ह्याच्यातील आपण नीट उत्तर देण्याएवजी आपण गोलमेल उत्तर देवून कशासाठी वेळ काढता. सन्मा. नगरसेवक ओमप्रकाशर्जींनी एकाएकी हा विषय नाही आणला. आधी तो विषय मोर्चानी आला, त्याच्या आधीचाही पत्रव्यवहार आहे. मोर्चानंतर तीन महिन्यापासून तो विषय सभागृहात प्रश्नोत्तराच्या काळामध्ये येतोय. ठोस कारवाईने प्रशासनाने उत्तर दिले असते की, १७ जी बेकायदेशीर दुकाने चालत होती ती आम्ही बंद केलेली आहेत. तरी एवढ्यापैकी सर्व नगरसेवकांनी प्रशासनाच्या कामकाजाची काहीतरी अँकटीहीटी चालू आहे असा विश्वास ठेवला असता. आता आपण सांगणार त्याला पडदा बांधला आहे, पडदा बांधला नाही, काच लावली आहे, उघडे आहे हे सगळे असेल. ते सगळ्या सभागृहातील किंवा बाहेर ऐकणारे सगळेच, आयुक्त म्हणून आपणही बघितले असेल, महापौर म्हणून आपणही बघितले असेल. उपमहापौर म्हणून आपणही बघितले असेल की, ज्या पद्धतीने मटण विक्री होते ती मान्य नाही आहे. ती शहराच्या दृष्टीने योग्य नाही, आज जगाच्या पाठीवर एक जीवजंतु शोधण्यासाठी सगळे विमानतळ आपण शोधायला लागलो आहोत. येणारा चांगला माणूस कोणीही सांगू शकेल की, माझी तपासणी कशासाठी करता. मी तर विमानात रोज फिरणारा माणूस आहे. तरीही विमानतळावरचे अधिकारी त्या माणसाची तपासणी करायला लागले आणि आपल्याजवळ एवढे असतांना सभागृह जर तुम्हाला विनंती करते ही सभागृहात होणारी चर्चा एका नगरसेवकांची नाही आहे. मँडम सभागृह म्हणजे साडेसात लाख लोकांचे प्रतिनिधीत्व करतो आणि त्याच्यात प्रशासनानी कामकाज करायला पाहिजे असे स्पष्ट मत आहे. त्याच्यावर ठोस उत्तर द्या की, जे काम आहे अनेक निर्णय लोकांना कल्पना येण्याच्या आधी रात्रीत राबवायची तुम्हाला सवय आहे. हा मटणवरतीच तुमचे प्रेम का?

### उपआयुक्त :-

माझे प्रेम कुणावरही नाही आहे. माझे प्रेम कायद्यावर आहे आणि ज्या नागरिकांना आपण सुविधा निर्माण करून देत नाही आणि कायद्यांचे बंधन मात्र घालतो ह्याच्याशी विसंगत आहे ह्यांचा जो मोर्चा आला होता तो मोर्चा उघड्यावर विकतात आणि रस्त्यावर कापतात यासाठी, लायर्सेन्स दिले नाही म्हणून परवानगी घेऊन विक्री करू द्या असा मोर्चा आला नव्हता.

### रोहिदास शंकर पाटील :-

त्यातलाच भाग आहे. ते तसे शिकतात त्याच्यावर कारवाई करतो म्हणून मटण उचलून कुठेतरी न्या असेही आम्ही म्हणत नाही. त्याच्यावर नगरपालिकेने असाही प्रयोग केलेला आहे. एकवेळ त्याच्यावर अँसिड ओतले होते हाही प्रकार नाही. लोकांना समजुतीने त्यांना वेळ देऊन त्यांना सांगून हे महापालिकेने करणे कर्तव्य होते. महापालिकेचे आज आठ महिने झाले.

### उपआयुक्त :-

मा. महापौर साहेब अँसिड जे आपण ज्यावेळेला ओतले त्यावेळेला फुड अँल्ट्रेशन हे नगरपालिका आणि महापालिकेच्या अधिकार कक्षेतील बाब होती.

### रोहिदास शंकर पाटील :-

आम्ही त्याचा विरोध करीत नाही.

### उपआयुक्त :-

आता फुड अँल्ट्रेशन कमीशनर डिस्टीकट्रला आहेत आणि ते नमुने घेतात, ते तपासतात की योग्य आहे कि अयोग्य आहे हे अधिकार नगरपालिका आणि महानगरपालिकेचे काढून घेतलेले आहेत. ते फक्त कापलेले जनावर सुटूढ होते कि नव्हते.

### रोहिदास शंकर पाटील :-

आता तो विषय नाही म्हणत. मी कसा बकरा कापला तो शोधूच नका, कापलाय तो कुठे विकतो.

### उपआयुक्त :-

मा. सभासदांचे एवढे म्हणणे आहे की, ज्यांनी नाहरकत दाखला घेतलेला नाही त्यांच्यावर कारवाई करा. मोर्चा जो आला होता तो उघड्यावर कापतात आणि उघड्यावर विकतात ह्यासाठी आहे.

### रोहिदास शंकर पाटील :-

तुम्ही अजून गफलत का करता ते मला समजत नाही.

### उपआयुक्त :-

गफलत नाही करत. तुमच्या प्रश्नांचेच उत्तर देतोय आणि या सभागृहात १९८५ पासून सभागृहात सभासद आहेत. पण कत्तलखाना कुठे बांधायचा हा मुद्दा सगळ्यांचा. मी प्रयत्न केला, मी तुमच्याकडे लिस्ट देतो. किती वर्षभरामध्ये शासकीय जागांचे मागणीचे पत्रव्यवहार कमीत कमी तीस

पर्सीस पत्र मी पाठविलेली आहेत. मला जागा द्या म्हणून आणि या सभागृहात आतापर्यंत कत्तलखान्यासंदर्भात निर्णयच घेतलेला नाही १९८५ पासून आतापर्यंत.

#### रोहिदास शंकर पाटील :-

तो वादाचा विषय नाही. तुमच्या कारवाईचा, कर्तव्याचा विषय आहे. साहेब, कत्तलखाना चालू करणे हा सेपरेट विषय आहे. फाईल वेगळी आहे. तो टोटल विषय सेपरेट आहे. आता जी मटन मांस विक्री होते ती दर्जेदार व्हावी, सुरक्षित डिकाणी व्हावी, त्याचा नागरिकांना त्रास होऊ नये ह्या दृष्टीने तो विषय आहे. जैन धर्मियांच्या भावना, जैन धर्मियांनी असे नाही सांगितले की, मटण विक्री करु नका म्हणून. जैन धर्मियांच्या भावना अशा होत्या ज्या पद्धतीने खुलेआम रस्त्यावर विक्री होते ती बंद व्हायला पाहिजे आणि जैनांनी मागायची गरजच नाही हे प्रशासनाचे कर्तव्य आहे हे आम्हाला सांगायचे आहे तुम्हाला.

#### उपआयुक्त :-

तुमच्या ज्या सुचना होत्या ते प्रत्येक दुकानदारांना नोटीसा देऊन त्याची पुर्तता केलेली आहे. उघड्यावर विकु नये आणि कपात करु नये.

#### रोहिदास शंकर पाटील :-

तुमच्या नोटीसींना कोणी विचारत नाही.

#### उपआयुक्त :-

असे कसे होईल, नोटीसींना कोणी विचारत नाही असे शक्य आहे का? जे दुकानदार झाकुन विक्री करत नाही त्यांची दुकाने सिल करा. एक महिन्यामध्ये जे झाकून विक्री करणार नाही किंवा काच लावणार नाही अशी दुकाने एक महिन्याच्या आत बंद केली जातील.

#### मिलन पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने सदरच्या बाबत मी नवव्या महिन्यामध्ये प्रशासनाला पत्र दिले होते आणि त्या पत्रामध्ये याचा उल्लेख होता. प्रशासनाने त्याबाबत कारवाई केली परंतु मी प्रशासनाला जागा सुचवली होती. आपल्या नगरपालिकेच्या मागे तात्पुरती ताबडतोब अशी एक जागा आहे, गोडाऊन आपले आहे त्याचा उपयोग करून सर्व जे मटण विक्रेते आहेत, मांस विक्रेते त्यांना एकत्र आणावे अशी मी सुचना सुद्धा केली होती तर ती त्वरीत अंमलात आणली तर प्रशासनाने चांगले होईल अशी मी सुचना करतो.

#### प्र. सचिव :-

मा. स्थायी सभेचे शिफारस केलेले मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सन २००२-२००३ सुधारित व सन २००३-२००४ चे मुळ अंदाजपत्रक मा. सभापती महापौरांना सादर करतील.

#### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

सचिव साहेब प्रश्नोत्तराचा तास संपलेला आहे ना. कारण दुसरा प्रश्न लगोलग माझाच आहे म्हणून विचारले.

#### रिटा शाह :-

मा. महापौरांच्या आदेशाने बोलतेय, सचिव साहेब प्रश्नोत्तराचा वेळ संपलेला आहे मलाही माहिती आहे. पण नेहमी सारखा माझा प्रश्न, मी जेवढी पत्र देते तेवढी पत्र येत नाही त्याचे काय. एकच आहे माझे पत्र ह्यावेळी पण नजर चुक झाली आहे काय? मा. सचिव साहेब आपण उत्तर द्या. सायलंट पार्क बाबत पत्र मी एक महिन्यापुर्वी दिलेले आहे. त्याचा उल्लेख ह्यामध्ये झालेला नाही.

#### प्र. सचिव :-

हा सभेमध्ये आपला एक प्रश्न नवीन घेतलेला आहे.

#### रिटा शाह :-

असे कुठल्याही नगरसेवकाचे तुम्ही दोन प्रश्न घेता.

#### प्र. सचिव :-

एक एकच प्रश्न घेतो.

#### रिटा शाह :-

मागे मी विचारले होते तेव्हा तुम्ही दोन बोलले होते. मागे दोन प्रश्न आले होते. मागच्या सभेमध्ये माझे दोन प्रश्न आहेत. ह्याच्यामध्ये एकच प्रश्न आहे आणि एक पत्र एक महिन्यापुर्वी दिलेले आहे. मला एक समजत नाही तुम्ही कुठल्या तारखेच्या प्रश्नाला पुढे घेता आणि कुठल्या तारखेच्या प्रश्नाला मागे घेता. एक महिन्यापुर्वी दिलेला प्रश्न तुम्ही शेवटी घेतात आणि त्यांनतर दिलेले प्रश्न अगोदर आलेले आहेत. कशा हिशोबाने आपण ते घेता. एक महिना अगोदर दिला आहे तो प्रश्न शेवटी आला आहे. बाकी लोकांनी पत्र दिली आहेत ती माझ्या नंतरची आहेत ते प्रश्न पुढे आले.

**प्र. सचिव :-**

तो शेवटचा प्रश्न आहे. त्या प्रश्नावर कालपर्यंत चर्चा चालू होती.

**रिटा शाह :-**

तुम्ही चर्चा काहीही करा. आपण चांगले उत्तर दिले आहे की, चांद पुनमच्या दिवशी उगवणार आहे. महासभा पुनमच्या दिवशी होणार आहे. आम्ही जबाब देऊ ती गोष्ट वेगळी आहे.

**प्र. सचिव :-**

ह्या प्रश्नावर चर्चा काल संध्याकाळपर्यंत चालू होती. फायनल झाली नाही म्हणून तो प्रश्न मागे ठेवलेला आहे.

**रिटा शाह :-**

हा प्रश्न नाही, तुम्ही माझा प्रश्न घेतला त्याचे नाही. जो प्रश्न घेतला नाही त्याबद्दल बोलतेय. नेहमी नेहमी नजरचूक का होते.

**प्र. सचिव :-**

नजर चुकीचा प्रश्न नाही, सगळे प्रश्न क्रमवार येतील.

**रिटा शाह :-**

क्रमवार म्हणजे एक महिन्यापुर्वी दिलेल्या प्रश्नाला कोणता क्रम देणार. माझ्या नंतर दिलेल्या लोकांचे प्रश्न आलेले आहेत.

**प्र. सचिव :-**

आता पाठीमागच्या क्रममध्ये येणार तो प्रश्न.

**रिटा शाह :-**

एक महिन्यापुर्वी मी पत्र दिले आहे ते आता का नाही घेतले.

**प्र. सचिव :-**

पत्र विभागाला दिलेली आहेत. त्यांची माहिती उपलब्ध झाली नाही म्हणून प्रश्न घेण्यांत आला नाही.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. महापौर महोदया, सन्मा. उपमहापौर, सन्मा. स्थायी समिती अध्यक्ष, सन्मा. सभागृह नेते, सर्व सन्मा. सदस्य, सदस्या, सर्व अधिकारी, कर्मचारी, या सभागृहाचे सचिव आणि माझे सहकारी बंधुनो, सन २००२-२००३ चा सुधारीत आणि २००३-२००४ वर्षाचा अर्थसंकल्प मी स्थायी समितीला सादर केला होता आणि स्थायी समितीने त्याच्यावरती सविस्तर चर्चा करून त्याच्या शिफारशीसह हा अर्थसंकल्प आज महासभेला सादर करण्यासाठी तयार ठेवलेला आहे. सन्मा. सभापतींना मी विनंती करतो की, त्यांनी हा अर्थसंकल्प मा. महापौर महोदयांकडे सपुर्द करावा आणि त्यानंतर सभागृहावरती सभागृहामध्ये चर्चा होऊन हा अर्थसंकल्प मंजूर करण्याविषयी कार्यवाही केली जाईल.

(मा. सभापती यांनी मा. महापौर यांना अर्थसंकल्प सादर केला)

**मोहन पाटील :-**

मा. महापौर त्यांच्या अनुमतीने, मा. उपमहापौर, मा. सभागृह नेते, मा. विरोधी पक्ष नेते, विविध गट नेते, मा. आयुक्त, मा. उपआयुक्त, मा. महापौर, सन्मा. नगरसेवक, नगरसेविका, बंधु भगिनीनो, अधिकारी व कर्मचारी वर्ग, सभागृहाच्या गॅलरीतील उपस्थित नागरिक व पत्रकार बंधु, मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १६ अन्वये नवनिर्वाचीत मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे पहिले सन २००२-२००३ चे सुधारीत व सन २००३-२००४ चे मुळ अंदाजपत्रक आपणासमोर सादर करतांना मला आज अतिशय आनंद होत आहे. मा. उपआयुक्त यांनी दि. १४/०२/२००३ रोजी अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रक मा. स्थायी समितीला सादर करण्यासाठी माझ्याकडे सादर केले होते. त्याप्रमाणे दि. २८/०२/२००३ रोजी पहिल्या सभेचे अंदाजपत्रक, अंदाजपत्रकावर चर्चा सुधारणा करण्यासाठी सादर केले होते. सदर सभेत मा. स्थायी समितीच्या सर्व सदस्यांनी अंदाजपत्रकातील जमा व नावे बाजूवर चर्चा घडवली होती व ती चर्चा घडवीत असतांना असे व्यक्त झाले की, हे आपल्या महानगरपालिकेचे पहिलेच अंदाजपत्रक असल्याने स्थायी समितीच्या सदस्यांना ह्या अंदाजपत्रकावर सखोलपणे चर्चा विनिमय करता याव्या म्हणून या तारखेनंतर सतत दर दिवशी स्थायी समिती भरून अंदाजपत्रकावर विचार मांडण्याची व तदनंतर उचित त्या दुरुस्त्या व सुधारणा शिफारस करण्याची संधी मिळावी. त्याप्रमाणे वरील सलग ३/३/२००३, ४/३/२००३, ५/३/२००३ व ७/३/२००३ रोजी स्थायी समितीने बसून विचार विनिमय करून दि. ७/३/२००३ रोजी मा. आयुक्तांनी सादर केलेले अंदाजपत्रक उचित त्या दुरुस्ती सुधारणासह एकमताने स्विकारले ते आपल्या माहिती व मंजुरीसाठी सोबत अ, ब व

क मध्ये आपणांला सादर करीत आहे. या अर्थसंकल्पातील सर्व स्तोत्रापासून अपेक्षित असलेले उत्पन्नाच्या तरतुदीचे उद्दीष्ट पूर्ण करण्यासाठी आपण सदैव सर्वांनी प्रयत्नशील राहिले पाहिजे व अर्थसंकल्पात जे जे प्रकल्प योजना हाती घेण्यांत येणार आहेत त्याची वेळीच अंमलबजावणी होण्यासाठी प्रशासनाने तत्परतेने कार्यवाही करावी. मा. स्थायी समितीने नमूद केलेले अर्थसंकल्पीय तरतुदीचा विचार करून सन २००२-२००३ चे सुधारीत व २००३-२००४ चे मुळ अंदाजपत्रकासह एकमताने मंजुरी मिळावी अशी मी विनंती करतो. अर्थसंकल्प तयार करतांना मा. आयुक्त, मा. स्थायी समिती, सर्व सदस्य व अधिकारी, कर्मचारी यांनी जे मला सहकार्य दिले त्या सर्वांचे मी मनःपूर्वक आभार मानतो. धन्यवाद. जय हिंद जय महाराष्ट्र. मिरा भाईदर महानगरपालिका स्थापन झाल्यानंतर प्रथमच मिरा भाईदर महानगरपालिकेचा अर्थसंकल्प सादर करतांना मनाला हर्ष होतोय. सदरचा अर्थसंकल्प मा. आयुक्त महोदयांनी स्थायी समितीला सादर केल्यानंतर स्थायी समितीचे सर्व सदस्य, सर्व पक्षातील सदस्यांनी स्थायी समितीच्या जे मला ह्या अंदाजपत्रकावरील अभ्यास करतांना विचार विनिमय करून ज्या तरतुदी दिलेल्या आहेत. त्या तरतुदीचा पुर्णपणे विचार विनिमय करण्यासाठी सर्व स्थायी समितीच्या सदस्यांनी मला जे काही सहकार्य दिले त्याबद्दल सर्व प्रथम मी सर्व सदस्यांचे या ठिकाणी अभिनंदन करतो, स्वागतही करतो. कारण सात दिवस सातत्याने पहिले मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे बजेट अंदाजपत्रक चांगल्या पद्धतीने मिरा भाईदरचा चांगला आकार आपण नगरवासियांना दिला पाहिजे अशा पद्धतीची धारणा मनाशी ठेवून सर्व स्थायी समितीच्या सदस्यांनी आणि प्रशासनांनी वेळोवेळी वेळ काढून सतत सात दिवस एकत्र बसून चर्चा करून सखोल अभ्यास करून हे अंदाजपत्रक आम्ही सादर केले आहे. सदर अंदाजपत्रकामध्ये ज्या केलेल्या वाढी आहेत त्या आपल्यापर्यंत पोचलेल्या आहेत. आपल्या जवळ असलेली जी प्रत आहे ती प्रतमध्ये आपण दिलेल्या आहेत. सर्वसाधारण जो कर आहे आपला त्याच्यामध्ये आयुक्तांनी जी आकडेवारी दिली होती त्याच्यामध्ये जी वाढीव आकडेवारी आपण जी केलेली आहे जी वाढ आपण प्रशासनाकडून अपेक्षित केलेली आहे आणि त्याच्याशी सविस्तर चर्चा करून आपण जी वाढ केलेली आहे त्या वाढीचा थोडासा गोषवारा ह्या ठिकाणी आकडेवारी करतो मी. सर्वसाधारण कर होता त्यामध्ये चार कोटींची वाढ आपण केलेली आहे. वृक्षकर ४ लाख, भुईंभाउे २२ लाख, अतिक्रमणे २० लाख, रस्ता नुकसान भरपाई ५० लाख, टेंडर फी मालमत्ता १० लाख, आर्किटेक्ट सर्व प्रकारची दाखले फी ४ कोटी ५० लाख, विकास आकार ३ कोटी, आमदार फंड व खासदार फंड दोन्ही मिळून १८ लाख, शिक्षण कर ४८ लाख, रोजगार हमी कर १२ लाख अशा पद्धतीने आपण १३ कोटी ३४ लाखाची वाढ या ठिकाणी वरील 'अ' अंदाजपत्रकामध्ये केली आपण आणि 'क' अंदाजपत्रकामध्ये नवीन नळ कनेक्शन या चार्जसमध्ये १ कोटींची वाढ अशी आपण केलेली आहे. एकूण १४ कोटी ३४ लाख रुपयांची वाढ आपण आयुक्त साहेबांनी दिलेल्या अंदाजपत्रकावर आपण ही वाढ अपेक्षित वाढ आपण ठेवलेली आहे आणि मला पुर्ण विश्वास आहे की, प्रशासनाने दिलेली जी वाढ आहे त्याच्याकडून सखोल विचार विनिमय करून जी वाढ आपण अपेक्षित ठेवलेली आहे व ही परिपुर्ण वाढ आपल्याला मिळेल असा विश्वास मी आज या सभागृहाला देत आहे. त्याचप्रमाणे मिरा भाईदर महानगरपालिका स्थापन झाल्यानंतर ८४ नगरसेवक आज या सभागृहापुढे आहेत जसे मघाशी व्यक्तव्य झाले की, साडेसात लाख लोकांचे प्रतिनिधीत्व करणारे ८४ नगरसेवक आहेत. ८४ नगरसेवकांची आपल्या प्रभागामध्ये प्रत्येक गोष्टीचे काम झाले पाहिजे. प्रत्येक विकास काम आपल्या प्रभागात झाले पाहिजे अशी प्रत्येकाची इच्छा आहे. प्रत्येकाचा मनोदय आहे आणि आपण शहरवासीयांना काहीतरी दिले पाहिजे असा विचार ठेवून या मिरा भाईदर महानगरपालिका सदस्यांच्या ज्या सुचना आहेत त्या सुचनांचा सारासार विचार आपण केलेला आहे. परंतु सर्वोत्तमी सर्व सुचनांचा विचार झाला असेल किंवा पुर्णपणे मी त्यांना समाधान करून दिले असेल असे मला या ठिकाणी बोलायचे नाही आहे. परंतु तो प्रयत्न आम्ही जे माझे पंधरा सदस्य आणि मी हे मिळून आम्ही सखोल विचार करून, सखोल अभ्यास करून त्या सर्वांना ज्या पद्धतीने समाधान देवू शकू अशा पद्धतीच्या ज्या काही बाबी आहेत त्या बाबींवर पुर्णपणे मी विचार विचार केलेला आहे. मुळ अंदाजपत्रकात वाढ केल्यानंतर ठळक ज्या बाबी आहेत ज्या अंदाजपत्रकामध्ये आपण घेतलेल्या आहेत - चौपाटी. जेणेकरून चौपाटीला आपल्याला संपूर्णपणे शहराच्या विकासाचा एक भाग आहे आणि त्या विकासाचा भाग म्हणून एक प्रमुख्याने आपण या शहराला काहीतरी दिले पाहिजे या दृष्टीकोनातून जर चौपाटी विकसीत झाली तर शहरवासीयांना आपण काहीतरी दिले असे आपण सांगू शकतो आणि त्यासाठी तरतुद आपण वाढवलेली आहे आणि दोन्ही बाजूला पुवे आणि पश्चिम चौपाटी आपण देत आहोत. तलाव सुशोभीकरण हे करत असतांना केंद्रीय अनुदान आपल्याला त्या ठिकाणी मिळणार आहे. त्याचीही तरतुद ह्या ठिकाणी केली आहे. फायर ब्रिगेडसाठी आपण तरतुद केलेली आहे, सबवेसाठी, भुमिगत गटारयोजना, भुयारी मार्ग पूर्व पश्चिम जोडणारा आणि हेडगेवार काशिमिरा मार्ग

आणि उड्हाणपुल ही चार प्रामुख्याने जी कामे आहेत आपली ही कामे कर्जनिधी उभा करून शहराला द्यायची आहेत आणि ती आम्ही प्रयत्न केलेला आहे. त्याच्यानंतर शिवार उद्यान विकसित करण्याचा दृष्टीकोनातून ७५ लाखाची वाढ आपण दिलेली आहे. आपल्याला हे सुद्धा काम बी.ओ.डी. तत्वावर करता आले असते. परंतु शहरामध्ये असे कोणतेही काम आपल्याला दाखवण्यासाठी कामे नाही आहेत आणि प्रामुख्याने जो मेन २७ कोटीचा रस्ता आपण करीत आहोत त्या हेडगेवार रस्त्यावर आपल्याला गार्डन असावे आणि गार्डन असतांना ते गार्डन बी.ओ.डी. तत्वावर करावे असा आम्ही प्रयत्न केला होता. परंतु ते काम सुरु करून दहा ते पंधरा एकरमध्ये चांगले गार्डन सुशोभित करता आले पाहिजे ह्या दृष्टीकोनातून आपण ते गार्डन आपण सुरु करावे व सुरु करता यावे अशा तरतुदी या ठिकाणी ठेवलेल्या आहेत. नेताजी सुभाषचंद्र क्रिडा संकूल आहे ह्याकरीता सुद्धा तरतुद आपण ठेवलेली आहे. ह्या बजेटमध्ये नवीन आपण वाहतुक प्रकल्प, परिवहन प्रकल्प हाती घेतलेला आहे. ह्या प्रकल्पामध्ये ५० लाखाची तरतुद आपण केलेली आहे. संपूर्णपणे खाजगीकरणावर आपण हा प्रकल्प उभा करणार आहोत. कारण नवी मुंबई या ठिकाणी खाजगी तत्वावर बसेस चालवून त्या ठिकाणी आपला कंडक्टर बसला पाहिजे अशा पद्धतीचे धोरण आपण मिरा भाईदर महानगरपालिकेमध्ये नवीन परिवाहन समिती स्थापन करून यासाठी ५० लाखाची तरतुद ठेवलेली आहे आणि एक चांगला प्रकल्प आपण या अर्थसंकल्पामध्ये देत आहोत. त्याचप्रमाणे भूमिगत गटार योजना ह्याच्यासाठी ७५ लाखाची तरतुद आपण कर्ज निधी रुपाने उभी करायची आहे आपण आणि यासाठी सर्वेक्षण केलेले आहे. त्याचा सर्वही जवळजवळ झालेला आहे आणि यासाठी लागणारा जो निधी आहे तो फार मोठ्या प्रमाणात लागणार आहे. परंतु प्रायोगिक तत्वावर आपण एखादा भाग घेऊन ह्याचा आपण संपूर्ण मिरा भाईदरवासियांना उघडी जी गटारे आहेत त्यापासून होणारा त्रास आणि आपण जो त्रास सहन करतो त्यामध्ये आरोग्याच्या बाबतीत विविध तऱ्हेने आपल्या सुचना करत आहोत आपण आणि अशा अनेक वेळेला सभागृहामध्ये असा प्रश्न निर्माण होतो. त्या ठिकाणी ही गटारे बंद व्हावी आणि नवीन भुयारी गटार योजना अंमलात यावी यासाठी आपण या ठिकाणी तरतुद ठेवलेली आहे. त्यानंतर प्राथमिक आरोग्य केंद्र, आरोग्य सेवा यासाठी २५ लाखाची तरतुद इमारतीला ठेवलेली आहे. संपूर्णपणे जागा हस्तांतरीत झाली नाही. जागा हस्तांतर होईल अशी अपेक्षा आपण या ठिकाणी बाळगलेली आहे आणि त्यासाठी खाजगी तत्वावर आपण हा दवाखाना बनवू शकतो आणि तशा पद्धतीची लोकांची विचारणा आल्याकडे झालेली आहे आणि आपण लवकरच या पद्धतीचा दवाखाना याच ठिकाणी उभा करणार आहोत. यासाठी आपल्याला डॉ. बावसकर यांचे सहकार्य लाभणार आहे. तोही छोटासा प्रयत्न आपण या ठिकाणी केलेला आहे. विविध स्मारके या ठिकाणी उभी रहावी यासाठी वीर चिमाजी आप्पा स्मारक असू द्या किंवा जयंत सुवर्ण जयंती स्मारक असू द्या. यासाठी आपण २५ लाखाची तरतुद आपण केलेली आहे बजेटमध्ये. त्यानंतर नगरभवन जे आहे या नगरभवनवरती तरतुद आपण बघितले तर फार कमी ठेवलेली आहे. परंतु बी.ओ.डी. तत्वावर आपण जे प्रकल्प उभे करणार आहोत जसा मघाशी मी उद्यानाचा उल्लेख या ठिकाणी केला त्याचप्रमाणे बी.ओ.डी. तत्वावर नगरभवन हे विकसित करत आहोत आपण आणि त्या पद्धतीची विचारणासुद्धा प्रशासनाबरोबर चालू आहे आणि हे जे अद्यावत नगरभवन जे आहे ह्या नगरभवन मध्ये आपल्याला तरणतलाव सुशोभित करून अद्यावत जीम लेडीज ॲन्ड जेन्ट्स अशा प्रकारे विविध खेळ, टेबल टेनीस इत्यादी खेळ त्या ठिकाणी करून त्या पद्धतीने एक नवीन अद्यावत स्पोर्ट क्लब असे नगरभवनचे आपण रुपांतर करणार आहोत आणि त्यासाठी आपले सहकार्य आम्हाला लाभेल अशी अपेक्षा मी करतोय. त्यानंतर विद्युत दाहीणी स्मशाने. ह्या स्मशानामध्ये आपण एक तरतुद करून एक प्रायोगिक तत्वावर नगरसेवकांची या ठिकाणी मागणी होती प्रायोगिक तत्वावर डिझेलवर एक विद्युत दाहिनी करावी. यासाठी आपण त्या ठिकाणी तरतुद केलेली आहे. जे.सी.बी. मशिन आपल्याकडे संपूर्णपणे बिघडली होती ती जे.सी.बी. मशिनची आपण रिपेरिंग करून ती कामात आणण्याचा प्रयत्न आपण केलेला आहे. त्यानंतर रस्ते दुरुस्ती, गटारे दुरुस्ती, नवीन रस्ते, डी.पी.चे आरक्षित रस्ते यासाठी तरतुद आपण केलेली आहे. अशा प्रकारे नवीन रस्ते या शहराला दिल्यानंतर ह्या शहराचा विकास चांगल्या पद्धतीने होऊ शकतो याचाही समाविष्ट या बजेटमध्ये आपण केलेला आहे. अशा अनेक बाबतीत जे बदल केलेले आहेत आणि नवीन गोष्टी समाविष्ट केलेल्या आहेत. ह्या दृष्टीकोनातून मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे ऐतिहासिक अंदाजपत्रक आम्ही या ठिकाणी दिलेले आहे. या ठिकाणी प्रामुख्याने ज्या लायसेन्स पद्धती अवलंबिलेल्या आहेत या ठिकाणी आपण अर्थसंकल्पामध्ये नवीन ज्या रेस लावून आकारून जो अर्थसंकल्पामध्ये ५ कोटीचा साडेचार कोटीचा भरीव जो या ठिकाणी बजेटमध्ये रक्कम अपेक्षित ठेवलेली आहे ती साडेचार कोटीची रक्कम आपण ह्या ठिकाणी केलेली आहे. यासाठी सन्मा. सदस्यांचे सहकार्य लाभेल आणि लाभले पाहिजे अशी मी अपेक्षा ठेवतो. या ठिकाणी ३ कोटीचे संपूर्णपणे विकास करामध्ये वाढ केलेली आहे त्याचेही मला प्रशासनाकडून चांगले सहकार्य

मिळेल त्या पद्धतीने आश्वासन, त्या पद्धतीने अभ्यास करून आपल्याला ३ कोटी अपेक्षित मिळेल असे आपण या ठिकाणी नमुद केलेले आहे. ४ कोटी आपण करामध्ये नमुद केलेले आहे. इमारतीचे कर आहेत ते भरीव रक्कमेमध्ये अपेक्षित ठेवलेले आहेत. अशा पद्धतीने हा अर्थसंकल्प मी या ठिकाणी सादर केलेला आहे. या अर्थसंकल्पावर सर्व सदस्यांना ह्या ठिकाणी बोलता यावे या दृष्टीकोनातून मी आवरते घेतोय. परंतु मला ज्या पद्धतीने सहकार्य आमच्या स्थायी समितीच्या सदस्यांनी दिलेले आहे आणि प्रत्येक पक्षातील घटक त्या समितीमध्ये आहेत त्यांना संपूर्णपणे विश्वासात घेवून आणि संपूर्णपणे त्यांनी चर्चा करून हा अर्थसंकल्प आम्ही आपल्यासमोर आणलेला आहे आणि कोणतेही काम या ठिकाणी राहिले नाही आणि राहणार नाही अशी दक्षता घेवून हा अर्थसंकल्प आम्ही या ठिकाणी सादर केलेला आहे. संपूर्णपणे अर्थसंकल्प सादर करीत असतांना सर्व नगरसेवकांच्या मागण्या आहेत, सर्व सदस्यांच्या मागण्या आहेत, आम्हांलाही वाटते ह्या अर्थसंकल्पामध्ये आणखीन काही करता आले पाहिजे, आणखीन काय आपल्या शहराला देता आले पाहिजे. ह्यासाठी जरुर ते प्रयत्न आम्ही या ठिकाणी केलेले आहेत. परंतु या करीता बजेटचा अभाव आपण केला याच्यामध्ये दोन गोष्टी तुम्ही प्रामुख्याने बघाल. जर अंदाजपत्रकाची मुळ रक्कम वाढल्यानंतर जो नगरसेवक निधी होता हा निधीही या ठिकाणी वाढलेला आहे. तदनंतर बालमहिला कल्याण, महिला समिती आहे याकरीता जो फंड होता तोही फंड आपण वाढवलेला आहे. दुर्बल घटकासाठी रक्कम होती ती ही वाढलेली आहे. अशा पद्धतीने सर्वतोपरी सर्व घटकांना ज्या गोष्टी करता आल्या पाहिजे, जी कामे करता आपली पाहिजेत, जी विकास कामे केली पाहिजेत त्या सर्वाचा आढावा या ठिकाणी घेतलेला आहे आणि परिवहन समिती नव्याने आपण सुरु करीत आहोत अशा पद्धतीने जे अंदाजपत्रक मी आपल्यापुढे सादर केलेले आहे त्याचा स्विकार मा. महापौर महोदयांनी केलेला आहे. मी सभागृहाला विनंती करतोय कि, ह्याच्यामध्ये जरुर त्या सुचना आपल्या असतील त्या सुचनांचा उद्घोष आपण जरुर करावा. ज्या गोष्टी राहिल्या असतील त्याचा विचार या ठिकाणी मा. महापौरांच्या संमतीने केला जाईल अशी विनंती मी आपल्याला या ठिकाणी करतो आणि मी दोन शब्द या ठिकाणी बोललेला आहे अंदाजपत्रकावर ते परिपूर्ण करतो आणि सर्व सदस्यांना विनंती करतो आपण आपल्यासमोर या मिरा भाईदर महानगरपालिकेचा प्रथम अंदाजपत्रक सादर केलेले आहे. त्यामध्ये जरुर त्या सुचना आपण या ठिकाणी मला कराल अशी मी अपेक्षा करतो आणि प्रत्येक पक्षाला या ठिकाणी पंधरा मिनिटाचा महापौर मँडम आपण अवधी द्यावा. पंधरा मिनिटे प्रत्येक पक्षातील त्या पक्षातील त्या नगरसेवक, त्या गटनेत्यांनी बोलले पाहिजे. जेणेकरून सर्वांना बोलायची संधी मिळाली पाहिजे एवढी विनंती सभागृहाला करतो आणि सर्वांनी या ठिकाणी पंधरा मिनिटामध्ये आपआपल्या पक्षाच्या वतीने आपल्या सुचना आपण द्याव्या. त्यांचा जरुर तो विचार केला जाईल आणि सर्वांनी ही संधी मला आपण प्राप्त केली करून दिली त्याबदल मी सर्व स्थायी समिती सदस्य, सन्मा. नगरसेवक, नगरसेविका ह्यांचे मी हार्दीक आभार व्यक्त करतो आणि माझा अर्थसंकल्प मी या ठिकाणी सादर करतो आणि दोन शब्द पूर्ण करतो. धन्यवाद. जय हिंद जय महाराष्ट्र.

### रिटा शाह :-

मा. महापौरांच्या आदेशाने बोलू इच्छिते, अर्थसंकल्प जो आमच्याकडे दिलेला आहे फार उत्कृष्ट आहे. पण मी एक सुचना देते की, अर्थसंकल्पाचे जे आपण पुस्तक पाठविले आहे ज्या रितीने पाठविले आहे आणि ज्या हिशोबाने पाठविले आहे ते उत्कृष्टपणे नगरसेवकाकडे पोचलेले आहे. त्यामध्ये दुमत नाही परंतु माझी एक सुचना आहे. पुढील बजेट देतांना ह्याच्यामध्ये पहिल्या पानावर मा. महापौर, मा. उपमहापौर, स्थायी समितीचे अध्यक्ष आणि सभागृह नेता ह्या चार लोकांचे फोटो असायला पाहिजे. तसेच मा. आयुक्त, मा. उपआयुक्त ह्यांचे सुद्धा फोटो द्यायला पाहिजे आणि स्थायी समितीच्या सदस्यांची कमीत कमी नावे द्यायला पाहिजेत त्या अर्थसंकल्पात अशी माझी सुचना आहे.

### मोहन पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, आपण हे जे अंदाजपत्रक आपल्यासमोर आणलेले आहे आपण केलेली सुचना अतिशय चांगली आहे आणि सभागृहाची मंजुरी मिळाल्यानंतर ह्याबजेटवर आपण जी सुचना केली आहे त्याप्रमाणे मा. महापौर, मा. उपमहापौर, सभागृह नेते, स्थायी समिती सदस्य, मा. आयुक्त, मा. उप आयुक्त ह्यांचे फोटो या अंदाजपत्रकामध्ये मुळ प्रतीमध्ये येतील.

### रिटा शाह :-

एक दुसरा प्रश्न विचारायचा आहे. विचारू शकते का? आपण आम्हांला बजेटची कॉपी दिलेली आहे. त्याच्यामध्ये खर्चाचा तपशील ठळक त्यामध्ये चौदावा शहर सफाई म्हणून त्यामध्ये दिलेला आहे. वार्ड सफाई करीता ३.१५ कोटी.

### मोहन पाटील :-

पान क्रमांक किती?

### रिटा शाह :-

पान क्रमांक नाही १४ नंबर.

### धनराज अग्रवाल :-

मा. महापौर मँडम आपल्या परवानगीने बोलतोय आता मँडमने सुचना मांडली त्याच्यामध्ये एक अँड करतोय. विरोधी पक्ष त्यांचेही त्या अर्थसंकल्पात फोटो यायला पाहिजे.

### मोहन पाटील :-

विरोधी पक्ष नेत्यांची न्यायप्रविष्ट बाब आहे. निकाल लागला तर आपण फोटो घेऊ.

### धनराज अग्रवाल :-

पुढे लागू होईल असे विरोधी पक्ष नेते म्हणून ठेवा आणि स्थायी समितीच्या सदस्यांची पण त्याच्यात नांवे समाविष्ट करा.

### लिओ कोलासो :-

मा. महापौर मँडम ह्या ज्या दोन सुचना आल्या सन्मा. सदस्य रिटा शाह आणि धनराज अग्रवाल साहेब ह्यांनी ज्या सुचना केली की, एवढे फोटो वगैरे घेण्यांत यावेत. हे फोटो मला वाटते पुढच्या बजेटमध्ये घ्यावे लागतील आणि त्यामुळे मोहन पाटलांनाच पुन्हा एकदा स्थायी समिती सभापती पद घ्यावे लागेल अशी एक शंका निर्माण होते. विश यु ऑल द बेस्ट.

### रिटा शाह :-

१४ नंबर शहर साफ सफाई, पान क्रमांक ह्याच्यामध्ये दिलेला नाही. खर्चाचा तपशील ठळक.

### मा. महापौर :-

प्रत्येक पक्षाने पंधरा मिनिटे निवेदन करावे.

### रिटा शाह :-

शहर साफसफाई करीता आपण १४ क्रमांकावर दिले आहे की, वॉर्ड सफाई करीता ३.१५ कोटीची तरतुद केलेली आहे. किती केली, काय केली. मी सुधारीत काय सांगत नाही पण वार्डकरीता म्हणजे एका वार्डाचे बजेट आहे कि, संपूर्ण मिरा भाईदरचे बजेट आहे.

### मोहन पाटील :-

संपूर्ण मिरा भाईदरचे बजेट आहे.

### रिटा शाह :-

आणि दुसरे एक दिले आहे. नगरसेवक स्वेच्छा निधी तर ह्याच्या अंतर्गत. नगरसेवक स्वेच्छा निधी अंतर्गत आम्हाला जास्त फार माहिती नाही त्या अंतर्गत काय कामे घेणार आणि नगरसेवक स्वेच्छा निधी बाबत सविस्तर माहिती दिली तर बरे होईल.

### मोहन पाटील :-

त्या पद्धतीचा जी आर आहे, बेलवटेजी सर्व जी.आर. च्या प्रती आहेत. स्वेच्छा निधी जो वापरायचा आहे आपल्याला त्या दोन टक्के प्रमाणे त्याच्या सर्व प्रती सभागृहाला द्या आणि अर्थसंकल्पामध्ये रिटा शाह मँडम यांनी सुचविले आरोग्यामध्ये संपूर्ण प्रभागामध्ये ते या ठिकाणी एक नवीन पद्धत आपण ह्या अंदाजपत्रकामध्ये केलेली आहे. मिरा भाईदर महानगरपालिकेमध्ये आरोग्याच्या बाबतीत मघाशी मी उल्लेख करतांना माझ्या भाषणामध्ये बोललो कि, शहरामध्ये उघडी गटारे असल्याकारणाने आपल्याला त्रास होतोय. मच्छरांचा उपद्रव होतोय त्या दृष्टीकोनातून एक नवीन पद्धत आपण या ठिकाणी अवलंबलेली आहे आणि ह्यासाठी आपण जवळ जवळ ५ कोटीची तरतुद आपण केलेली आहे अर्थसंकल्पामध्ये. ह्या शहरामध्ये आपण जवळ जवळ ९ ते १० झोन करून त्या झोनमध्ये खाजगी तत्वावर ठेकेदार नेमुन त्या झोनमधील संपूर्णपणे कचरा उचलणे, गटार साफ करणे, रोड सफाई करणे, कामगार पुरवणे, त्यांना लागणारे साहित्य, झाडूलोट असु द्या, झाडू, फावडी, घमेले, मोजे आदी साहित्य आणि कचरा वाहून नेण्यासाठी ट्रक हा संपूर्णपणे खर्च त्या ठेकेदारांनी त्या विभागापुरता करायचा आहे आणि त्यानंतर साफसफाई हा भाग झाल्यानंतर औषध फवारणी जी आहे, ती औषध फवारणी आपल्याकडे स्थायी दोनशे कर्मचारी आहेत त्यांना जंतुनाशके स्वतः पालिका खरेदी करेल आणि जे दोनशे स्थायी कामगार आहेत ती फवारणी संपूर्ण शहरामध्ये पालिकेतर्फे केली जाईल आणि ती जंतुनाशके आपणच खरेदी करायची आणि त्याची संपूर्ण क्वॉलीटी मेंटेन करता येईल आणि स्थायी कर्मचारी असल्याने त्यांच्यावर कोणतीही कारवाई करता येईल अशा दृष्टीकोनातून आपण एक नवीन पद्धत या शहरामध्ये आपण आणतो. म्हणजे खाजगी तत्वावर पूर्णपणे साफसफाई द्यायची आणि ज्या प्रभागामध्ये मोठे नाले असतील, मोठी गटारे असतील ते सुद्धा त्यामध्ये मोठतील मोठे नाले साफसफाई

करण्यासाठी नवीन टेंडर काढायचे आणि नियमित गटारे भरलेली आहेत, कधीच साफसफाई होत नाहीत अशा पद्धतीची तक्रार येऊ नये असे प्राविधान केलेले आहे आणि जे कच्चे नाले आहेत ते कच्चे नाले साफसफाई करायचे आहेत. हा भाग वेगळा झाला. ते बांधकाम मध्ये मोडले जातील. परंतु आरोग्य विभागाकडे आपण नवीन धोरण या ठिकाणी आपण आणलेले आहेत. त्या पद्धतीने एक नवीन धोरण आरोग्याच्या बाबतीत आणलेले आहेत की, हॉस्पीटल होईपर्यंत आपण पाच दवाखाने या ठिकाणी आपण सुरु करीत आहेत, प्रायोगिक तत्वावर. ज्या ठिकाणी मानधनावर डॉक्टर्स आणून २५ लाखाची तरतुद औषधी उपकरणावर केलेली आहे. पाच विभागामध्ये समाजमंदीरे आपली वेगवेगळ्या ठिकाणी आहेत आणि मोबाईल हॉस्पीटल जे आपले आहे ती दुरुस्ती करून एकूण सहा अशा पद्धतीने शहरवासीयांना आपण ज्या आरोग्य सुविधा द्यायला पाहिजे ह्याचेही प्राविधान या ठिकाणी नव्याने सुरु केलेले आहे. कारण हॉस्पीटल होईपर्यंत साफसफाई आरोग्यामध्ये मोडली तरी आरोग्य सुद्धा आरोग्यामध्ये मोडतात. त्याकरीता प्रायोगिक तत्वावर अशी पद्धत आपण अवलंबलेली आहे. जेणेकरून पाच विभागामध्ये समाज मंदीरामध्ये किंवा त्या ठिकाणी असलेली जागा उपलब्ध होईल. त्या ठिकाणी दवाखाने उपलब्ध करायचे त्या ठिकाणी डॉक्टर्स, नर्स अशा पद्धतीने स्टाफ नेमुन त्या ठिकाणी औषधे आपल्याला पुरवायची आहेत. नवीन धोरण आपण ह्या अंदाजपत्रकात सामाविष्ट केलेले आहे.

### रिटा शाह :-

नगरसेवक स्वेच्छा निधी संदर्भात माझा एक प्रश्न आहे की, यामध्ये संपूर्ण मिरा भाईदर शहरासाठी कॉमन बजेट ठेवलेले आहे की, वॉर्ड वाईज, नगरसेवकांसाठी बजेट ठेवलेले आहे.

### मोहन पाटील :-

या ठिकाणी नगरसेवक स्वेच्छा निधी जो आहे तो वार्डवाईज आहे. तो प्रत्येक नगरसेवकांचा स्वेच्छा निधी मिळणार आहे. आमच्या स्थायी समितीमध्ये चर्चा झालेली आहे. त्या चर्चेचा वेगळा अर्थ तुम्ही काढू नका. स्वेच्छा निधी जवळ जवळ २ कोटींच्या आसपास आहे. एक छपन्ह होता आता वाढला आहे. २ लाख ९९ हजार प्रत्येकी मिळणार आहे. संपूर्ण निधी होणार आहे २ लाख ९९ हजारामध्ये आपल्या प्रभागामध्ये जी कामे करतांना जी कामे करायला पाहिजे ती कामे समाधानकारक होऊ शकत नाही. जर मिरा भाईदर महानगरपालिका प्रथम स्थापन झाली, प्रथम बजेट आपण ह्या ठिकाणी सादर करीत आहेत आणि एक अशी इच्छा व्यक्त केली आमच्या सन्मा. सदस्यांनी. सर्वानुमते झाली नाही. काहींनी इच्छा अशी व्यक्त केली जर जवळ जवळ २ कोटींचा निधी मिळतोय. ह्या दोन कोटींमध्ये एखादा कोणता चांगला उपक्रम जर आपण मिरा भाईदर महानगरपालिकेत राबवला तर एक चांगला संदेश आपण या महाराष्ट्रभर देऊ शकतो की, एक हॉस्पीटलचे काम सुरु केले बोला किंवा एखादा टाऊन हॉल सुरु केला बोला किंवा आणखी कोणते विकास काम सुरु केले तर एक संपूर्णपणे मिरा भाईदरच्या नगरसेवकांनी एक वास्तु या शहराला दिली असा एक चांगला संदेश जाऊ शकतो शहरवासीयांनासुद्धा. परंतु जेव्हा स्वेच्छा निधी जो असतो तो स्वेच्छा निधी कोणत्या पद्धतीने वापर करायचा किंवा कोणत्या पद्धतीने झाला पाहिजे तो त्या त्या नगरसेवकांचा अधिकार आहे. म्हणून तो संपूर्ण अधिकार आपल्या सभागृहातील सदस्यांचा अधिकार आहे. जरी कोणती सुचना आली त्या सुचनेवर विचार केला पाहिजे किंवा नाही केला पाहिजे हा विषय या ठिकाणी नाही आहे. जर सर्वानुमते एखादा विषयावर विचार केला कि, या अर्थसंकल्पामधून स्वेच्छा निधी आहे या स्वेच्छा निधीचा वापर अशा पद्धतीने केला तर चालेल किंवा स्वेच्छा निधी आपण स्वतंत्रपणे आपल्या प्रभागामध्ये वापरला तरी चालेल हा विचार आपण करायचा आहे आणि आपल्यातोपरी आपण निर्णय घ्यायचा आहे. कारण स्वेच्छा निधी बोलल्यानंतर त्या नगरसेवकाची स्वेच्छा आहे. त्या स्वेच्छेने वापर करायचा आहे.

### चंद्रकांत वैती :-

मा. महापौर मॅडम, स्थायी समितीच्या शिफारशीनुसार आलेला हा अर्थसंकल्प मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या कारकीर्दीतील पहिला अर्थसंकल्प अतिशय चांगल्या पद्धतीने आणि अतिशय नेटका असा नियोजन केलेले आहे. अर्थसंकल्प पाहतांना आपण पाहतो की, आपण जो एक रुपया जमेचा आहे त्याच्यामध्ये एकोणीस पैसे कर्जाचे आहेत. हे करतांना २४ पैसे हे कर्जाचे करतांना कर्ज घेऊन आपण एक रुपया बनविला आहे आणि म्हणून पुढे आपल्याला खर्च करतांना बच्याच गोष्टींचे अवलोकन करून खर्च करावा लागेल. जसे स्थायीच्या सभेमध्ये देखील मी ही गोष्ट आपल्या निदर्शनास आणली होती की, सर्व जी मच्छिमार्केट आहेत तेथे पाणी आपण फुकट पुरवठा करत असतो. स्टॅन्ड पोस्टवरती पाणी पुरवठा करत असतो. तेथील पाणी बच्याच वेळेला वाया जातो. ते वाया जाणारे पाणी आहे हा आपल्या महापालिकेचा अपव्यय आहे. हे पाणी आपल्याला कसे काय रोखता येईल. कॉर्पोरेशनच्या कार्यालयात किंवा इतर विभागीय कार्यालयामध्ये विजेचा गैरवापरख दुरध्वनीचा गैरवापर, ह्याच्यावरती थोडीसी बंधने आणावी लागतील. नगरभवनची इमारत, नगरपालिकेचे जूने कार्यालय हे भाड्याने देवून त्याच्यातून

उत्पन्न वाढवता येईल. नवीन जे मार्केटसाठी प्लॉट रिझर्व आहे त्याच्यावरती मार्केट बांधून त्यातून उत्पन्नाचे साधन आपल्याला बनवता येईल. तसेच आपण काही झोन करणार आहोत आणि ह्या झोनमध्ये कचरा उचलण्यासाठी ठेकेदार नेमणार आहोत आणि हे ठेकेदार हा एकाला एकच ठेका अशा पद्धतीने ही भूमिका राबवली जाणार आहे. तर या वेळेलाही देखील आपण नगरसेवकांना एक विनंती करावी की, कचरा दाखवा नाहीतर कचरा जर जमा असेल तर ताबडतोब त्या ठेकेदाराचा ठेका रद्द करता येईल अशा प्रकारची घोषणा करावी. आपण प्रतिनियुक्तीवरती जे अधिकारी मागवत असतो अजूनही अधिकाऱ्यांच्या प्रतिनियुक्त्या व्हायच्या आहेत. या अधिकाऱ्यांचे मानधन फार मोठे असते तर या अधिकाऱ्यांनी तेवढा आऊटपुट दिला पाहिजे. ह्या नगराला तेवढी सेवा देता आली पाहिजे. सभेच्या सुरुवातीलाच सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश गोडोदिया यांनी सुचना केली होती की, स्लॉटर हाऊस असावे. कर्मधर्म संयोगाने या बजेटमध्ये ती ही स्लॉटर हाऊसची प्रयोजन करण्यांत आलेली आहे. त्याच्यासाठी फंड रिझर्व करण्यांत आलेला आहे. तसेच एक माझी सुचना होती की, स्थायी मध्ये जेव्हा हा अर्थसंकल्प आला तेव्हा अर्थसंकल्पामध्ये १ करोड ५६ लाख अशी तरतुद नगरसेवक निधीसाठी होती. नगरसेवक निधीची तरतुद ही बजेटच्या एकूण रक्कमेवरती केली जाते आणि बजेटमध्ये स्थायी समितीमध्ये नवीन सुचना आल्या. अर्थसंकल्प जास्तीत जास्त सुदृढ करण्याचा प्रयत्न केला गेला आणि त्याच्यामुळे थोडीसी नगरसेवक निधीची रक्कम देखील वाढेल. परंतु या छोट्या रक्कमेमध्ये आपण प्रत्येक नगरसेवक आपल्या वार्डमध्ये काय करू शकेल म्हणून माझी आजच्या या आम सभेला एक सुचना आहे की, सर्व नगरसेवकांचा नगरसेवक निधी हा ह्या मिरा भाईदर महापालिका क्षेत्रांत कुठलीतरी एखादी वास्तु बनवून जसा भाईदरच्या सेन्टलमध्ये टाऊन हॉलची प्रोव्हीजन आपल्या डी.पी. प्लानमध्ये आहे. तर टाऊन हॉल बनवावा किंवा एक महापालिकेचे हॉस्पीटल बनवावे आणि ह्यासाठी सर्व नगरसेवकांचा निधी त्याच्यामध्ये वापरला जावा. जेणेकरून हे माझे आहे, हे तुझे आहे असा प्रकार न होता त्या सर्व महापालिकेतील सर्व पक्षांचे सहयोग आणि सहकार्य त्या वास्तुला लाभेल तसाच ह्या अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून ह्या शहराला काहीतरी आपण नवीन देतोय ही भावना नागरीकांची झाली पाहिजे. आपण काही एक त्रुटीचा अहवाल देखील या अहवालासोबत दिलेला आहे. गेल्या तीन वर्षात जे नगरपालिकेचे बजेट करण्यांत येत होते ते बजेट अनाठायी फुगवलेले वाटत होते. त्याच्यामध्ये फार मोठा डेफीसिएट होता. परंतु तसा प्रकार आता होणार नाही कारण आपण जो पाणीपुरवठा करतो त्या पाणी पुरवठ्यामध्ये काही क्षेत्र अशी आहेत - रामदेव पार्क, गोल्डन नेस्ट, लोढा पार्क, उत्तन परिसरातील काही गावे, मिरा रोड मधील काही परिसर, शांतीनगर या ठिकाणी आपण मालमत्ता कर वसुल करीत होतो. परंतु पाणी पुरवठा देण्याचे प्रयोजन आपण केले नव्हते. या आगामी काही दिवसांत आपण ते प्रयोजन करतोय म्हणजे त्यांच्याकडून तेवढे कर वसुली आणि पाण्याचे बिल देखील वसुल होईल. परंतु आपण नगरपालिकेच्या कारकिर्दीपासून महापालिकेपर्यंत, महापालिकेत हा स्वेच्छा निधी आहे. शाळांना अनुदान देणे. तर याच्यासाठी काही तजवीज करून ठेवलेल्या आहेत. परंतु जेव्हा जिल्हा परिषदेकडून नगरपालिकेने शाळा ताब्यात घेतल्या तेव्हा साधारणपणे १५ हजार विद्यार्थ्यांचा पट या शाळामध्ये होता. आज हा पट घसरून दहा हजाराच्या आसपास आलेला आहे. हा पट का कमी झाला. तर त्या शाळांमध्ये शैक्षणिक दर्जा व्यवस्थित नसेल किंवा शिकवण्याची पद्धती बरोबर नसेल किंवा लोकांना त्या शाळांमध्ये विद्यार्थ्यांनी यावे याबाबत आपण आकृष्ट करू शकलो नसू तर शाळांना जे अनुदान देणार आहोत इतर शाळांना त्या सर्व शाळांना अनुदान न देता महापालिकेच्या ताब्यातील ज्या २९ शाळा आहेत त्याच्यावरतीच ते अनुदान खर्च करावे अशी सर्व सभेला विनंती करतोय. पुनःश्च आलेल्या या अर्थसंकल्पाचे हार्दिक स्वागत करून माझा विषय संपवतो. धन्यवाद.

### रिटा शाह :-

साहेब माझी अजून सुचना आहे. दोन महिन्यांपूर्वी मी पत्र दिले होते जसे आज आपण महासभेत सर्व नगरसेवकांना आपण बजेटची कॉपी सादर केलेली आहे आणि मला असे वाटते कायद्यात पण तशी तरतुद आहे कि, स्थायी समितीची सभा प्रत्येक आठ दिवसांत होते. त्याची प्रोसिडींगची कॉपी सर्व नगरसेवकांना द्यायला पाहिजे अशी तरतुद कायद्यात पण आहे असे मला वाटते आणि आम्हाला दिली तर बरे होईल. आठ दिवसांत काय होते ते सर्व नगरसेवकांना माहित पडणर. कारण अचानग आमच्यापुढे विषय येतो तेव्हा अभ्यास करायला आम्हाला वेळ मिळत नाही. तर अशी माझी सुचना आहे की, स्थायी समितीच्या प्रत्येक सभेचे प्रोसिडींगची कॉपी प्रत्येक नगरसेवकांना द्यावी.

### प्रभात पाटील :-

मा. महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलते. मिरा भाईदर महानगरपालिकेने सादर केलेल्या अर्थसंकल्पामध्ये ज्या विविध बाबींवर खर्च दाखविला आहे. त्याच्यामध्ये महानगरपालिकेचे हॉस्पीटल आणि नाट्यगृह ह्या विषयी कोणतीही तरतुद इथे दिसत नाही आहे. निदान ह्या शहराचा एक शैक्षणिक

आणि सामाजिक दर्जा म्हणून इथे एक नाट्यगृह होणे अतिशय गरजेचे आहे. शिवाय स्थायी समिती अध्यक्षांनी सांगितले आपण ठिकठिकाणी अशी पाच दवाखाने सुरु करणार आहोत. आज या शहरामध्ये सर्वात भिषण समस्या असेल तर जो दुर्बल घटक आहे. सर्वसामान्य नागरीकांना सुद्धा इथल्या हॉस्पीटलचे दर परवडत नाहीत. अशा वेळी या शहरामध्ये एक हॉस्पीटल होणे अतिशय गरजेचे आहे. याचा कुठेही उल्लेख झालेला नाही. परंतु सर्वसाधारण ओ.पी.डी. सुरु करण्याचे जे महोदयांचे प्रयोजन आहे त्या दृष्टीने मी बोलू इच्छिते की, सर्वांना न परवडणारे असे आणि प्रत्येकाच्या घरी येणारी वेळ ही म्हणजे प्रत्येक घरातील एखादी बाई प्रसुतीगृहामध्ये प्रत्येक वर्षी जात असते आणि ते सुद्धा खर्च दुर्बल घटक सोडाच परंतु सर्वसाधारण नागरीकांनासुद्धा परवडणारा नसतो. आपण जे बोलतात ओ.पी.डी. सुरु करायचे त्या दृष्टीने एखादे भाईदर पुर्व आणि पश्चिम ह्या जितक्या ओ.पी.डी. तुम्ही सुरु करणार त्या ठिकाणी निदान वीस खाटांचे पूर्व आणि पश्चिम भागामध्ये तुम्ही श्रुतिकागृह चालवावे अशी योजना तुमच्या ओ.पी.डी.मध्ये असावी अशी माझी सुचना आहे आणि नाट्यगृहाच्या बाबतीमध्ये जो परिवहन सेवा आहे ही एवढी गरजेची नव्हती असे मला वाटते. आपण तेथे तरतुद केली आहे हरकत नाही. परंतु एक सुसज्ज असे नाट्यगृह या शहरामध्ये असायला पाहिजे होते. त्या दृष्टीने आपण काही केले नाही तर तुमचा जो राखीव निधी असेल त्याचा विनियोज ह्या नाट्यगृहासाठी करण्यांत यावा अशी माझी सुचना आहे.

### आसिफ शेख :-

सन्मा. महापौर साहेब, आज आपण मा. स्थायी समितीने शिफारस केलेल्या मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सन २००२-२००३ चे सुधारित आणि सन २००३-२००४ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता देण्यासंदर्भात आजच्या सर्वसाधारण महासभेत आपण सर्वजण उपस्थित आहोत. सर्वसाधारणपणे अर्थसंकल्प म्हटला की, सर्वसामान्य नागरिकांपासून ते उच्चब्रुंपर्यंत झोपडपट्टीत राहणाऱ्यांपासून महालात राहणाऱ्यांपर्यंत प्रत्येकजण आपल्याला मिळाणारे वार्षिक उत्पन्न आणि त्यातून होणारा खर्च याचा जमाखर्च करीत असतो. उत्पन्न कशा पद्धतीने वाढेल याकडे जास्तीत जासत लक्ष तो पुरवित असतो आणि खर्चात कमीत कमी किती काटकसर आपण करु शकतो याचा प्रत्येकजण प्रयत्न करीत असतो. या ठिकाणी आपली जेव्हा १२ जून १९८५ रोजी नगरपरिषदेची स्थापना झाली आणि प्रथम जेव्हा १९९१ साली जेव्हा प्रथम निवडणुका झाल्या तेव्हा प्रथम नगर अध्यक्ष म्हणून आपले सर्वांचे नेते गिल्बर्ट जॉन मेंडोसा साहेब यांच्या नेतृत्वाखाली त्यांनी सतत सात वर्षे आपल्या तात्कालीन नगरपरिषदेचे बजेट होते ते २४ कोटींवरुन ६५ कोटींपर्यंत पोचवण्याचे काम केले. शहराचा विकास साधण्याचा प्रयत्न केला आणि ते विकास साधत असतांना सर्व जात पात धर्म संप्रदाय सर्व पक्षांची लोकं सामंजस्याची भुमिका सर्वांशी सुसंवाद साधुन त्यांनी मागच्या काळात शहराचा विकास केलेला आहे. त्याच्यानंतर मार्गील अडीच तीन वर्षांच्या कालावधीत त्यांच्या जागी सन्मा. विद्यमान सदस्य आणि द्वितीय नगर अध्यक्ष प्रफुल्लजी पाटील हे आल्यानंतर त्यांनी अत्यंत त्याच पद्धतीने गिल्बर्ट मेंडोसा साहेबांच्या पाऊलावर पाऊल ठेवून प्रत्येकाशी सुसंवाद साधुन सर्वांना बरोबरीने घेऊन ६५ कोटींचे जे बजेट जे आहे ते शंभर कोटींपर्यंत पोचवलेले आहे आणि आता बजेट जे आहे मा. आयुक्तांनी सादर केलेले आहे. १२०.७१ कोटींचे बजेट ते स्थायी समितीने १३४.७७ पर्यंत पोहचवलेले आहे. अत्यंत अभिनंदनाची बाब आहे. मोहन पाटील साहेबांना मी धन्यवाद देईल. एक म्हण आहे, बडे मिया तो बडे मिया छोटे मिया सुभान अल्ला. त्याचप्रमाणे मागे जे शंभर कोटींपर्यंत बजेट गेले ते बजेट आयुक्त साहेबांनी १२० कोटींचे बजेट सादर केले. त्यानंतर स्थायी समितीने १३४ कोटींपर्यंत ते पोचवलेले आहे. आता या ठिकाणी आपण सर्व कशा पद्धतीने जास्तीत जास्त म्हणजे आपल्याला उत्पन्न वाढवता येईल आणि खर्चात कशी काटकसर करता येईल या दृष्टीकोनातून आपण आता सविस्तर चर्चा करणार आहोत. स्थायी समितीमध्ये समितीने सतत आठवडाभर या ठिकाणी सखोल, विस्तृतपणे अभ्यास केलेला आहे आणि सर्व पक्षांना बरोबर घेऊन बहुमताने सर्वानुमते ठराव मंजूर केलेला आहे आणि मला वाटते या ठिकाणी या बजेटवर चर्चा करण्यासाठी प्रत्येकाला पुरेसा अवधी मिळणे अत्यंत आवश्यक आहे. प्रत्येकाला आपापल्या ज्या योजना सांगायच्या असतील किंवा काही दुरुस्ती करायची असेल तर प्रत्येकाला समान संधी देणे तितकेच आवश्यक आहे. घार्इगर्दी करून बजेट आटोपते घेता येणार नाही. प्रत्येकाला आपआपले मत आहे, विचार आहेत. प्रत्येकाला आपले विचार व्यक्त करणेंस संधी दिली पाहिजे. पान क्र. १ मिरा भाईदर महानगरपालिका 'अ' अंदाजपत्रक त्यामध्ये महापालिका दर व कर या संदर्भात मा. आयुक्त यांचे अंदाज ३० कोटीचा आहे. स्थायी समितीने अंदाज व्यक्त केलेला आहे तो ३४ कोटीचा आहे. माझे असे म्हणणे आहे की, या ठिकाणी आपण जमिनीवर कर लावतो, घरावर कर लावतो, वृक्षकर, दिवाबत्ती कर, बन्याच प्रकरणामध्ये आपण पाहिजे आहे. प्रत्येक नगरसेवकांची पण तक्रार असते कि, बन्याच अजून ज्या केसेस आहेत, टॅक्स कर आकारणीच्या त्या अद्यापही पेंडींग आहेत. बन्याच ओपन प्लॉट्स आहेत

त्यांना कर लागलेला नाही. तर अशा ओपन जागेवर, जमिनीवर कर लावण्यांत यावा. विशेष स्वच्छता कर. जसे आपण जेसल पार्कला ती पद्धत राबवली आहे तर विशेष स्वच्छता कर त्याचप्रमाणे ज्या झोपडपट्ट्या आहेत, केंद्र आणि राज्य शासनाच्या जमिनीवर त्या जमिनीवर आपला सर्विस कर लावला तर ही जी रक्कम आहे ३४ वरुन निश्चितपणे ३५ च्या पुढे जाण्याची शक्यता आहे. तर कृपया याचाही विचार होणे गरजेचे आहे. त्याचप्रमाणे क्र. २ चा ॲटम आहे, जकात व उपकर. मा. आयुक्तांनी अंदाज केलेला आहे ३० कोटींचा, स्थायी समितीने पण तेवढाच अंदाज व्यक्त केला आहे. आपण मागे जेव्हा सर्वसाधारण सभा केली, महासभा घेतली त्यावेळी आपण संपूर्ण जी देकार रक्कम काढली. त्या देकार रक्कमची अमाऊंट होती ३२ कोटी ८६ लाख. तर ती ३३ कोटीच्या आसपास मला वाटते ठेका जाणार आहे. तरी ३० कोटीपेक्षा जास्त अमाऊंट ३३ कोटीपर्यंत जाण्याची शक्यता आहे. कारण देकारच आपण अमाऊंट तेवढी काढलेली आहे. त्यामुळे ती अमाऊंट तेवढीच पाहिजे होती. त्याचप्रमाणे क्र. ५ मध्ये जाहिरात कर. आता जाहिरात करामध्ये होर्डिंग्जचे आपण टेंडर काढलेले आहे आणि बाकीच्या ठिकाणी जर संपूर्ण जाहिरात जसे शॉप आहेत. त्यांच्याकडून आपण कर वगैरे जाहिरात कर घेणार आहोत तर याचा जर आपण ठेका दिला. होर्डिंग्जचे टेंडर काढलेले आहे. होर्डिंग वगळता बाकीचे आपण ठेका पद्धतीने दिले तर निश्चितपद्धतीने ह्या उत्पन्नात आपली थोडीफार वाढ होण्याची शक्यता आहे. २ कोटी केलेले आहे म्हणजे अडीच कोटीपर्यंत जाऊ शकते. त्याचप्रमाणे पान ३ 'क' मध्ये २ भुईभाडे. मा. आयुक्त यांनी अंदाज व्यक्त केला आहे ३ लाखाचा आणि स्थायी समितीने २५ लाख तर हे कशा पद्धतीने होणार आहे. भुईभाडे कसे वाढणार आहे. पुन्हा नवीन शॉपिंग सेंटर बांधणार आहेत की, काय करणार आहेत याचा कृपया खुलासा करा. ३ लाखाचे २५ लाख कसे होणार आहेत.

### मोहन पाटील :-

भुईभाडे आहे ते आकारले नाही ते आपल्याला आकारायचे आहे. नवीन शॉपिंग बांधलेले आहे त्याचे भुईभाडे न्यायप्रविष्ट आहे. ते भुईभाडे अपेक्षित धरल्यानंतर एवढे भुईभाडे वाढू शकेल.

### आसिफ शेख :-

मा. आयुक्त साहेबांनी ते अगोदर अपेक्षित धरले नव्हते काय? मला विचारायचे आहे की, नवीन शॉपिंग सेंटर बांधणार आहात का?

### मोहन पाटील :-

नवीन बांधणार आहोत तो भाग वेगळा झाला पण ज्या जुन्या सध्या आपल्याकडे आहेत ते न्यायप्रविष्ट आहेत त्यामुळे त्याचे भुईभाडे जमा नाही अजून.

### आसिफ शेख :-

नवीन कुठे शॉपिंग सेंटर बांधणार आहोत आपण?

### मोहन पाटील :-

नवीनची तरतुद केली नाही आपण. नवीन बांधायची झाली तर बांधू शकतो आपण त्या इमारतीसाठी निधी ठेवलेला आहेत आपण. तरतुद आपली झालेली आहे.

### आसिफ शेख :-

निश्चित कुठे बांधणार आहोत आपण तेच आम्हाला म्हणायचे आहे.

### मोहन पाटील :-

कुठे बांधणार निश्चित नाही. आपण जे हेड्स दिलेले आहेत त्या हेडमध्ये ठेवलेले आहे की, एखाद्या ठराविक कामासाठी हेड निश्चित केलेले आहेत. जागा उपलब्ध झाली तर इमारतीच्या बांधकामासाठी ठेवलेले आहेत त्याच्यामध्ये आपल्याला बांधता येईल.

### आसिफ शेख :-

त्याचप्रमाणे पान क्र. ४ आयटम क्र. ६ अनधिकृत बांधकाम अतिक्रमण जप्ती व दंड वसुली. तर यामध्ये पहिल्या आठ महिन्यात प्रत्यक्ष रक्कम जमा झाली २ लाख ४६ हजार आणि उर्वरीत चार महिन्यात शिल्लक राहिले ४७.५४. एकूण तरतुद केली होती आपण ५० लाखांची आणि आता आयुक्त साहेबांनी अंदाज केलेला आहे ५ लाख आणि स्थायी समितीने शिफारस केली २५ लाख. म्हणजे हे कसे काय. म्हणजे आयुक्तांचे म्हणणे मला वाटते असे असेल की, अनधिकृत बांधकाम इथुन पुढे काही होणार नाही आणि २५ लाखांची जी फिगर आहे ती कशी काय याचा कृपया खुलासा करावा. ५ लाख आयुक्त म्हणतात. २५ लाख स्थायी समिती म्हणते.

### मोहन पाटील :-

आपण बघितले मागच्या वेळी ज्या वसुली झालेल्या आहेत त्याच्यामध्ये कोणत्याही पद्धतीची वसुली झालेलीन नाही. पाच लाखाची वसुली दिली होती आपण आणि या ठिकाणी जे शहरामध्ये

मोठ्या प्रमाणात अतिक्रमणे काढण्यांत आलेली आहेत त्याची वसुली व्हायची अपेक्षित आहे. मोठ्या प्रमाणात अतिक्रमणे काढलेली आहेत. त्याची नोटीस फी त्यांना आकारायची आहे. ती आकारल्यानंतर त्याच्याकडून २५ लाख अपेक्षित आहेत.

### आसिफ शेख :-

अद्यापही रक्कमा जमा झालेल्या नाहीत.

### मोहन पाटील :-

जमा झाल्या नाहीत.

### आसिफ शेख :-

इथे यांनी दाखविले आहे. मागच्या २ लाख ४६ हजार आणि येणारी शिल्लक आहे ४७ लाख ५४ हजार एकूण पन्नास लाखाची मागच्यावेळी होती. ४७ लाख येणार आहे असे तुम्ही म्हणताय आणि पुढे तुम्ही म्हणताय २५ लाख रुपये यांच्याकडे आपण एक असे धोरण घेतले.

### आसिफ शेख :-

अधिकृत करु शकतो तशाने पण आपण धंदा करून हा अधिकृत केला तर मला वाटते की ही रक्कम आपल्या दोन कोटी किंवा पाच कोटी याच्यापुढे जाईल आपण जर २५ लाख म्हणत असाल आणखी जर केले तर आणखी वाढेल जर आपल्याला बजेट वाढवायचे असेल तर हया सूचना करतोय मी सूचना आणि काही दुरुस्ती वैगरे तरी आपण त्याच्यावरती गंभीरतेने विचार केला पाहिजे. मा.आयुक्तांचे म्हणणे आहे कि पाच लाखापेक्षा जास्त काही नाही तर आपण म्हणता २५ लाख तर याच्यापेक्षा आम्ही दोन पावले पुढे जातो आहोत कारण आपल्याला निधी पाहिजे ना तर मॅडम बोलल्या सन्मा. सदस्य प्रभात ताई मॅडम बोलल्या कि हॉस्पीटल आणि नाटयगृह बांधावयाचे आहे तर त्याच्याकरिता आपल्याला निधी उभारायचा आहे तर निधी कोणत्या माध्यमातून उभारणार करणार आपण तर असा चांगला एक सर्वांनी तर मी एक सिरियसली बोलतो आहे वाढीव तरतुद साठी हे मा. महासभेचे अधिकार आहेत मा.स्थायी समितीने बजेट मंजूर करून दिलेले आहे. आपण १३४ पर्यंत आणि आम्ही जास्त वाढविण्याची अपेक्षा करत आहोत आणि त्यात काटकसर कशी करता येईल त्यांच्यापण आम्ही हया ठिकाणी सूचना करीत आहोत त्याचप्रमाणे रस्ता दुरुस्ती नुकसान भरपाई आहेत म्हणजेच दिड कोटी आणि स्थायी समितीने दोन कोटी केलेले आहेत. तर आता हया नुकसान भरपाई हे कोण करणार आहे बी.एस.ई.एस करणार कि अजून कोण करणार आहे.

### मोहन पाटील :-

नुकसान भरपाई करिता बी.एस.ई.एस आणि एम.टी.एन.एन हे आणि आता रिलायन्सवाले सुध्दा आलेले आहेत. ते अपेक्षित रक्कम धरलेली आहे.

### आसिफ शेख :-

बी.एस.ई.एस आणि एम.टी.एन.एल यांच्याकडून अपेक्षित नुकसान भरपाई दोन कोटी धरलेली आहे तसेच रिलायन्सवाले सुध्दा आता आलेले आहेत ते अपेक्षित धरून ना त्याचप्रमाणे आर्किटेक्ट फी, कारखाने, दुकानदार यांचे सर्व प्रकारचे नाहरकत दाखले व इतर फी मा.आयुक्त साहेबांनी ५० लाख रुपये दाखविलेले आहेत आणि मा.स्थायी समिती डायरेक एकदम ते काय म्हणतात बडे मियां तो बडे मियां छोटे मियां तो सुभान अल्ला त्याचप्रमाणे एकदम पाच कोटीवरती जम्प मारलेली आहे. तरी त्याबाबत कसे काय ते खुलासा करावा. मा.आयुक्त साहेबांनी जे आपण मा.नाईक साहेबांनी संपूर्ण नाहकरत दाखले त्याची रेट फी ते सर्व गृहित धरूनच येथे सादर केलेले असेल आणि मा.स्थायी समितीने एकदम शंभर पटीने म्हणजेच पाच कोटी केलेले आहेत तरी ते कोणत्या पध्दतीने केले त्याबाबत खुलासा करावा.

### मोहन पाटील :-

आपल्या हया शहरामध्ये दहा हजार कारखाने आणि जवळ जवळ १५ हजार शॉप्स आहेत आणि हया सर्व कारखान्यांना कोणत्याही पध्दतीने नाहरकत प्रमाणपत्र आपण दिलेली नाहीत व्यवसाय चालू करण्याचा जो दाखला असतो तो आपण दिलेला नाही आणि त्याची उपविधी मंजूरीसाठी आपण पाठविलेली आहे. आणि याठिकाणी त्याचे रेट्स दिलेले आहेत कारखान्यांना पाच रुपये रेट आहेत दुकानांना ५०० पासून ५००० पर्यंत दुकाने आहेत त्याची ती लायसन्स फी आहे आणि ही जी फी अपेक्षित धरली आपण तर आपला जवळ जवळ साडेचार कोटी आपल्याला निश्चित वाढ होऊ शकते कारण आपण जे विद्युतची जी परवानगी दिलेली आहे आपण विजेचा नाहरकत दाखला दिलेला आहे. फॅक्टरीवालयांना आपण ते दाखले दिलेले आहेत. व्यवसायाबाबत दाखले दिलेले नाहीत. तरी त्या व्यवसाय चालू करणेबाबतच्या दाखल्याची फी ही पाच रुपये आहे आणि इतर दुकाने, हॉटेल्स, बियरबार, हॉस्पीटल, दवाखाने क तसेच अनेक टप-या अशांना आपणांला दाखले दयायचे आहेत तरी त्या दाखल्यातून आपल्याला साडेचार कोटी रुपये अपेक्षित आहेत आणि यासाठी आपल्याला नविन

एक विभाग सुरु करणे जरुरीचे आहे आणि त्या विभागामार्फत आपण दाखले देणे आणि दाखल्याच्या माध्यमातून मिळणारा महसूल याठिकाणी आपल्याला मिळू शकेल.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

सूचना आहे. आता जे सभागृहामध्ये आपले सर्वांचे जे मत व्यक्त करतात. मा.स्थायी समिती सभापतींना विनंती आहे मा. महापौरांना विनंती आहे, मा.आयुक्तांना विनंती आहे आपण आता जो खुलासा देत आहोत. जे जे नगरसेवक जे काय बोलतील त्याचे सर्वांचे ऐकून त्याच्यावर आपण सविस्तर जी टिप्पणी दिली आता मी एकच गोष्ट विचारली त्याचे उत्तर मी मागत रहाणार आणि ते उत्तर तुम्ही अगोदर दिलेले असेल आणि त्याच्याने त्यांचे समाधान होणार नाही. तर त्यांनी तशी सूचना मांडावी. सूचना त्याच्यात काय वाढ होण्यासारखे असेल, काही ॲक्शन घेण्यासारखे असेल तर नगरसेवकांनी ते सुध्दा सांगावे. आणि त्यावर काय प्रशासन करु शकते आणि काय स्थायी समितीचे अधिकार आहेत ते त्यांनी मांडले तर फार उत्तम होईल त्यांनी परत परत ती गोष्ट सांगतात आणि मा.सभापतींना सुध्दा जड जाणार नाही अशी माझी सूचना आहे.

### मोहन पाटील :-

आपली सूचना मान्य आहे.

### प्रभात पाटील :-

मा. महापौर मँडळ आपल्या विषयाच्या संदर्भात यांनी जो विषय काढला मा. सभापतींनी उत्तर दिले की नगरपालिका हृदीतील दुकाने आणि कारखाने त्यांना कोणत्याही प्रकारचे आपण परवानग्या दिलेल्या नाहीत व चार्जेस आकारलेले नाहीत आणि ते आपण करणार आहोत आणि तशी उपविधी आपण सादर करणार आहोत तरी ही चांगली गोष्ट आहे मी आपल्याला मुद्दाम सांगू इच्छिते की मागच्या महानगरपालिका होण्याच्या अगोदर नगरपरिषद असताना आताचे सचिव आणि तेव्हाचे यांनी पण बरेचसे उपविधी मा.प्रफुल्ल पाटील, नगराध्यक्ष असतांना आपण सादर केले होते. मा.जिल्हाधिकारी कार्यालयामध्ये तरी त्याच्यावर त्या उपविधी वर काही मंजूरी त्यांची आलेली नव्हती आता आपल्यासारखे चांगले आयुक्त हया महानगरपालिकेला लाभलेले आहेत तर आपण उपविधी सादर केली होती आणि करणार आहोत किमान ते मंजूर होतील असे करा मंजूर होतीलच असे प्रयत्न करा नाही पेक्षा हा जो आपला खर्च अर्थसंकल्प आहे हा नुकसान फुगवटा राहिल आणि पोकळ वासा त्याच्यातून बाहेर पडू नये असे काहीतरी होऊ नये या नगरपरिषदेचे म्हणून उपविधीवर आपण जास्तीत जास्त लक्ष द्या अशी माझी एक सूचना आहे.

### आसिफ शेख :-

पान क्र. ६ आमदार फंड आणि खासदार फंड मा.स्थायी समिती साहेबांना मी धन्यवाद देतो मा. आयुक्त साहेबांनी बारा लाख रुपये आमदार फंड म्हणून अपेक्षित धरलेला आहे आणि खासदार फंड म्हणून वीस लाख रुपये. तेच आमदार फंड म्हणून वीस लाख रुपये मा.स्थायी समिती अंदाज आणि तीस लाख खासदार फंड तर मला वाटते की, सर्व हया ठिकाणी गट नेते वगैरे आहेत विविध पक्षाचे वगैरे तर प्रत्येकांनी आपला प्रत्यन केला आपल्या शहराच्या विकासाच्या दृष्टिकोनातून आपल्याला निधीयी अत्यंत आवश्यकता आहे. आपआपल्या आमदाराकडे, खासदारांकडे त्यांचा जर निधी आपल्याला याठिकाणी घेता आला तर आणखीन जास्तीत जास्त प्रयत्न झालेत तर निश्चितपणे याठिकाणी ही जी रक्कम आहे ती वाढण्याची शक्यता आहे. बांधकाम पाच क्र.८ पान नंबर बांधकाम ठेकेदार सुरक्षा अनामत त्यामध्ये मा.आयुक्त साहेबांनी अंदाज व्यक्त केलेला आहे. दोन कोटी पन्नास लाख म्हणजेच अडीच कोटी तर मला वाटते आणखीन जर त्याच्या अनामत रक्कम आपण वाढविल्या तर योग्य होईल पण आपण त्यांना रिफंड देऊ व त्याच्यावर आपल्याला इंटरेस्ट वगैरे मिळू शकते आपण जर वाढविणे तर त्याच्याकडून जमा म्हणून अनामत रक्कम आपण घेतली तर त्याच्यामध्ये थोडीफार वाढ करून आपल्याला त्यावर बँकेचे ठेवण एफ.डी. वगैरे तर त्यावर इंटरेस्ट वगैरे मिळू शकतो. थोडाफार विचार करण्यात यावा. पान क्र.१५ (गुलाबी कलरचे पान ) मोकाट आणि पिसाळलेल्या कुत्र्याचा बंदोबस्त कितीपर्यंत मागच्या वेळेला किती बिल अदा करण्यात आले मोकाट कुत्र्याच्या बाबतीत तर तुम्ही सांगा ना बिल किती अदा केले ते पकडले नाहीत आणि बिल अदा केले असे काही आहे का ? पिसाळलेले कुजे किती पकडले कारण मागच्या वेळेला २००२-०३ ला एक लाखाची तरतूद केली. आठ महिन्यात काही पकडलेच नाहीत चार महिन्यात पकडणार असे अपेक्षित धरले आहे कुठे पकडली.

### उपआयुक्त :-

पकडलेली नाहीत . फक्त कुटुंब कल्याण करण्यासाठी ती रक्कम दाखविलेली आहे.

### आसिफ शेख :-

कुटुंब कल्याण करण्यासाठी दाखविले आहे परंतु

आता रक्कम ही वाढविलेली आहे.

## उपआयुक्त :-

मोकाट व पिसाळलेल्या कुत्र्यांना पकडता सुध्दा येत नाही आणि त्यांना मारताही येत नाही.

## आसिफ शेख :-

सहनही होत नाही आणि सांगता ही येत नाही अशातला तो प्रकार आहे. तरी आता आपण दहा लाख रक्कम केलेली आहे. दहा लाखाची तरतूद आहे. त्याचप्रमाणे पान क्र.१६ जंतूनाशक खरेदी व डास निर्मुलन २००२-०३ करिता रु.६० लाख पहिल्या आठ महिन्यात प्रत्यक्ष खर्च झालेला आहे. २४ लाख २२ हजार आणि गुणिले चार महिन्यात ३५ लाख मा.आयुक्त साहेबांनी ६० लाखाची तरतूद केलेली आहे आणि आपण ७० लाखाची केलेली आहे. डासांचा प्रार्दुभाव हा वाढतच आहे कारण पंधरा दिवसापासून मी स्वतः आजारी आहे मच्छर चावल्यापासून कुठे ते नाही म्हणजे आपण जे औषध खरेदी करतो ते पाण्यातून मला वाटते आताच आपल्याकडे डॉक्टर साहेबाची नियुक्ती झालेली आहे आणि डॉ. बावस्कर साहेबांनी मला वाटते सर्व नगरसेवकांना पञ्च सुध्दा पाठविलेली आहेत. डास कसा होतो त्याची लक्षणे काय ? काय उपाय योजना केली पाहिजे या संदर्भात पञ्च पाठविलेली आहेत याबाबत खुलासा व्हावा.

## डॉ.बावस्कर :-

मा. महापौर महोदया आपल्या महानगरपालिका हृदीत जे भूमिगत गटाराची उपाय योजना आजपर्यंत राबविण्यात आलेली नाही उघडी गटारे महानगरपालिका हृदीत मोठया प्रमाणात आहेत याशिवाय वेगवेगळ्या उघडया जागेमध्ये, जमिनीमध्ये मोठया प्रमाणात पाणी साचलेले आहे नाल्यामध्ये पाणी साचलेले आहे याचा परिणाम म्हणून महानगरपालिका क्षेत्रात वेगवेगळ्या ठिकाणी मोठयाप्रमाणास डासाची उत्पत्ती स्थळे निर्माण झालेली आहेत. डासांची उत्पत्ती स्थळे शोधणे आणि ती नष्ट करणे आणि नष्ट करणे जर शक्य नसेल तर त्यावर किटकनाशकाची फवारणी करणे गरजेचे आहे. आपल्या महानगरपालिकेत अशी सुसज्ज यंत्रणा आतापर्यंत तशी पुरेशा प्रमाणात उपलब्ध नाही आणि जी किटकनाशके आपण वर्षानुवर्षे फवारणी करतो त्यासाठी डासाचे मोठयाप्रमाणत रेजिस्टरेड आलेले आहे आणि एक स्लो पॉयझन म्हणून त्या किटकनाशकाच्या विरुद्ध हया डसाचा प्रभाव वाढलेला आहे आणि त्याचा परिणाम पाहिजे त्या प्रमाणात होऊ शकत नाही या सर्व बाबीचा अभ्यास केल्यानंतर मी विभागाची पहाणी केल्यानंतर आपले जे सध्या उपलब्ध जे कामगार आहेत तरी त्या उपलब्ध असलेल्या कामगारांना एक दिवस शास्जोज्ञ पध्दतीने डास स्थळे व अळीची निर्मिती कशी होते त्याची पहाणी कशी करायची आणि शोधायची कशी व नष्ट कशी करायची यावर त्यांना सूचना दिल्या त्याचे प्रशिक्षण एक दिवसाचे त्यांचे घेतलेले आहे त्यानंतर जी पारंपारिक आपली किटकनाशके आहेत त्याच्याएवजी आता बाजारामध्ये चांगल्याप्रकारची व एक वेगळ्या प्रकारची प्रभावी किटकनाशके उपलब्ध आहेत आणि एका किटकनाशकाबरोबर दुस-या किटकनाशकाचा समावेश केला तर याचा परिणाम चांगला वाढतो याही पध्दतीचा अवलंब आपण करणार आहोत. डासाचे प्रमाण मोठया प्रमाणात वाढले असल्याने पहिल्या फेरीमध्ये आपण घरोघरी फवारणी करून जे अडळ किंवा डास निर्माण झालेले आहे त्यावर नियंत्रण आणण्याचा आपण प्रयत्न करत आहोत सुरुवातीच्या कालामध्ये आपल्या कर्मचा-यांना प्रशिक्षण नव्हते त्यामुळे जेव्हा सुरुवात केली त्यावेळेला ज्या प्रमाणात डोस वापरायला पाहिजे होता तो त्यांनी वापरला नाही कमी प्रमाणात वापरला त्याच्यामुळे त्याचा प्रभाव तेवढा जाणवला नाही परंतु नंतर मी पुन्हा सर्वाना पुन्हा बोलावून त्याबाबत सूचना दिल्या आणि योग्य प्रमाणात डोस वापरा प्रभावी किटकनाशक आपण आता एक नवीन फवारायला सुरुवात केली आहे अगोदर आपण बेगॉन कॉन्सेटेट वापरत होतो त्याचा परिणाम पाहिजे तसा दिसत नव्हता मागच्या चार पाच दिवसापासून किंवा एक आठवड्यापासून आपण के ऑथरेक डेल्टा मलेथिरीनप्लो वापरायला सुरुवात केलेली आहे. हे डेल्टा मेलेथेरीन प्लो अत्यंत प्रभावी आहे आणि याचा प्रभाव जर योग्य प्रमाणात डोस फवारला गेला तर डास उत्पत्ती ही होणार नाही.

## आसिफ शेख :-

डॉक्टर साहेब मागे मा. नाईक साहेब असताना बायर इंडिया कंपनी जी आहे त्यांना बोलावून वगैरे या संदर्भात आपल्या कर्मचा-यांना ते प्रशिक्षण देण्याचे ठरलेले होते. आणि तीन महिन्याअगोदर मोफत अगोदर प्रायोगिक तत्वावर ते काम करायचे.म्हणजे अंडी जे आहेत ती नष्ट करायची तेव्हा हे असे ठरले होते तर नंतर पुढे त्याचे काय झाले ? तीच प्रक्रिया अवलंबत आहोत कि अजून नवीन काही आपण करत आहोत.

## डॉ.बावस्कर :-

आपण जी शास्त्रज्ञ प्रक्रिया डास निर्मुलनासाठी आहे जी सायंटिफिक पध्दत आहे त्याच पध्दतीने आपण जाणार आहोत जे बायर कंपनीनेआपल्याला पज दिले हाते बायरच्या प्रतिनिधींना मी बोलाविले आणि त्यांनी जो दावा केला होता की आम्ही एवढया याच्यात जे जंतुनाशक त्यामध्ये दिलेले आहेत त्या जंतुनाशकाची किंमत त्यांनी ऐशी लाख पन्नास हजार रुपये एवढी किंमत जंतुनाशकाची दिलेली होती आणि मी त्यांना एकच प्रश्न विचारला की एवढे तुम्ही दिले जेव्हा सभेमध्ये सांगितले किंवा चर्चेमध्ये सांगितले आम्ही पूर्णपणे नष्ट करून दाखवू. तर तुम्ही नष्ट करून दाखवायची तुमची तयारी आहे का ? तर ते म्हणाले साहेब असे कसे शक्य असते कुठे ? आम्ही अऱ्नवल पॅरासाइड इंडेज बदल बोललो होतो आणि ती आम्ही कमी करू मला ते नको आहे. आम्हाला अऱ्नवल पॅरासाइड इंडेज हा फक्त मलेरियासाठी असतो त्याच्यावर नियंत्रण नको आहे आम्हाला एकूणच जेवढया प्रकाराचे डास महानगरपालिका हदीत निर्माण होतात आणि त्याची जी रथळे आहेत त्यावर नियंत्रण आणावयाचे आहे आणि त्यावर जर नियंत्रण आणले तर आम्हाला सर्व प्रकारच्या आजारावर जे डासापासून पसरलेले असतात त्यावर नियंत्रण आणता येईल त्यानुसार हा प्रस्ताव मी तयार केलेला आहे तसे निविदा मागविण्याची कारवाई जवळजवळ पूर्ण झालेली आहे. मा.महासभेमध्ये अर्थसंकल्पाला मंजूरी मिळाल्यानंतर तातडीने ही निविदा मागवून आपल्याला मोठया प्रमाणामध्ये हया प्रकारची कारवाई सुरु करता येईल आणि कर्मचा-यांची संख्या सुध्दा वाढविता येईल पंप आपल्याकडे बरोबर नव्हते त्या पंपाची सुध्दा आपण निविदा मागविली आहे एक चांगल्या प्रकारे यावर नियंत्रण आणता यावे यासाठी प्रयत्न चालू आहेत आणि आपल्या सर्वांच्या सहकार्याने आणि मार्गदर्शनाने यावर आपण काही प्रमाणात तरी पुढील या दोन तीन महिन्यामध्ये प्रयत्न करून यश मिळवू याबदल मला खाजी आहे.

#### असिफ शेख :-

धन्यवाद. आपण याबदल अपेक्षा व्यक्त करू या कि, मिरा भाईदरच्या जनतेचे आरोग्य आणखी चांगल्याप्रकारे सुधारेल.

#### शशिकांत शहा :-

महापौर मँडम, टाईमाचे काही बंधन आहे कि नाही प्रत्येक पार्टीचे गटनेते यांना बोलायला सांगितले होते . पंधरा मिनिटामध्ये तर एकच माणूस जर दोन दोन तास घेणार तर हे कसे पूर्ण होणार आहे बजेट

#### आसिफ शेख :-

सन्मा. सदस्य श्री.शशिकांत शहा आपण स्थायी समितीमध्ये होते. स्थायी समितीमध्ये आपण सात दिवस सतत स्टडी केलेले आहे तर आपल्याला काय घाई झाली हे काय कळत नाही मला मा.सभापती बोलले की, सात दिवस सतत त्यावर सखोल अभ्यास केलेला आहे तर आता मी दहा पंधरा मिनिटेच फक्त घेतली.

#### सुरेखा गायकवाड :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की आता जे बावस्कर सरानी सांगितले की औषध फवारणी घरोघरी चालू आहे. माझ्याकडे सुध्दा आले होते औषध फवारणीसाठी त्याच्यामध्ये औषधाचा पत्ताच नाही. असे मला वाटते फक्त पाणी आहे. औषध गायब मुळीच मच्छर मरत नाही त्या फवारणीने.

#### रिटा शहा :-

साहेब प्रश्न तो नाही. की फक्त पाणी आहे कि, औषध आताच बावस्कर साहेबांनी आपल्याला माहिती दिली की त्यांना माझा माहिती नव्हती कि केवढी घ्यायची ती पण माझा प्रश्न आहे कि आपण एवढे पैसे यांच्यावर खर्च करणार आहेत आणि घरोघरी फवारणी करण्याचे माझे समोर कर्मचारी बोलले आहेत मी कुणाचे नांव घेणार नाही तसेच त्याचे पोटावर लाथ मारायची नाही कि चार चार माळे चढून आपण दोन माणसे कसे करणार घरोघरी फवारणी मग आपल्याकडे पुरेसा स्टाफ आहे का ? आपण एवढे लाखो रुपये कोटी रुपये यांच्यावर खर्च करणार आहोत मग उद्या नागरिकामध्ये आणि नगरसेवक सदस्य म्हणून मीच उढून बोलणार कि याच्यामध्ये भ्रष्टाचार झाला असे होऊ नये कारण आपल्याकडे पुरेसा स्टाफ नाही माझ्या हिशोबाने की दोन माणसे मिळून संपूर्ण वॉर्डात घरोघरी जाऊन फवारणी करणे हे शक्य नाही. ही अशक्य गोष्ट आहे, आपल्याकडे स्टाफ पूर्ण नाही. हे डॉ.बावस्कर असे दे नाही तर कुणीही असू दे दिल्लीवरुन पण तुम्ही माणसे आणणार टाकणारी माणसेच नाही तुमच्याकडे पुरेशी तर तुम्ही हे कसे करणार आहेत.

#### सुरेखा गायकवाड :-

आता जी औषध फवारणी चालू आहे आणि याच्यामध्ये औषध नसते तसा माझा आरोप आहे.

#### मा.आयुक्त :-

याच्या संदर्भात जो खुलासा केला गेला त्याच्यात मा.स्थायी समितीचे अध्यक्ष यांनी असे निवेदन केलेले आहे कि या सफाई व्यवस्थेचे वॉर्डवॉर्डचे खाजगी करण केल्यानंतर आपला जो स्टाफ आहे या स्टाफमधून आपल्याला कर्मचारी उपलब्ध होतील. त्याच्यामधून आपल्याला हा कार्यक्रम प्रशिक्षण देऊन राबवायचा आहे. आता आपला जो मुद्दा आहे की त्याच्यामध्ये फक्त पाणी आहे हे डायलूट करण्यामध्ये जर वैयक्तीक त्या कर्मचा-याची चूक झाली असेल तर मधाशी बोलतांना आपल्याला भाषणामध्ये कबूल केले की त्याना माज माहिती नसल्यामुळे असे झालेले आहे. परंतु आता तसे प्रशिक्षण देऊन पुन्हा त्यांना व्यवस्थित माजा सांगितलेली आहे. आता आपणही लक्ष ठेवा आणि जर खरोखरच मी स्वतःसुधा काही ठिकाणी फिरुन त्याची पहाणी केलेली आहे. भाईदर स्टेशनच्या पूर्वेकडच्या भागामध्ये मी फिरुन पाहिलेले आहे. त्याचे प्रभाव तितक्या प्रमाणामध्ये मलाही जाणवला नव्हता म्हणून डॉक्टर आणि आम्ही बरोबर फिरुन पुन्हा सूचना दिलेल्या आहेत आता कदाचित तो फरक आपल्याला जाणवेल.

### रिटा शहा :-

साहेब माझी एक अंतर्गत सूचना आहे की, आपले कर्मचारी की प्रायव्हेट कॉन्ट्रक्टरचे कर्मचारी कोणीही येवू दे घरोघरी जाणार आहेत प्रत्येक सोसायटीमध्ये ते किमान चाळीस प्लॅट असतात मग ज्या प्लॅटमध्ये ते फवारणी करतील त्या प्लॅटधारकाची त्यांनी सही घ्यायची आणि सोसायटीचे वरती नांव टाकायचे हल्ली आता काम चालले आहे कि खाली दुकाने आहेत तेथील दोनतीन दुकानामध्ये टाकले माझा आरोप नाही परंतु प्रत्यक्षात तशी परिस्थिती आहे कि दुकानवाले सांगतात आम्हाला औषध द्या तर ते देऊन टाकतात आणि त्याची सही घेतात त्यांना वाटते कि आता काम झाले संपूर्ण बिल्डींग झाली असे करून ते निघून जातात. तर माझी सूचना अशी आहे की, वर बिल्डींगचे नांव घ्यायचे आणि त्यानंतर त्या चाळीस प्लॅटधारकांच्या सहया घ्यायच्या आणि झाले तर सोसायटीचे चैअरमन आणि सेक्रेटरीच्या सुधा सहया घ्यायच्या.

### चंद्रकांत मोदी :-

मा. महापौर मॅडम आज भी दवाई लेके मेरे सोसायटीमे आया था । और आके वो डबा साथ मे लेके आता है थोडी दवा उसमे डालते है और पाणी हमसे मांगते है और उसमे थोडा पानी डालिये और वो कर्मचारी जो ठेकेदार का छोकरा है ना वो डबा लेके आता है वोहि अंदर दवा डालता है और वही पानी डालता है और हमारी बाजूके सोसायटी मे मेरा ६० बिल्डींग नंबर है और ५९ नंबर बिल्डींग मे जा के बोलता है की मेरा क्या सब औरत मेरे बिल्डींगमे आप बोलेगे तो मै प्रुफ के साथ लेके आ सकता हूँ । वो औरत मेरे पास आके बोलती है की यह कर्मचारी बोलता है कि मैने दवाई छाटा तुम्हारे घर मे तो मुझे चाय पानी देना पडेगा । इसी तरह सबसे २० रुपये, २५ रुपये, १० रुपये लिया तो यह आदमी मै खुद सुबह देख के आया तो यह पैसा खर्च कर रही है । महानगरपालिका यह सब वेस्ट हो रहा है । दुसरी यह सूचना है मॅडम कि आप मेरे सामने जो सिम्बॉल दिखता है कि मिरा भाईदर महानगरपालिका ऐसे सब अपने बुक पे ही दिखता है लेकिन कोई कोई हमारे मार्केट के अंदर होता है कि तुम्हारा अच्छा बिल्डींग बनाया और अपने बिल्डींग पे तो नगरपालिका ही लिखा हुआ है तो मेरी एक ऐसी सूचना है कि आप जरा उसे सुधारा किजिए ।

### कैलासबेन जानी :-

मा.महापौर परवानगीने मी बोलत आहे कि जे आता फवारणी चालली आहे घरोघरी जाऊन फवारणी करतात औषधाचा डबा सुधा घेऊन येतात पण त्यांचा अर्थ असा नाही आहे की मच्छर सर्व मरतील मला तरी नाही वाटत. माझी अशी एक सूचना आहे की बाहेर कच-याचा जो डेर लागलेला आहे त्याच्यामध्ये मच्छराची उत्पत्ती २४ तासात होते. आणि घरातले मच्छर तरी कसे मरणार.आणि घरातले मच्छर मारल्यानंतर बाहेरचे मच्छर येणार नाही. त्याची आपण काय खाजी देणार आहे. महानगरपालिका आज सगळ्यांना घरोघरी जाऊन फवारणी करण्याची पध्दत चांगली नाही. बाहेरचे मच्छर जर मरत नाही तर घराचे मच्छर तरी कसे मरणार.

### आसिफ शेख :-

मच्छरांचा योग्य तो बंदोबस्त करावा एवढेच.

### मोहन पाटील :-

सन्मा. सदस्य श्री.आसिफ शेख जी आपल्या सूचना आम्ही घेतल्या आहेत या ठिकाणी प्रत्येक पक्षाला जी वेळ दिलेली आहे त्या वेळेमध्ये प्रत्येकाने जर सूचना दिल्या आणि त्या आल्यानंतर त्यांना एकझीकरण करून उत्तर दिले तर ते सोईचे होईल.

### आसिफ शेख :-

पान क्र. १६ वर अंटम क्र. ६ नालेसफाई आणि खोदाई मला वाटते नाईक साहेब असतांना नाले सफाई ही अत्यंत चांगल्या पध्दतीने झाली होती. व्हिडिओ शुटींग वगैरे करून व्यवस्थित सगळ्या

ठिकाणी दाखविले कि आमची नाले सफाई पध्दतीशीररित्या चाललेली आहे. परंतु त्यानंतर मला वाटत नाही की नाले सफाई व्यवस्थित झालेली आहे. तर एकूण त्यांना आतापर्यंतच्या पेमेंट किती केलेले आहे? आणि किती शिल्लक आहे? याचा आम्हाला खुलासा करावा. दिलेले किती नाले सफाईचे बिल ठेकेदारांना आणि आता किती शिल्लक आहे याचा कृपया खुलासा करावा त्यानंतर पान क्र.१८ स्मशान भूमी आणि पान क्र.१९ बाजारपेठा आणि कत्तलखाने हे दोघे मी एकजपणे सुचवितो आहे. आता स्मशान भूमी आणि कत्तलखाने यांच्या संदर्भात अत्यंत नाजूक विषय आहे आणि ज्याप्रमाणे महानगरपालिकेचे रस्ता, पाणी, विज, गटार, कत्तलखाने स्मशानभूमी हे त्याठिकाणातील प्रत्येक नागरिकांना पुरविणे हे त्याचे आद्य कर्तव्य आहे. आणि ते कायदेशीर बंधनकारक आहे. त्याचप्रमाणे स्मशानभूमी आणि दहन / दफनभूमीच्या दुरुस्तीसाठी तरतूद केलेली आहे. मा.आयुक्त साहेबांनी रु. १० लाख मा. स्थायी समितीने रु. २० लाखाची केलेली आहे. आपल्या परिसरात खिंशचन समाज मोठ्या प्रमाणात आहे त्यामध्ये प्रोट्रेस्टंट कॅथलिक आणि कॅथलिक समाजाचे लोक आहेत त्याचप्रमाणे मुस्लिम खोजा समाजपण आहे. मुस्लीममध्ये पण सीया सुन्नी आहेत बोहरी समाज आहेत दाऊ बोहरी समाज आहे. सुन्नी समाज आहे सिया समाज आहे आणि खोजा समाज आहे अशाप्रकारचे विविध समाज आणि ते आपले शहरातले करदाते आहेत तर त्याच्यासाठी देखील मला वाटते मिरा रोड मध्ये ज्या पध्दतीने आपण स्मशानभूमी/कब्रस्तान आणि बरेल ग्राउंड विकसित करण्याचा जो चांगला उपक्रम हाती घेतला त्याच तत्वावर प्रत्येक विभागात भाईदर पश्चिमेला फार अडचण निर्माण झालेली आहे. त्याचप्रमाणे भाईदर पूर्व परिसरात देखील फार मोठ्या प्रमाणात अडचण आहे त्या अडचणीवर मात करण्यासाठी ही जी आपली तरतूद आहे ती तरतूद मला वाटते पन्नास लाख ते कोटी पर्यंत वाढविण्यात यावी अशी मी याठिकाणी सूचना करतो. त्याचप्रमाणे कत्तलखाने याचा विषय जो याठिकाणी आला कत्तलखाने ते पण आपण शॉट्स हाऊस म्हणतात इंग्लिश मध्ये तर ते कत्तलखाने पण नागरिकांना आपल्याला बांधून दयायला पाहिजेत. प्रत्येक विभागाला बाजारपेठा पाहिजेत भाईदर पूर्व, पश्चिम, काशिमिरा, मिरा रोड, नया नगर, शांतीनगर अशा प्रत्येक विभागात त्या त्या ठिकाणी उत्तन परिसरात आता आपल्या ठिकाणी उत्तनमध्ये मला वाटते मार्केट हे उपलब्ध आहे आणि नयानगर साईडला नवीन जे बांधले आहे आपण मागच्या काळात ते पण चांगले उत्कृष्ट बांधलेले आहे तर त्या पध्दतीने मच्छी मार्केट, मटण मार्केट हे जर आपण त्यांना तेथे बांधून दिले तर मला वाटते ज्या लोकांच्या म्हणजे जैन समाजाच्या भावना आहेत त्या दुखावल्या जाणार नाहीत आणि जो वारंवार हा जो विषय आपल्या सभागृहासमोर येतो आणि कायदा आणि सुव्यवस्था अशी परिस्थिती निर्माण होते आणि सर्वांना नाहक त्याचा जास हातो ते मला वाटते एक सुंठी वाचून खोकला गेला असे या पध्दतीने जर कत्तलखाने बांधणे प्रत्येक ठिकाणी आणि मार्केट जर बांधले तर चांगले होईल आणि त्याची तरतूद ही वाढवून दयावी दोन लाख मा.आयुक्त साहेबांचा अंदाज आहे. तर मा.स्थायी समितीने ते दहा लाख केलेत तर येथे कमीत कमी आपल्याला पन्नास लाखपर्यंत तरतूद करणे आवश्यक आहे त्याचप्रमाणे पान क्र.२१ त्यामध्ये नगररचना व अतिक्रमण विभाग सिटीसर्व्हें ६ नंबरचे मा.आयुक्त साहेबांनी अंदाज व्यक्त केलाच नाही सिटी सर्व्हेंची आवश्यकता नाही एक कोटीची तरतूद आपण केलेली आहे. मा.स्थायी समितीने मागच्या वेळेला पण आपण सर्व वगैरे केला होता तर त्याचे काय झाले मागच्या वेळी आपण त्यांना रक्कम वगैरे अदा केल्या सर्व केले एक कोटी सिटी सर्वेसाठी आवश्यक आहे का? आवश्यक नसेल तर असा अनाठायी खर्च कृपया करू नका कारण की आपल्याला मोठमोठे प्रकल्प अजून हाती घ्यायचे आहेत. तशी आमची सूचना आहे की मा. आयुक्त साहेबांचे स्पष्ट म्हणणे आहे याठिकाणी की अजिबात आवश्यकता नाही निल फिगर दाखविलेला आहे एक कोटी नाही पण एक पैशाची सुध्दा आवश्यकता नाही असे मा.आयुक्त साहेबांचे ठाम मत आहे आणि परंतु एक कोटीची आवश्यकता आहे असे स्थायी समितीचे मत आहे तर हे कुठेतरी तफावत दिसते आहे. काहीतरी शासनता आहे असे वाटते तरी हा जो निधी असा आहे तर तो अशा निधी चांगल्या लोकांच्या विकासासाठी जी उपयोगी कामे आहेत नाटयगृहे बांधावयाचे आहे, हॉस्पीटल बांधायचे आहे नागरिकांसाठी जे आपल्याला उपलब्ध करून दयायचे आहे तर त्यासाठी हा निधी आपल्याला वापरता येईल त्याचप्रमाणे रस्ता साफ सफाई करणे रस्ता साफ सफाई करणे बांधकामामध्येच पान क्र.१६ मध्ये आरोग्य साठी पण वाढ दफनसाठी पण तिथे तरतूद केलेली आहे. तरी कृपया त्याचापण खुलासा करावा त्याचप्रमाणे पान क्र.२२ जूने सार्वजनिक कार्यालय इमारत दुरुस्ती करणे तर आपली जी जुनी कार्यालय इमारत त्यास दुरुस्ती आवश्यक आहे का नसेल तर ते भाड्याने देण्याचा एक प्रस्ताव होता तो भाड्यासाठी देण्यासंदर्भात आपण एक टेंडर काढले आणि ते वित्तीय संस्थेला दिले तर निश्चितपणे आपल्याला उत्पन्न हे वाढणार आहे. परस्केअर फुट मागे जर आपण दिले तर उत्पन्न वाढेल

मोहन पाटील :

वर्षभरासाठी ही तरतुद आहे आपली  
**आसिफ शेख :-**

दुरुस्ती करण्याची आवश्यकता नाही ॲज रिटीज व्हेज रिटीज म्हणून ही दुरुस्ती साठी आपण जी रक्कम दाखविली आहे. तर ती वगळावी त्यामधून आपण ॲज रिटीज व्हेज रिटीज तत्वावर आपण त्यांना कार्यालय ठेवून टाकावे भाड्याने म्हणजेच आपले उत्पन्न वाढेल पान क्र २२ वर दुर्बल घटक व महिला बालक न्याय समितीसाठी मा.आयुक्त साहेबांनी शिफारस केलेली आहे. पंधरा लाख पासष्ट हजार आणि पंधरा लाख पासष्ट हजार एकूण जे महसूल उत्पन्न आहे. त्या महसूल उत्पन्नाचे पाच टक्के रक्कम यावर खर्च केला पाहिजे असे शासनाचे आदेश आहेत निर्देश आहेत आणि त्याचप्रमाणे ते खर्च करणे अपेक्षित आहे. मा.आयुक्त साहेबांनी जी तरतुद केली आहे ती योग्य आहे असे असताना देखील आपण काय केले जास्त वाढीव तरतुद केलेली आहे तरी ती कोणत्या आधारावर केलेली आहे. कि नवीन जी आर आला असला तर त्याची माहिती द्यावी की नवीन जी.आर आलेला आहे आणि मी तेच म्हणतो की बजेट जे वाढलेले आहे त्याबदल मी अगोदर अभिनंदन केलेले आहे मा.स्थायी समिती सभापतीचे अभिनंदन केलेले आहे खास करून आणि सर्व स्थायी सदस्यांचे सुध्दा अभिनंदन केले आहे याठिकाणी परंतु कायदयाच्या ज्या गोष्टी की शासनाचे आदेशाचे कूठेतरी पालन करित आहोत की नाहीत याकडे लक्ष केंद्रित केले पाहिजे नाहीतर पुन्हा मागच्या प्रमाणे प्रकार व्हायला नको. शेवटी मा.महासभा ही जबाबदार रहाणार आहे या सर्व गोष्टीला त्याचप्रमाणे रोड सरफेस आणि पृष्ठिकरण सरफेस पृष्ठिकरण म्हणजे नक्की काय करणार आहात एक कोटी परंतु मा.आयुक्त साहेबांनी सांगितले काही आवश्यक नाही सरफेस करण्याची डांबरीकरण करण्याची सरफेस करणे म्हणजेच नक्की काय करणार आहात याचा खुलासा करावा आणि एक कोटी रूपये ही आवश्यकता आहे का? असे जर आपण अनावश्यक खर्च करत राहिलो तर आपल्या ज्या आवश्यक बाबी नागरिकांना पुरवयाच्या आहेत त्या आपण कशा पुरवणार? बांधकाम विभाग करते तरी काय? त्याचप्रमाणे पैचवर्क, पैचवर्क वरती ७ कोटीची तरतुद मा.आयुक्त साहेबांनी केलेली सहा कोटीची रस्ते देखभाल व दुरुस्ती त्यामध्ये सुधारणा ७ कोटी मा.आयुक्त साहेबांनी केलेली तरतुद आतापर्यंत बिल किती दिले पैचवर्कवरती आतापर्यंत किती बिल अदा करण्यात आले व किती शिल्लक आहे तरी कृपया त्याची माहिती द्यावी आणि मला वाटत नाही की एवढी रक्कम पैचवर्कसाठी आवश्यक आहे दोन कोटी मॅकझीमम बस झाली तर बाकीची पाच कोटी शिल्लक ही एक कोटी आणि ती एक कोटी हा संपूर्ण सात कोटी जी रक्कम आहे ती हॉस्पीटलसाठी आपल्याला जे हॉस्पीटल बांधायचे आहे नाटयगृह बांधायचे आहे त्यासाठी वर्ग करण्यात यावे अशी मी याठिकाणी सूचना करतो आणि तसे खरे म्हणजे मा.आयुक्त साहेब आपण वैयक्तीक याठिकाणी लक्ष घाला आणि प्रशासनाचा कारभार अत्यंत स्पष्ट पारदर्शक असला पाहिजे. या भूमिकेशी मी ठाम आहे आणि सभागृहातील प्रत्येक सदस्य हया माझ्या भूमिकेशी सहमत असेल असे मी समजतो तरी कृपया हे पैचवर्कचे जे आहे तर हा निधी संपूर्ण वळवावा आणि गोरगरीब जनतेला ज्या आरोग्य सुविधा दयायच्या आहेत तर त्याठिकाणी तो निधी वर्ग करण्यात यावा. त्याचप्रमाणे एक सूचना याठिकाणी शाळेतील विद्यार्थ्यांना पान क्र.२३ नंबर ९ मध्ये शाळेतील मुलांना पुस्तके वहया वाटप करणे. २५ लाखाची तरतुद मागच्या वेळी आपण केलेली आहे. २००२-०३ ला आणि पहिल्या आठ महिन्यात एकही पैसा खर्च केलेला नाही आणि पुढच्या राहिलेल्या चार महिन्यात खर्च करणार आहोत असे दाखविलेले आहे तर कुणाला गणवेश दिले आणि किती दिले. गणवेश दिले असते. मला नाही वाटत सन्मा.सदस्या श्रीमती ज्योत्स्ना मँडमनी मोर्चा काढला नसता विद्यार्थ्यांचा हे कूठेतरी काहीतरी गफलत आहे. शासनता आहे तरी कृपया आपण हे तपासून घ्या. त्याचप्रमाणे इकडचा जो निधी आहे पन्नास लाख आपण केला आहे तर त्याबाबत धन्यवाद देतो मी सभापती साहेबांना तर हा निधी वाढविलेला आहे. विद्यार्थ्यांसाठी शैक्षणिक कामासाठी जो निधी वाढविला आहे त्याबदल सभापती साहेबांना मी धन्यवाद देतो त्याचप्रमाणे पान क्र.२४ साप्त. नियम कालीक खरेदीकरण तर त्यामध्ये नियत कालीक म्हणजे वृत्तपत्रे आलीत कि नाही तर आपल्या महानगरपालिका कार्यालयामध्ये प्रत्येक भाषाचे दैनिक वृत्तपत्र हे खरेदी केले पाहिजे. त्यामुळे इकडचा जो निधी तो कृपया एक लाखावरुन दोन लाख करण्यात यावा अशी विनंती आहे. त्याचप्रमाणे वृक्षरोपण कार्यक्रम पान क्र.२६ वृक्षरोपण कार्यक्रम तर हयासाठी जी तरतुद केली आहे. मा.आयुक्त साहेबांनी अंदाजे सत्तर लाखाची केलेली आहे.

**रिटा शहा :-**

महापौर मँडम महापौराच्या परवानगीने बोलू इच्छितो कि गेल्या वेळी मिटींगला जे रिटा शहा बोलत होती तर तेव्हा तिकडून झाले होते की, फक्त हयाच नगरसेविकाच मिटींग चालवणार का? मग आपण का रुलींग देत नाही. आपल्याला अधिकार आहे तसा आपण तसे रुलींग द्या. असे चुकीचे चालले आहे सभागृह.

### आसिफ शेख :-

सन्मा सदस्या रिटा शाह मँडम कोणी बोलत असतांना मी कुणाला हस्तक्षेप केलेला नाही मी बोलत असताना सर्वच सदस्यांनी हस्तक्षेप केलेला आहे तरी सुध्दा मी काही बोललो नाही.

### रिटा शहा :-

मी कुणाच्या यांच्यात हस्तक्षेप करीत नाही. तेव्हाही मी सांगितले होते की, मी कुठल्या नगरसेवकांना बोलायला थांबवत नाही आणि तिकडून नेहमी ओरडाओरडी होतात.

### मा.महापौर :-

बस झाले बी.जे.पी. वाल्यांना बोलायचे असेल तर बोलावे सन्मा.सदस्य श्री.असिफ शेख आपण आता बसावे.

### असिफ शेख :-

दोन मिनिट मँडम, वृक्षरोपणासाठी १ कोटी २० लाखाची तरतूद आपण केलेली आहे.

### मा.महापौर :-

सन्मा. सदस्य श्री.असिफ शेख आपले बोलणे बस झाले आपण जागेवर बसावे. कुणा दुस-यास बोलायचे असेल त्यांनी बोलावे.

### असिफ शेख :-

मी या ठिकाणी ज्या सूचना केलेल्या आहेत तरी मा.आयुक्त साहेब आणि महापौर साहेब आपण यांच्यावर व्यवस्थित शहराच्या नागरिकांच्या विकासाच्या दृष्टिकोनातून निश्चितपणाने विचार करून यथायोग्य यामध्ये निर्णय घेऊन बजेटमध्ये फेरबदल कराल अशी अपेक्षा व्यक्त करतो. आणि शहराला एक चांगला मेसेज आपल्यामार्फत जाईल एवढी अपेक्षा पुढा व्यक्त करतो आणि जाता जाता शेवटी आपल्याला हे सर्व काम करीत असताना शेवटी पैसाच महत्वाचा असतो. हो तर एक शेर सांगतो निश्चितपणाने कि तुलसी जग मे दो बडे एक पैसा एक राम राम नाम से मुक्ती है । पैसा का सब काम तर आपल्या समोर काम करताना पैशाची आवश्यकता आहे. धन्यवाद जय हिंद जय महाराष्ट्र.

### महापौर :-

बी.जे.पी. वाल्यांना बोलायचे असेल तर बोलावे.

### धनराज अग्रवाल :-

मा. महापौर मँडम, मा. आयुक्त साहेबांनी आणि मा. स्थायी समितीने जे बजेट सादर केलेले आहे. स्थायी समितीचे सदस्य म्हणून मी सुध्दा त्यात सहभागी आहे. परंतु थोडीफार शंका आहे हयांच्यात मा.स्थायी समितीने बजेट केला म्हणून हया ८४ सदस्यांना मान्य आहे असे नसते. आपल्या उपविधीमध्ये जाहिरात कर बाबत मला विचारायचे आहे. दुकानांमध्ये आता महानगरपालिकेचे कर्मचारी जाऊन दुकानाच्या आतमधील जे शोकेश आहेत त्याचे सुध्दा मोजमाप घेतात तर त्याच्यात पण जाहिरात कर लावणार आहात काय ? आतमध्ये जी दुकाने आहेत आणि त्याची आतील जी शोकेश आहेत त्याचे आतमध्ये सुध्दा मोजमाप घेतात आपले कर्मचारी आतमध्ये मोजमाप घेतात त्याच्याबदल खुलासा व्हावा. एक आपल्या एन.ओ.सी.मध्ये पान नाही व्हाईटमध्ये जे उपविधी आहे एक नंबर ६ रुग्णालय सुरु करणे दाखला त्यामध्ये आपण पाच हजार आणि एक हजार नविन दाखला पाच हजार आणि नुतनीकरण एक हजार रुपये असे दाखविलेले आहे. आठ नंबरामध्ये त्याचे व्हाईट पानामध्ये खाजगी रुग्णालय नर्सिंग होम दहा हजार आणि पाच हजार रुपये तर दोघांत काय फरक आहे. अ.क्र.८ पेज नं. नाही हा नाहरकत दाखला देणे सफेद अशा पानावर आहे. अ.क्र.८ वर आहे. रुग्णालय सुरु करणे दाखला त्याच्यात पाच हजार रुपये केलेले आहे आणि नंतर दवाखाने वेगळे आहेत. पान क्र.२२ मध्ये खाजगी रुग्णालय आणि नर्सिंग होम यांच्यात दहा हजार रुपये आहे आणि पाच हजार आहेत. तरी यांच्या बरोबर कुठला आणि चूक कुठला याबाबत माहिती व्हावी. म्हणजेच आठ नंबर घ्यावे लागेल का. क्र.२२ हा कॅन्सल करू या. का आपल्याला पाच हजार मान्य आहे का साहेब की दहा हजार रुपये मान्य आहेत.

### डॉ.बावसकर :-

मा. महापौर महोदया, रुग्णालय, दवाखाने आणि नर्सिंग होम याचा उल्लेख दोन ठिकाणी आलेला आहे. एक आठ नंबर आणि एक बावीस नंबर आठ नंबरचा जो उल्लेख आहे तो पाच खाटापेक्षा कमी असलेल्या रुग्णालयासाठी आणि दवाखान्यासाठी आणि २२ नंबरचा जो उल्लेख आहे तो पाच पेक्षा जास्त असलेल्या रुग्णालये आणि दवाखान्यासाठी ठेवण्यात यावा असे मा.सभापती आणि मा.महापौरांकडून सुचविण्यात आलेले आहे.

### धनराज अग्रवाल :-

त्याच्यात साहेब पाच खाटासाठी आपण नुतनीकरण हजार रुपये ठेवलेले आहे आणि पाचच्या वर असलेल्यासाठी नुतनीकरणासाठी पाच हजार रुपये ठेवलेले आहेत ते बरोबर होईल का ? खरे म्हणजे साहेब आपण हे जे दोन हेड दिलेले आहेत त्यामध्ये एक हेड बरोबर आहे आठ नंबरचा हेड बरोबर आहे. हा एक चुकीचा हेड दिलेला आहे. आता आपण कबुल करत नाही त्याची अमाऊंट जास्त आहे म्हणून हे पण आहे. माझ्या हिशोबाने साहेब हे चुकीचे आहे.

### मोहन पाटील :-

खुलासा केलेला आहे दहा आणि दहाच्या वर आहे पान क्र.२२

### धनराज अग्रवाल :-

पाचचे दहा केले का ? आताच खुलासा केला का ? नाही आता पाच साहेबांनी केले आपल्या ऑफिसरने सांगितले की, पाच खाटा आणि आता आपण सांगता आहेत दहा खाटा आणि आता परत कुणी पंधरा सुध्दा सांगेल. तर एक कुठलेतरी फिक्स करा.

### रिटा शहा :-

साहेब एक प्रिंटिंग मिस्टेक अजून झालेली आहे दाखल्यामध्ये नवीन नवीन दोनदा लिहिले आहे. नुतनीकरण पाहिजे तिथे त्याबाबत दुरुस्ती व्हावी.

### धनराज अग्रवाल :-

नुतनीकरणामध्ये पाचच राहिले का आता कि हजार आणि पाच हजार बरोबर आहे का? रक्कम बरोबर आहे. पण हा बरोबर वाटत नाही साहेब. नुतनीकरणासाठी प्रत्येक वर्षी पाच हजार आपण जो रेट लावला तो माझ्या हिशोबाने बरोबर नाही परत तो विषय आणायला पाहिजे हे सभागृहाची मंजूरीसाठी आहे असे.

### उप आयुक्त :-

आम्ही सुचविलेले आहे आणि सभागृहाने मंजूर केले आहे.

### रोहिदास पाटील :-

एक सहमत असा विषय येईल कि हया उपविधीला तुम्ही जे दिलेले आहे त्याचा तांत्रिक अंदाज घेऊन तुम्ही बजेट केलेले आहे कि उपविधीत तुम्ही हया सभेची मंजूरी मागत आहात मग हा एक तर मुद्दा किलयर व्हायला पाहिजे. आम्ही या महापालिकेच्या कामकाजाच्या हिताच्या दृष्टिने अंदाजपऱ्यक जे दयायचे आहे. संभावित दरवाढ संभावित हे करुन आपण केलेले आहे. आता तुम्ही सांगाल कि या उपविधीला सभागृहामध्ये मंजूरी दिली असे आहे की नाही

### उपआयुक्त :-

उपविधी नंतर येईल बजेटचा विषय आहे.

### रोहिदास पाटील :-

या विषयावर आपण बोलू शकतो ना

### धनराज अग्रवाल :-

एक आपण एन.ओ.सी.मध्ये आपल्याकडे भाईदर मार्केटला आता आपले सभापती साहेबांनी सांगितले की, दहा हजार दुकाने आहेत तुम्ही नुसते शितगृहे, ब्युटी पार्लर वैगरे याच्यात लिहिले आहे यांच्यात मोठी संख्या किराणा दुकानांची आहे त्याचा यांच्यात कुठलाही उल्लेख नाही. किराणा दुकान एन.ओ.सी. किती?

### उपआयुक्त :-

पाच हजार रुपये आहे.

### धनराज अग्रवाल :-

साहेब पाच हजार रुपये वर्षाचे भाडे असते दुकानाचे तर एन.ओ.सी. पाच हजार रुपये लिहिलेले आहे. परत तुम्ही नुतनीकरणासाठी तीन हजार लिहिलेले आहे.

### उपआयुक्त :-

आम्ही जे सुचविलेले आहे त्यामध्ये नवीन सुरु करण्यासाठी पाच हजार रुपये आणि नुतनीकरणासाठी तीन हजार रुपये आहे.

### रोहिदास शंकर पाटील :-

अकरा महिन्यासाठी जी चालू होतात ती परत बंद होतात काहीतरी चांगला रिझल्ट मिळेल. असे जर केले तर महापालिकेच्या कामकाजाच्या दृष्टिने सोयीस्कर ठरेल.

### धनराज अग्रवाल :-

किराणा दुकाने ही माझ्या माहितीप्रमाणे प्रत्येक महिन्याला दहा किराणा दुकाने इकडे बंद होतात.

## ओमप्रकाश अग्रवाल :-

नाही, साहेब एक विषय इकडे किलअर झाला पाहिजे. हे तुम्ही जे रेट दिलेले आहेत उपविधीचा कशा पध्दतीने इम्प्लीमेंट होणार आहे. उपविधीचे तुम्ही इकडे रेट दिलेले आहेत. त्याच्यात फार तफावत आहे अजून नागरिकांना किंवा जे दुकानदार किंवा हॉटेल मालक आहेत किंवा तबेलेवाले आहेत तर त्यांना या उपविधीची काहीही माहिती नाही. एक साधे उदाहरण सांगतो सकाळी डॉक्टर भेटले होते. तर त्यांनी मला विचारले की हे दहा हजार, पाच हजार तर त्यांनी मला सांगितले नेरूळ, अंबरनाथ, ठाणे महानगरपालिकेमध्ये फक्त पाचशे रुपये रजिस्ट्रेशनचे आणि एन.ओ.सी.चे आहेत आणि तुम्ही दहा हजार रुपये लावलेले आहेत. तर माझे असे म्हणणे आहे की, उपविधी तयार करताना एक कम्प्युरिटी तुम्ही महानगरपालिका ठाणे, अंबरनाथ ठिक आहे आपली नविन महापालिका आहे तर तुम्ही एकदा वसुल केले पण याच्यानंतर कमी करता येईल किंवा वाढविता सुधा येईल आणि आताच तुम्ही वाढविले आणि आणखीन पुढच्या वेळेला जर वाढविले तर या भाईदर मध्ये आक्रोश होईल पण हा उपविधी तुम्ही मंजूर करताना सभागृहात किंवा नागरिकांना कळू द्या संबंधित जे डॉक्टर आहेत त्यांना कळू द्या. तसेच तबेला मालकांना कळू द्या कि तुमच्यासाठी हे रेट लागू केलेले आहेत. त्याबाबत हरकत नाहरकत त्यांच्याकडून मागवा नाहीतर जे महापालिकेचे बजेट तयार केलेले आहे. मी नंतर बोलणार आहे या बजेटबाबत. जे काही थोडीशी मिस्टेक झालेली आहे तरी मा.आयुक्त साहेब आणि मा.स्थायी समिती यांनी त्याचे कारण सांगा मोठा फरक पडणार आहे. या उपविधीमुळे म्हणून हा उपविधी आज लागू नाही आहे याच्यासाठी एक सभा बोलवावी सभागृहाने रेट ठरवावा.

## मा.आयुक्त :-

उपविधी मंजूर करणे हा वेगळा विषय आहे.

## ओमप्रकाश अग्रवाल :-

प्रशासकीय काळामध्ये पुष्कळ हयगय केलेली आहे आणि जर प्रशासकीय काळामध्ये जे ठरलेले आहे ते तुम्ही इम्प्लीमेंट कराल तर महासभेला त्याला परवानगी आहे का फेरबदल करण्याचा ? आज तुम्हाला पाण्याचे उदाहरण सांगतो रस्ता खोदाई करताना किंवा एखादा ट्रक गेल्यानंतर कुणाच्या एखाद्या बिल्डिंगचा पाईप तुट्टो ट्रकमुळे आणि जेव्हा तो नगरपालिकेत येतो त्या ट्रकमुळे नगरपालिकेने त्याचे जे दंडात्मक कारवाई आहे जोडणीची पाच हजार ते सहा हजार पर्यंत घेऊन गेलेले आहेत म्हणून जेवढी रक्कम नवीन कनेक्शनला नाही आहे तेवढी रक्कम तुम्ही त्या नळ जोडणीला पुन्हा बोटींग चार्जेस, खोदाई चार्जेस म्हणून घेतात.

## मा.उपआयुक्त :-

असे नाही आहे दुरुस्तीचे जे आहे रस्ता खोदाईचाच फक्त चार्ज घेतो फक्त ट्रान्सफर कनेक्शन एका लाईनवरून दुस-या लाईनवर ट्रान्सफर करताना अडीच हजार घेतो.

## ओमप्रकाश अग्रवाल :-

तीन हजार रुपये घेतलेले आहेत साहेब. मी स्वतः दिलेले आहेत. मा.आयुक्त साहेबांनी प्रशासकीय काळामध्ये जे ठरवलेले आहे आणि ते रेट सक्तीने इम्प्लीमेंट करायला लावणार असाल तर या भाईदरमध्ये व्यापा-यांचा आक्रोश होईल लक्षात ठेवा तुम्ही म्हणून या उपविधीसाठी जे प्रशासकीय काळामध्ये उपविधी मंजूर करण्यात आलेली आहे. त्यासाठी एक सभा बोलावून त्या उपविधीमध्ये काही फेरबदल करावयाचे असतील ते करून नागरिकांमध्ये ती जाहिरातीप्रमाणे इम्प्लीमेंट करून लोकांच्या हरकती मागवून त्या इम्प्लीमेंट केले तर त्या उपविधीबदल वाद होणार आहे.

## मा.आयुक्त :-

ओमप्रकाशजी आपण या ठिकाणी जी सूचना केली आहे याच्यामध्ये संप्रभ्रम एकच आहे की उपविधी मंजूर करणे आणि दर मंजूर करणे हे कदाचित आपण एकच डोक्यामध्ये जो विषय आहे तसा तो नाही आहे दर मंजूर ॲलरेडी प्रशासकीय कारकिर्दीत झालेली आहेत उपविधी म्हणजे ते कोणत्या पध्दतीने राबवायचे आहे. ॲकटीव्हीटी त्याच्या संदर्भातिले नियम जे आहेत त्याला उपविधी म्हणावयाचे आहे दर ॲलरेडी फिक्स झालेले आहेत हे दर कमी की जास्त किती करायचे काय त्यांच्यामध्ये भूमिका घ्यायची हा वेगळा भाग आहे नंतरच्या जेव्हा महासभेपुढे विषय तो येईल त्या वेळी येईल पण आज बजेट पुरते ते दर अस्तित्वात असलेल्या दराने गृहित धरून बजेट आपल्यापुढे सादर केलेले आहे. त्यामुळे उपविधी मंजूर झाल्यानंतर यांच्यात काही फरक पडेल अशी शक्यता नाही आहे. धन्यवाद.

## ओमप्रकाश अग्रवाल :-

आज तुम्ही एक छोटासा मेडिकल स्टोर्स जरी पकडला. मेडिकलचा माझा धंदा आहे. किती एक्सेशेक्शन सर्क्हिस आहे आणि मेडिकल स्टोर्स म्हणजे काय मोठी माझींग नाही आहे. पाच हजार रुपये तुम्ही त्याला फिस लावली आहे. पाच हजार रुपये आणि कत्तलखाना त्याला तुम्ही फक्त पंधराशे

ते दोन हजार लावलेले आहेत. म्हणजे ज्या गोष्टीला कुठलाही खर्च येत नाही तो दुकानदार किंवा मेडिकल तसेच किराणा स्टोर्स तो शॉप एस्टाब्लिशमेंट चार्ज भरतोय. तो सेल्स टॅक्स भरतो आहे. तो फूड अँण्ड ड्रायफुट लायसन्स फी भरतो आहे. तो नगरपालिकेचा टॅक्स भरतो आहे अशा लोकांना पुन्हा पाच हजार रुपये बोझा करणे आणि नुतनीकरणासाठी तुम्ही अडीच हजार किंवा तीन हजार केलेले आहेत. म्हणजे हे बरोबर नाही आहे. प्रशासकीय काळामध्ये केलेले असेल तर ठीक आहे पण याच्यामध्ये रिहीझन झाले पाहिजे. नाहीतर हा रेट तुम्ही दिलेला आहे. मी लिहून ठेवला होता. लोकांची याच्यावर नजर नव्हती. पण हे नक्कीच आहे. ह्या रेटचे प्रशासकीय काळामध्ये झालेले आहे पुन्हा सभागृहामध्ये आणून त्याच्यामध्ये दुरुस्ती केली पाहिजे आणि खरोखरच महापालिकेला उत्पन्न पाहिजे. फक्त ह्या आंदोलनाची भूमिका ह्या शहराला द्यायची असेल तर तुम्ही तुम्हाला वाटले ते प्रशासकीय काळामध्ये केले. त्याचे तुम्ही इंम्प्लीमेंट करा मग बघू काय होते ते.

### अशोक पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने, नगरपालिकेने मंजुरीसाठी त्यावेळी जी मंजूर होऊन आलेली आहे ती उपविधी प्रशासकीय राजवटीमध्ये पाठविण्यांत आलेली आहे का याचा नक्की काय तो खुलासा या सभागृहासमोर व्हावा की ज्या उपविधीच्या आधारे आपण वाढीव महसूल जो अपेक्षित घरलेला आहे तर ती उपविधी मंजूर झालेली आहे की, होणार आहे. याच्यावरती या बजेटमध्ये एकंदरीत वाढीव महसूल अवलंबून आहे. तरी कृपया खुलासा या उपविधीसंबंधी या सभागृहात व्हावा.

### उपआयुक्त :-

उपविधी प्रशासकीय कारकिर्दीमध्ये सभागृहातील कामकाज नियम हे एवढेच मंजूर करून पाठविलेले आहे. कार्पोरेशन झाल्यानंतर ३८६ प्रमाणे लायसन्स आणि लेखी परवानगी देणे हा जो विषय आहे याचा दर प्रशासकीय कारकिर्दीत ठरविलेले आहेत. हे दर कमी जास्त करायचे असेल, तर सभागृहासमोर आणून कमी जास्त करू शकता. परंतु उपविधी अजूनही मंजूरीसाठी पाठविलेली नाही. ती उपविधी झाल्यानंतर, हरकती सुचना मागविण्याचा हा स्वतंत्र विषय आहे. आता लायसन्स देणे आणि लेखी परवानगी देणे, निलंबित करणे, रद्द करणे, फि बसवणे यासंबंधी सर्वसाधारण तरतुदी ३८६ प्रमाणे केलेल्या आहेत. यामध्ये कमी जास्त करायचे असेल तर सभागृह विचार करू शकता परंतु आम्ही जे दर ठरविलेले आहेत ते प्रशासकीय कारकिर्दीत या कलमाप्रमाणे दर ठरलेले आहेत. उपविधी हा स्वतंत्र विषय आहे आणि नाहरकत दाखला आणि परवानगी लायसन्स हा स्वतंत्र विषय आहे.

### प्रभात पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते की, लायसन्स दर आणि प्रशासकीय दर हे प्रशासकीय काळात वाढवले गेले याच्यात पाणी पुरवठ्याचा अंतर्भाव होता का? पाणी पुरवठ्याच्या बाबतीमध्ये काही दर तुम्ही ट्रान्सफर दर.

### उपआयुक्त :-

पुर्वी लायसन्स फी ही १०० रुपये घ्यायचे त्या ऐवजी आम्ही वेगवेगळ्या कॅटेगरीचे दर ठरविले.

### प्रभात पाटील :-

पाणी पुरवठ्याच्या त्यात अंतर्भाव होता का?

### उपआयुक्त :-

पाणी पुरवठ्याच्या बाबतीत जे ट्रान्सफर कनेक्शन आहे ते १०० रुपये घ्यायचे आणि ट्रान्सफर करायचे. त्यामध्ये नगरपालिकेला नवीन पाईप लाईन टाकणे आणि रोड खोदाई करणे हे अभिप्रेत होते. जुन्या पाईप लाईन ह्या ग्रामपंचायती काळाच्या पडलेल्या होत्या आणि त्यामधून कमी प्रमाणात पाणी मिळत होते. लोकांना टँकर लागायचे म्हणून ट्रान्सफर फी म्हणून अडीच हजार आणि रस्ता खोदी खर्च तेवढे घेतले जाते. यामध्ये जुन्या पाईप लाईनमधून येणारे पाणी आणि नवीन पाईप लाईन टाकल्यानंतर येणारे पाणी याचा विचार करून नागरीक स्वखुशीने भरायला तयार झाले म्हणून आम्ही ते ट्रान्सफर कनेक्शन फी असे ठेवलेले आहे.

### प्रभात पाटील :-

नाही चार साडे चार हजार रुपये ट्रान्सफर फी नागरीक स्वखुशीने भरायला नागरीक बिल्कुल तयार होत नाही. आता हे चार हजार चारशे रुपये भरावे लागतात आपल्याला म्हणून हा जो पाणी पुरवठा बाबतीमध्ये जो दर आहे वाढलेला प्रशासकीय काळामध्ये हा दर पुढच्या येत्या मिटींगमध्ये तुम्ही तो पटलावर आणा.

### उपआयुक्त :-

हा जो विषय आहे प्रत्येक पाईप लाईनचा खर्च दहा लाख आणि पंधरा लाख असा खर्च येतो. निदान त्यामधून ट्रान्सफर कनेक्शनमध्ये १०:: तरी पाईप लाईनचा खर्च वसूल व्हावा या उद्देशाने

ट्रान्सफर कनेक्शन केलेले आहे. नवीन पाईप लाईन ट्रान्सफर कनेक्शन घेतल्यामुळे पाण्याचे टँकर हे कमी झालेले आहेत.

#### प्रभात पाटील :-

हरकत नाही हे मान्य आहे आम्हाला परंतु एक सोसायटी एक कनेक्शनला चार हजार चारशे रुपये भरते आणि कोणीच स्वखुशीने ते भरत नाही आहे. आपला केवळ अद्वाहास आहे. नगरपालिकेला पैसा हा भरलाच पाहिजे.

#### उपआयुक्त :-

हा अद्वाहास नाही आहे. स्वखुशीने लोक कनेक्शन ट्रान्सफर करून घेतात. एकाचीही तक्रार नाही आहे.

#### प्रभात पाटील :-

बघा माझ्याप्रमाणे एक कनेक्शन त्यांना चार हजार चारशे रुपयाला पडते सरासरी.

#### उपआयुक्त :-

गाडी बदलली असती व व्हिडीओकोच बसवले असते.

#### प्रभात पाटील :-

गाडी बदललेली नाही आहे. अजून गाडी तीच आहे. असी लागलेली नाही आहे. पुढे लावा ना असी.

#### उपआयुक्त :-

असे कसे होईल टँकर जे लागत होते ते कमी झालेत ना. थोड्या फार प्रमाणात कमी झाले ते. आपण कबुल करायला पाहिजे.

#### प्रभात पाटील :-

कबुल करायला पाहिजे ते आम्ही मान्य करतो. म्हणून चार हजार चारशे आम्ही म्हणत नाही की, चार हजार चारशे भरणार नाहीत असे. तुम्ही हा विषय पुन्हा पटलावर आणा.

#### उपआयुक्त :-

तो निर्णय स्वतंत्र घ्या.

#### प्रभात पाटील :-

तो निर्णय स्वतंत्र होणेसाठी हा विषय पटलावर आणा. आज नाही साहेब मी विनंती करते की, तो विषय तुम्ही पटलावर आणा आणि सभागृहाची त्याबाबत आपण मते जाणून घ्या.

#### उपआयुक्त :-

दर आणि परवाना हा विषय बजेटशी निगडीत असल्यामुळे तो धरलेला आहे. कमी करायचे असेल तर तो विषय घेऊन पुढच्या महासभेमध्ये तो निर्णय घेऊ शकता. सभागृह ते बदलू शकते.

#### प्रभात पाटील :-

मी हा विषय यांच्यात अंतर्भाव नाही याची मला कल्पना आहे. परंतु तो नागरीकांच्या सोयी आणि सुविधांसाठी तो विषय पुन्हा पटलावर आणा आणि सभागृहाची मते त्याबाबतीत तुम्ही जाणून घ्या एवढीच माझी विनंती आहे.

#### धनराज अग्रवाल :-

मा. महापौर साहेब माझी एक सुचना आहे. हा जो उपविधी मंजूर केलेला आहे. त्या रेट्समध्ये बदल व्हावा. म्हणून महासभेपुढे टोटल उपविधी आणली पाहिजे आणि जे सभागृहाला मान्य होईल ते आपण रेट लावले पाहिजेत अशी माझी एक सुचना आहे. दुसरा मा. नाईक साहेबांनी आता सांगितले व्हिडीयोकोच आणि साधी बस मी मा. नाईक साहेबांना विचारतो की, तुम्ही पाईप लाईन बदली करतात आणि सक्तीने त्यांना सांगतात की, तुमची जुनी पाईन लाईन ही नवीन मध्ये टाकून घ्या आणि चार हजार चारशे भरा आणि तुम्ही असे ही सांगतात बदलायचे असेल तर असेल तर बदला नाहीतर पाणी बंद होईल हे बरोबर आहे का? हे बरोबर नाही साहेब.

#### रोहिदास पाटील :-

याच्यातच सभागृहाला स्पष्ट माहिती देऊ इच्छितो की, येथे हुक्मशाही चालेली आहे. जे नियमबाब्य आहे. ज्याची आवश्यकताच नाही आहे. जेव्हा टेक्निकली तुमच्याकडे स्टाफ नसेल व ज्याला समजत असेल त्याला विचारा. ज्या ठिकाणी पाईप लाईन वर्किंग आहे त्या ठिकाणी तुम्ही इंजिन पद्धतीने द्यावयाच्या ऐवजी ती लाईन बंद करता आणि मी तुम्हाला ती लाईन देतो आणि ज्या बिडाच्या लाईन टाकलेल्या आहेत नगरपालिकेने खर्च केलेला आहे त्या बिडाच्या लाईन बंद केल्या आणि नवीन टाकलेल्या पाईप लाईन कारण नसतांना लोकांना चार्ज भरायला लावला. लोकांना पाणी हवे असते.

लोक भावनात्मक होतात याच्यातून किंवा त्याच्यातून येणारे पाणी हे एकच आहे पण नगरपालिकेच्या अज्ञानामुळे किंवा नगरपालिकेच्या सक्तीमुळे ते लोक पैसे भरतात ही वस्तुस्थिती आहे.

### उपआयुक्त :-

मा. महापौर मँडम यामध्ये मान्यवर सभासदांना ज्या ज्या ठिकाणी पाण्याची टंचाई भासते आणि ग्रामपंचायतीपासून ज्या जुन्या पाईप लाईन आहेत त्या बदलल्याशिवाय पाण्याची सुधारणा होणार नाही म्हणून ते पाईप लाईन टाकून घेतांना पाणी अजिबात मिळत नाही नागरिकांना. पाईप लाईन टाकायला पाहिजे हा विषय पाईप लाईन टाकण्यापर्यंत संपतो आणि कनेक्शन ट्रान्सफरच्या वेळेला मात्र ही लावता येणार नाही. म्हणजेच पाईप लाईन टाकतांना लोकांना पाणीच मिळत नाही. ग्रामपंचायत १९८५, १९६८, ७० साली पाईप लाईन टाकलेली आहे असे सांगून पाईप लाईन बदलून घ्यायचे. पाईप लाईन नवीन टाकल्यानंतर म्हणायचे कि, ते ट्रान्सफर कनेक्शनची फी कशाला लावता. म्हणजे याचा अर्थ असा की, जुन्या पाईप लाईन मधून पाणी मिळत असतांना नगरपालिकेने बदलली म्हणून ही फी बंद करा. आपल्या मागणी प्रमाणे पाईप लाईन बदलतांना नागरीकांना पाणी मिळत नाही हा मुद्दा उपस्थित करून पाईप लाईन टाकलेली आहे.

### रोहिदास पाटील :-

मा. महापौर साहेब तसं नाही आहे. माझ्याप्रमाणे आपणांकडे असे अनेक लोक येत असतील. मा. उपआयुक्त साहेब नेहमी निवेदन करतांना व्हिस्टींग करतात त्याच्या सोयीसाठी करतात हे खरं नाही आहे आणि जर खरोखर असेल तर त्याचे निवेदन आणि आमचे निवेदन खरोखरच टेक्निकली लिहून घेतले तर आम्ही ज्या ठिकाणी पाठवाल त्या ठिकाणी आम्ही पाठवायला तयार आहोत. आम्ही टेक्निकली बोलत असतो आम्ही भावनात्मक बोलत नाही. लोकांची भावना घेतेवेळी आम्ही भावनात्मक येतो अशी कोणतीही पाईप लाईन कोणत्याही ह्या नगरसेवकांनी आणली नसेल की येथे पाईप लाईन आहे त्या पाईप लाईनमधून पाणी येत नाही म्हणून सांगतात की, मोठ्या क्षमतेची पाईप लाईन टाका आणि मोठ्या क्षमतेची पाईप लाईन टाकल्यानंतर त्या छोट्या क्षमतेच्या पाईप लाईनमध्ये पाणी जर इजेक्ट केले तर एकही कनेक्शन न ट्रान्सफर करता त्या बिल्डिंगवाल्यांना कुणाला माहित पडणार नाही की, आमची पाईप लाईन बदली झाली म्हणून त्याच्यातून सिंगल एक रुपया खर्च न होता त्याला निटनेटके पाणी मिळू शकते अशी अनेक उदाहरणे आहेत की, ज्या ठिकाणी पाणी जात नाही म्हणून लोक बोंब मारतात पाणी येत नाही, पाणी येत नाही आणि त्या ठिकाणी चार ऐवजी आठ इंचाची पाईप लाईन टाकली. पाणी जोडले गेले तर त्यांना रितसर पाणी मिळते. तर एकही सिंगल कनेक्शन ट्रान्सफर करायला लागत नाही. आपण आग्रह करता की तुम्ही पाईन लाईन ट्रान्सफर करा. ही पाईप लाईन ट्रान्सफर करा काहीही करायला लागणार नाही. ज्या ठिकाणी अहो डिलीहरी लाईन आणि मेन लाईन या दोन्हीमध्ये फरक आहे टेक्निकली कोणी तुम्हाला रिपोटींग करत नाही. टेक्निकली तुम्ही सुद्धा समजून घेत नाही की, ज्यावेळी घरात पाणी द्यायचे असते जिथे संम्प मध्ये पाणी जाते ते १.५ किवा २.५ पाणी पोहचण्याचे कारण नसते. फक्त १ अेजी जरी प्रेशर ठेवले तरी सुद्धा त्याच्यात टाकीत पाणी पडू शकते आणि शुद्ध व निटनेटके आपण तो विचार करीत नाही. आपण ह्या बाजूला पाणी मिळत नाही पाईप लाईन टाकली पाईप लाईन टाकल्याचे सोडा ट्रान्सफर करा नाहीतर पाईप लाईन बंद करू हे असे काही लोकांना विश्वासात घ्या ना तुम्ही.

### उपआयुक्त :-

हे जे रायझिंग मेन आणि डिस्ट्रीब्युशन लाईन यामधील जे आहे आपण जे टाकलेले आहे ते रायझिंग मेन नाही आहे. डिस्ट्रीब्युशन लाईन आहे आणि नागरीकांनी स्वखुशीने अर्ज करून आमच्या नवीन लाईनवरती ट्रान्सफर करा असा अर्ज देतात आम्ही बंद करू अशा प्रकारची बळजबरीने केले नाही आहे.

### रोहिदास पाटील :-

उपआयुक्तांचा नेहमीचा असाच शब्द असतो. नागरीक भरतात, नागरीक भरतात नागरीक जो घरचा आहे तो भरतोच ना. नगरसेवक, मा. महापौर, मा. उपमहापौर यासाठीच बसलेले आहेत की, जनतेला योग्य असा न्याय देण्यासाठी.

### उपआयुक्त :-

पाटील साहेब जुने कनेक्शन लाईन बंद करणार तुम्ही ट्रान्सफर करून घ्या नाहीतर बंद करणार असे कुठे बोललो आहोत आम्ही.

### धनराज अग्रवाल :-

आमच्या प्रभागात बोलले आहेत साहेब.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

आम्ही पैसे भरलेले आहेत. आम्ही त्या सोसायटीला साडेतीन हजार रुपये भरायला लावले आणि फक्त एक फुटाचा तिथे डिटेक्शन होता. फक्त एक फुट तुम्ही नवीन डाय टाकली एका फुटाचा आम्हांला लाज वाटली. त्या सोसायटीला सांगायला की, तुम्ही साडे तीन हजार रुपये भरा म्हणून आणि आम्ही ते भरायला लावलेत कारण की, तुम्ही पाणी बंद करणार होते. लाईन बंद करतो म्हणून तुम्ही ट्रान्सफर करा म्हणून साई कुटीर बिल्डिंग.

### उपआयुक्त :-

याबाबत नंतर चर्चा करु. बंद करणार म्हणून ट्रान्सफर करून घ्या असे कुठे झालेले नाही आहे. कारण जुन्या लाईन लाच आम्ही जोडून देतो आणि नवीन लाईन सुद्धा चालू असते ज्यांना नवीन पाईप लाईन वर पाहिजे आहे. त्यांनी ट्रान्सफर करून घ्यावे. जुनी लाईन सुद्धा चालू असते शेवटी कनेक्ट करायच्या आहेत दोन्ही लाईन जुन्या लाईन बंद करायच्या आहेत असे खात्री करून घेतो मी.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

साहेब महानगरपालिकेचे कर्तव्य आहे की, शुद्ध पाणी नागरीकांना देणे हे प्रथम कर्तव्य आहे. ग्रामपंचायत काळापासूनचे जर पाईप लाईन खराब झाली असेल तर ती नवीन टाकण्याचे महापालिकेचे काम आहे.

### महापौर :-

पुढच्या विषयास सुरुवात करावी बजेटबाबत चर्चा करावी.

### रोहिदास पाटील :-

मा. महापौर मॅडम आपण जे पत्र पाठविले आहे. परिपूर्ण आहे की कसे काय? हे तुमचे नगरसेवक निधी बाबत हे जे जी आर पाठविला तुम्ही नगरसेवकांच्या बाबतीत हा परिपूर्ण आहे की अपूर्ण आहे तरी याच्यात काय दुरुस्ती आहे का? किंवा आणखीन काही पत्र येणार आहे.

### धनराज अग्रवाल :-

आता आपण १४ कोटींचा बजेट वाढविलेला आहे. त्याच्यात जसे मा. सदस्य श्री. आसिफ शेख यांनी सांगितले की, ऑक्ट्राय मध्ये आपण ३ कोटी वाढवू शकतो. माझाही त्याबाबत आग्रह होता. स्थायी समितीमध्ये पण जास्त लोकांना ते पटले नाही म्हणून तो आग्रह टाळला गेला. आताही माझे सभागृहाला निवेदन आहे की, जे मंजूर असेल तर ते ३ कोटी याच्यात वाढवू शकेल आणि आपण मार्केटसाठी याच्यात १ करोड रुपये ठेवलेले आहेत साहेब. प्रत्येक मार्केट आहे होलसेल मार्केट आहे, भाजी मार्केट आहे, मच्छी मार्केट आहेत. किती तरी मार्केट आपल्या मिरा रोड, भाईदर ईस्टला वेस्टला पाहिजेत. एक करोड त्याच्यामध्ये काहीच किंमत नाही आहे आणि १ करोड २० लाख आपण वर्षाला वसूल करतो. आज आपण फेरीवाल्यांकडून १ करोड २० लाख रुपये वसूल करतो त्याच्यासाठी आपण एकच करोड ठेवलेले आहेत. जर वाढवता येईल तर ते मार्केटमध्ये याच्यात समाविष्ट करावे अशी माझी सुचना आहे.

### जोजफ घोन्सालविस :-

मार्केट बांधकामाविषयी याच्यामध्ये सुक्या मासळीचे मार्केट समाविष्ट केले आहे का? पान क्र. २२ मध्ये मार्केट बांधकाम, यांच्यामध्ये सुक्या मासळीचे मार्केट आहे की जो रविवारचा बाजार भरतो रस्त्यावरती. यांच्यामध्ये जी एक कोटीची तरतुद आहे म्हणून तुम्हाला सांगतो यांच्यात ते समाविष्ट आहे का? नसेल तर ते समाविष्ट करा अशी माझी विनंती आहे.

### मोहन पाटील :-

जनरल पकडले तर ओल्या आणि सुक्या मासळीचे मार्केट हे एकच असते असे वेगळे असते की ओल्या मासळीसाठी वेगळे व सुक्या मासळीचे वेगळे असे नसते.

### जोजफ घोन्सालविस :-

माझी अशी सुचना आहे की, घाऊक जो बाजार आहे आपल्या येथे उत्तनपासून वसईपर्यंत आगाशी पर्यंतचे मरोळच्या बाजारात जाता तर येथे जर आपण एक सुक्या मासळीचे घाऊक मार्केट जर बांधले आणि त्याच्या मंडई संपूर्ण मिरा भाईदर शहरामध्ये केल्या तर त्याची वितरण व्यवस्था तर मिरा भाईदर वासियांना एक सकस आहार स्निग्ध पदार्थ असा मिळेल.

### मोहन पाटील :-

आपण जो प्रस्ताव या ठिकाणी दिलेला आहे त्याची नोंद घेत आहोत.

### जोजफ घोन्सालविस :-

नंबर ११ मध्ये दुर्बल घटकाच्या विकासासाठी पंधरा लाख पासष्ट हजार रुपये तरतुद आहे. तर ही तुम्ही दुर्बल घटक कसे काय तुम्ही परिमाण लावणार कारण की, ही सर्व विभागलेली लोक आहेत आणि त्याच्यासाठी जी कामे करणार आहात ती सार्वजनिक आहे शौचालये वगैरे.

### मा. आयुक्त :-

ही जी तरतुद आहे फक्त अनुसूचित जाती-जमाती मधून जे राखीव सीट आहेत त्या प्रभागातील कामासाठी ती राखील आहेत मग त्या प्रभागातील कुठल्याही प्रकारची कामे यांच्यात समाविष्ट होऊ शकेल.

### जोजफ घोन्सालविस :-

जे वार्ड राखीव आहेत त्याच्यासाठी आहे आणि मी एक यांच्यात सुचना करतो.

### रोहिदास पाटील :-

मला असे वाटते की, याच्यात थोडेसे चुकीचे निवेदन असू शकेल. ज्या प्रभागासाठी आहे असे नाही त्या दुर्बल घटकाच्या यांच्यासाठी ज्या वस्त्या आहेत त्यामध्ये जी पाटी विणणारी लोक आहेत आणि त्यांची वस्ती तर त्याचाही त्यात समावेश असेल. तो प्रभाग म्हणून नव्हे या महापालिका हद्दीमध्ये ज्या दुर्बल घटकांच्या वस्त्या आहेत त्या वस्त्यांसाठीच तो वापरला जातो. निवडणूकीसाठी वापरलेला गेलेला प्रभाग अशी त्याची व्याख्या नाही अशी माझी माहिती आहे.

### मा. आयुक्त :-

इजिली आयडेन्टी फाईव्ह करण्यासारखी जी गोष्ट आहे ती राखीव प्रभाग हीच आहे. त्यामुळे दुर्बल घटकाच्या व्याख्येमध्ये अनुसूचित जाती आणि अनुसूचित जमातीचे जे वार्ड आहेत ते आपण नॉर्मली कव्हर करतो.

### रोहिदास पाटील :-

नाही, बघा व्याख्येचा विषयाबाबत तुम्ही अजून माहिती घ्या. मला पूर्णत्व माहिती आहे की, ज्या ठिकाणी ती वस्ती आहे प्रभाग भले दुसरा असेल म्हणजे जसे आता श्री. मोहन पाटील यांचा प्रभाग आहे त्यांच्यामध्ये जी वस्ती आहे ती दुर्बल घटकांची आहे आणि त्या घटकेसाठी वापरायचा नाही असे नाही साहेब.

### मा. आयुक्त :-

तरी सुद्धा ती माहिती बघितली जाईल परंतु तसे नाही आहे ते अनुसूचित जाती, जमातीच्या वार्डासाठीच ही तरतूद नॉर्मली ही वापरली जाते.

### रोहिदास पाटील :-

बरोबर आहे साहेब. प्रभागासाठी नाही आहे असे माझे म्हणणे नाही. हे जे वर्ग ज्या ज्या ठिकाणी रहातात.

### मा. आयुक्त :-

ज्या प्रभागात ते लोक रहातात त्यांच्या सुख सोयीसाठी तो खर्च करावयाचा आहे.

### रोहिदास पाटील :-

तसं नाही साहेब तुम्ही त्याबाबत व्यवस्थित माहिती काढून घ्या.

### मा. आयुक्त :-

ठीक आहे बघु या.

### रोहिदास पाटील :-

ज्या ज्या प्रभागात त्या वस्त्या आहेत त्या वस्तीसाठीच तो निधी वापरायचा. इलेक्शनसाठी वापरलेल्या प्रभागासाठी तीच चतुर्थ सिमा असा त्याचा अर्थ नाही आहे. तुम्ही क्लेरिफिकेशन घ्या.

### जोजफ घोन्सालविस :-

साहेब माझा अजून एक प्रश्न आहे पाणी पुरवठ्याबाबत. पाणी पुरवठा योजना जी आहे ५० एम.एल.डी.ची जी योजना आहे त्याच्यामध्ये उत्तनसाठी ३ कोटी १ लाख रुपये नवीन लाईन टाकणे अंतर्गत मंजूर आहे. तर याच्यामध्ये काम अपेक्षित दिले आहे २००३ डिसेंबर पर्यंत पूर्ण करू परंतु आम्हांला ज्या पाण्याच्या टिपण्या दिल्या शहाडवरुन पाणी योजनेची जी टिपणी दिली होती त्याच्यामध्ये २००४ अशी आहे. तरी याच्यातले नक्की काय २००३ कि २००४ तरी याचा खुलासा घ्यावा.

### उपआयुक्त :-

यामध्ये संम्प्रे जे बांधायचे होते आणि वाढीव पाणी पुरवठा जी योजना आहे उत्तन या भागातील ती मार्च २००४ पर्यंत व डिसेंबर २००४ पर्यंत सर्व कामे पूर्ण करायची आहेत.

### जोजफ घोन्सालविस :-

यामध्ये २००३ असे दिलेले आहे.

### उपआयुक्त :-

२००३ म्हणजे हे जे कॉन्ट्रक्टरने जी अट दिली ही नवीन साडेतीन कोटीचे काढले टॅंडर त्यामध्ये २००३ डिसेंबरपर्यंतची टाकलेली मुदत आहे. नंतर मुदतवाढ मागितली तर ती द्यावी लागते. आता जी इकडे ५० एम.एल.डी.ची चालू आहे ते अजून निर्णय आपल्याकडे महासभेकडे पेंडींग आहे. संम्प बांधायचे किंवा पाईप लाईन टाकण्याचे त्यात काही अडचणी आहेत तर ते ५० एम.एल.डी. २००४ पर्यंत घेतलेले आहे आणि ते सभागृहाच्या मंजुरी घेऊन मग पाठवणार आहोत.

### जोजफ घोन्सालविस :-

म्हणजे ते अजून मंजूर नाही झाले का?

### उपआयुक्त :-

मंजूर झालेले आहे वर्क ऑर्डर दिलेली आहे आणि जागा सुद्धा फिक्स झालेली आहे. काम सुरु व्हायचे आहे.

### रिटा शाह :-

सुरुवातीला मी प्रश्न विचारलेला आहे. मला तर वाटत होते की, शेवटला आपल्याला उत्तर मिळेल तर त्याचे काय झाले.

### जोजफ घोन्सालविस :-

दुर्बल घटकासाठी शौचालय वगैरे आपण बांधणार आहात तसेच इतर मागासवर्गीय जाती जे आहेत ते सुद्धा दुर्बल घटक आहेत. परंतु आपण जे शौचालय वगैरे पैसे द्या आणि वापरा या तत्वावर जे बांधणार आहोत आता या अर्थसंकल्पाने समजा घरपट्टी वाढविली, पाणीपट्टी वाढविली, ऑक्ट्राय घेतले म्हणजेच एकदम कराने सामान्य माणसाचे कंबरडे मोडलेले आहे अशा परिस्थितीमध्ये या सामान्य माणासाविषयी मला तरी वाटते की, नगरपालिका आपली जबाबदारी झटकून वागते, टाकून वागते कारण पैसे द्या आणि वापरा या तत्वावरील सामान्य माणूस परत एकदा सभागृहात विषय मी मांडला होता. परत एकदा मी मांडतो की, जे ओ.बी.सी. आहेत संपूर्ण जो कोळी समाज लाईनने घेतला संपूर्ण जी कोळी वसाहत आहे ती संपूर्ण खिश्चन कोळी या ओबीसी मध्ये येते तर या इतर मागासवर्गीय जातीसाठी तरी काय तरी नगरपालिकेने शौचालय बाकीच्या मागावर्गीयांना ज्या सुविधा दिल्या जातील त्या द्याव्यात अशी मी विनंती करतो आणि तशी सुधारण घ्यावी अशी सभागृहाला विनंती करतो.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

मा. महापौर मॅडम मला अजून या बजेटवरती बोलायचे आहे. तुम्ही अशा पद्धतीने जर बजेटवरती चर्चा घेण्याचा जर तुमचा प्रयत्न नसेल तर.

### मुक्ता रांजणकर :-

ओमप्रकाशजी जरा तुम्ही बसा आता मी कधीपासून उभी आहे.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

आम्हांला अजून बजेटवरती बोलायचे आहे. आपण चर्चा सुरु ठेवा.

### मुक्ता रांजणकर :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलू इच्छिते की, यांच्यामध्ये जे व्यवसाय चालू करणेस दाखला नंबर २ कारखाने दुकान, मिठाई दुकाने, इतर बेकरी ज्या आहेत त्या आपण नवीन दाखला फी रुपये पाच हजार आणि नुतनीकरण जे तीन हजार लावलेले आहे आणि यांच्यामध्ये सौदर्य प्रसाधन बनविणे, ब्युटीपार्लर सलून वगैरे आहे यांना आपण हजार रुपये आणि पाचशे रुपये अशी तरतुद केलेली आहे आणि मेडिकल स्टोर्स यांना तुम्ही पाच हजार आणि अडीच हजार अशी जी तरतुद केलेली आहे तेव्हा मेडिकल हे औषध जे आहेत ती जीवनावश्यक वस्तु आहेत. ते जीवन वाचविण्यासाठी आहेत. काही लकझरी नाही आहेत. तरी सौदर्य प्रसाधानाला आपण लकझरी म्हणून वापरतो तरी त्याच्यामध्ये काहीतरी फेरबदल व्हावा अशी माझी सुचना आहे.

### महापौर :-

जनता दलाच्या सदस्यांना काही बोलायचे असेल तर त्यांनी बोलावे.

### मिलन पाटील :-

जनता दलाचे सदस्य स्थायी समितीमध्ये होते त्यांनी मंजूर केलेले आहे.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

स्थायी समितीमध्ये होते मा. आयुक्त साहेबांचे आणि मा. स्थायी समितीचा जर तुम्ही फिगर बघितला दोघांचा तर काय चालेले आहे येथे अशा पद्धतीने जर मा. महापौर मॅडम मला या बाबती थोडे बोलायचे आहे. तरी आपण वेळ द्या. भारतीय जनता पार्टीला अजून बोलायचे आहे. उपविधी जो विषय झाला त्यावर बोलणे झालेले आहे.

### मिलन म्हात्रे :-

सन्मा. महापौर मँडम इतर सभासद आपली परवानगी मागतात परंतु आपण मला स्वतःहून परवानगी दिली त्याबद्दल धन्यवाद. माझ्या बाजूला जे सन्मा. सदस्य ओमप्रकाश अग्रवाल बसलेले आहेत. आपण जे बोलता आहात की, स्थायी समितीने काय केले. दोन तीन तास झाले आम्ही गप्प आहोत बघतो आहोत आम्ही सर्व स्थायी समितीमध्ये माझ्याबरोबर आपल्या पक्षाचे चार नगरसेवक आहेत. तुमच्या पक्षाची संपूर्ण भूमिका स्थायी समितीत मांडलेल्या बजेटवरती रिफ्लेक्ट झालेली आहे. आपण आता नुसते बोलतात त्यावेळी त्यांना का नाही सुचना केल्यात. तुम्हाला त्यावेळेला पूर्णपणे दिवसभर आमच्या सिटींग होत होत्या आणि तुमच्या आठ दिवस तुमच्या पक्षाचे सदस्य संपूर्णपणे त्यावेळेला होते. माझे तर स्पष्ट असे मत आहे की, जे धनराज अग्रवाल जे बोलतात त्यांनी उगीच मी गप्प नाही आहे आणि आम्हाला जे काही करायचे आहे ते आम्ही सांगून ठेवलेले आहे आणि त्याची तरतुद याच्यामध्ये केलेली आहे. ज्याप्रकारे ज्या लोडवरती ज्या विभागामध्ये सर्व विभागामधील तरतुदी रितसर चर्चा केलेली आहे आणि त्याच्यानुसार पैशाचे सोंग कुणी आणू शकत नाही. तुम्ही राजे बना, रावण बना, राम बना, पाचशे आणि हजाराची नोट काही बनवू शकत नाही. खरी परिस्थिती ही आहे. आपण म्हणाले ते सर्व बरोबर आहे. आम्ही काय आठ दिवस असेच बसलेलो होतो का? मा. सभापती होते. मा. आयुक्त होते. काहीतरी मा. आयुक्तांनी आम्हाला सुचविले आणि आम्हांला ती जबाबदारी दिली. ती प्रमाणिकपणे पार पडली. थोडीफार चुका ह्या झाल्या असतील मान्य आहेत आम्हाला त्याच्यामध्ये. येथे सुधारणा करण्यासाठी इकडे स्वायतता आहे असे नाही आहे. परंतु एकदा सांगतो की, आपल्या पक्षाचे चार प्रतिनिधी होते त्यांनी ज्या ज्या सुचना याच्यात मांडल्या त्या सगळ्या त्याच्यामध्ये एकत्र आम्ही सहमतीने घेतलेल्या आहेत. मा. महापौर मँडम या अर्थसंकल्पामध्ये या अर्थसंकल्पाचे जे विचार विनियम झाले सर्व प्रथम सभागृहाला मी सांगू इच्छितो की, या अर्थ संकल्पावरती सन्मा. स्थायी समितीतील सर्व सदस्य त्यातल्या त्यात कमी लोकांनी यात वेळ दिला जे सदस्य स्थायी समितीमध्ये वेळात वेळ काढून हजर राहिले संपूर्ण दिवस पूर्णपणे बसून प्रशासनाने काही आकडे दिले होते किंवा जे काही मांडले होते त्यावर साधक बाधक चर्चा मा. उपआयुक्तांचे काही मतप्रदर्शन, मा. आयुक्तांचे मतप्रदर्शन असे सगळे काही करून हा अर्थसंकल्प दि. १ ते २ पासून सुरु होऊन शेवटला ८ तारीख जागतिक महिला दिनाच्या दिवशी जवळ जवळ फायनल झाला. हे आपल्या सगळ्यांचे एक चांगले भाग्य आहे कारण आपल्या महापालिकेचे महापौर ह्या महिला आहेत. त्याकरिता पहिले त्याचे सेंशन मिळाले ते महिला दिनाच्या दिवशी मिळाले असे मला वाटते. हे अजूनपर्यंत कुणालाही माहित नाही परंतु हे खास करून सांगावयासे वाटते दुसरी गोष्ट महानगरपालिकेच्या सार्वत्रिक निवडणुका ११ ऑगस्ट रोजी झाल्या ह्या निवडणुकीच्या अगोदर सर्व राजकीय पक्षानी आपआपले मेनीफेस्टो, जाहिरनामा, अभिवचने हे सगळे जनतेपुढे दिले होते. या स्थायी समितीमध्ये जे आठवडाभर सर्वाच्या चर्चा झाल्या त्याचा वारंवार उल्लेख झाला की, ह्या पक्षातील सर्व पक्षांनी जनतेला जे अभिवचने दिलेली आहेत. मेनीफेस्टो जो दिलेला आहे, सादर केलेला आहे त्याची परिपूर्तता या आपल्या बजेटमध्ये सुरुवात आहे. मला माहित आहे की, आपली पहिली सुरुवात आहे. पहिले बजेट आहे. स्टार्ट केले आपण तरीसुद्धा याच्यात बहुतेक ठिकाणी बॅलन्सिंग आहे कुठेही कुठल्या ह्या पक्षाला बोलायची जागा राहिली नाही असे मला वाटते. कारण मी स्वतः स्थायी समितीमध्ये प्रत्येक दिवशी उपस्थित होतो. याच्यामध्ये पाणी योजनेकरिता आपण तरतुदी केलेल्या आहेत. क्रिडा संकुल, सुसज्ज सांस्कृतीक भवन, संग्रहालय, उद्याने, बगीचे, सुसज्ज हॉस्पीटल, शाळा, बालवाड्या, उत्तन पाली चौक येथे बॉप्टिस्टा स्मारक त्याच्यानंतर शहरातील खाडी किनारा पर्यटक स्थळ म्हणजेच पूर्व पश्चिम ज्या चौपाट्या आहेत त्याचा आपण उल्लेख केलेला आहे. धनराज गारोडिया सांगितले होते की, आम्हाला गार्डन विकसित करून पाहिजे. जवळ जवळ त्यासाठी ७० लाखाची तरतुद केली. त्याच्यामध्ये आपली सुचना होती आम्ही केली ती लगेच जॉगिंग पार्क वगैरे आपल्याला हवा पाहिजे होती. आम्ही सुद्धा समर्थन दिले त्याच्यामध्ये. त्यानंतर प्रमुख सुसज्ज असे मार्केट किरकोळ हॉकर्स झोन, कॉम्प्लेक्स स्नेह हाय, हॉकर्स झोन, प्रत्येक कुटूंबाला जमले तर पुढे आपणास फोटो पास जे स्लम मध्ये आहे त्याची पण याच्यामध्ये रक्कम पकडलेली आहे. अशा अनेक ज्या मेनफास्टमध्ये ज्या लोकांना आपण दिल्या होत्या त्या लिस्टमधील बहुतेक कामे या आर्थिक अर्थसंकल्पामध्ये झालेली आहे असे मला वाटते. या अर्थसंकल्पामध्ये नव्याने जे नगरपालिकेचे धोरणानुसार जरी आम्ही महानगरपालिकेचे मोठे असे अद्यावत रुग्णालय बनवू शकलो नाही. काही दिवसांत, काही वर्षात तरी सुद्धा सगळ्यात एक चांगली बाब म्हणजे आपल्या शहरामध्ये मध्यम वर्ग अजून बन्याच प्रमाणात आहे. ज्यांना वैद्यकिय सुविधा उपलब्ध करून घेतांना किंवा मिळवितांना फार त्रास सहन करावा लागतो. त्याकरिता जी छोट्या प्रमाणामध्ये ओ.पी.डी. आणि मॅटर्निटी नर्सिंग होम आहेत याची तरतुद या बजेटमध्ये आम्ही मुद्दामहून करायला लावली. टिंगल टवाळीचा विषय पण झाला कि, सगळीच लोक काय आपल्याला सरकारी

इस्पितळात जात नाही. परंतु त्यावेळेला मी एक सुचना केली की आपण म्हणतो तसे नाही आहे. आज प्रत्येक महिलेला जी बिचारी जन्मदाती माता आहे व जन्म देणारी आहे अशा महिलेला हॉस्पीटलमध्ये बावीस ते पंचवीस हजार रुपये खर्च करून सिझरिंग करून तिची शारिरीक तिची जी क्षमता आहे ती कमी करून मुलाचा जो जन्म होतो आणि तो फार महागडा असतो. त्याकरिता नव्याने सुरुवात केलेली आहे. महापालिकेने माझे स्वतःचे वैयक्तिक मत आहे की, एक चांगली बाब आहे आणि नव्याने सुरुवात होत आहे आणि या बजेटमध्ये त्याच्याकरिता रक्कम जी दाखविली गेलेली आहे तरी सर्व नगरसेवकांना त्याचा फायदा होणार आहे. सर्व नगरसेवकांच्या वार्डमध्ये ती सोय उपलब्ध होणार आहे. तसेच ट्रॅफिक करिता सुद्धा तरतुद काही केलेली नव्हती. परंतु या शहरामध्ये नव्याने जर ट्रॅफिकची व्यवस्था करायची असेल तर या नव्याने जर ट्रॅफिकच्या व्यवस्थेकरिता टर्मिनेशन पॉईंट वैरै काही स्टॉप आहेत. काही गाड्या भाडे तत्वावर घेऊन आपण त्या चालवल्या तर लांब पल्ल्याची जी आपली गावे आहेत तर त्यांचा संपर्क या शहरामध्ये लवकरात लवकर होऊ शकतो, जवळ होऊ शकतो. याकरिता सुद्धा मा. आयुक्तांनी ती केलेली तरतुद नव्हती. त्याच्यामध्ये जवळ जवळ आम्ही पन्नास लाखाची तरतुद करून घेतलेली आहे. हे याच्याकरिता की, आपल्या सभागृहात बसणारे सर्व सन्मा. नगरसेवक आहेत. ऐशी किलोमीटर परिसरात आपल्या महापालिकेचा जो परिसर आहे या सर्व ठिकाणाहून येणारे आमचे सहकारी, नगरसेवक आणि त्यांचे मतदार, करदाते नागरिक यांच्या सोयीकरिता ही परिवहन सेवा आपल्याला छोट्या प्रमाणात हळू पण लवकरात लवकर कशी होईल त्याकडे लक्ष दिले पाहिजे. त्याकरिता खास करून आम्ही प्रोहीजन करायला लावलेली आहे आणि ते केले प्रशासनाने. औषधाचे जे आता दवाखाने नवीन सुरु होणार आहेत त्याकरिता सुद्धा नवीन दवाखान्यांना नवीन लागणारा अद्यायावत औषधांचा पुरवठा याकरिता सुद्धा या बजेटमध्ये पंचवीस लाखाची तरतुद केलेली आहे. हे सर्व या शहरातील करदात्या नागरिकांकरिता महापालिकेने केलेले आहे. माझी सन्मा. आयुक्तांना अशी सुचना आहे की, थोड्या अगोदर पाण्याचा विषय निघाला होता. जी उपविधी आपण केलेली आहे खरोखर आम्हांला मागच्या सभागृहात याची माहिती या सभागृहात सुद्धा नाही. थोडीशी आमची एक अनावधानाने चुक झालेली आहे की, जो अर्थसंकल्प स्थायी समिती पुढे आणला त्यावेळेला ही उपविधी पहिला महानगरपालिकेने मंजूर किंवा जी अर्धवट मंजूर असेल किंवा प्रपोज ही पहिल्यांदा ठेवायला हवी होती. ती महापालिकेने ठेवली नाही. परंतु अजूनही वेळ गेलेला नाही आहे. जे आपण अंदाजपत्रकामध्ये जे आकडे दिलेले आहेत त्याला आपण सुधारित उपविधी जी मंजूर होईल आणि त्याच्यामध्ये जे फिगर्स नक्की केले जातील याला अधीन राहून या अंदाजपत्रकाला मंजूर द्यावी अशी माझी नम्र विनंती आपल्याला आहे. कारण तीच आपल्याला न्याय दृष्टीकोनातून व्यवस्थित राहील. आपल्या महापालिकेच्या प्रशासनानी तसेच सर्व कर्मचारी / अधिकारी, मा. आयुक्त साहेब आपण स्वतः, मा. सभापती श्री. मोहन पाटील, आणि आमचे स्थायी समितीचे सर्व सदस्य यांनी पूर्ण एक आठवडाभर साधक बाधक रितीने सखोल चर्चा करून अधिकाऱ्यांशी परत परत विचार विनिमय करून कुणालाही याच्यामध्ये जास्त टिकेचा मार्ग राहू नये याकरिता मेहनत घेऊन हा अर्थसंकल्प पास केला किंवा मंजूर केला. त्याबद्दल मी संपूर्ण प्रशासनास धन्यवाद देतो. या महापालिकेचा अर्थसंकल्प एका महिला महापौरांनी सादर केला याचा आम्हाला आनंदच वाटतो. जय हिंद, जय महाराष्ट्र.

### धनराज अग्रवाल :-

महापौर मँडम एक मिनिट.

### महापौर :-

बी.जे.पी. वाल्यांचा वेळ आता संपलेला आहे.

### रोहिदास पाटील :-

तुम्ही जर असे रुलिंग देऊन जर समजत असाल तर हा एकमताचा ठराव मंजूर होणार नाही पक्ष आहे. पक्षाचे अस्तित्व आहे. या सभागृहात येणारे पुन्हा आम्ही सांगतो की, सगळे कामकाज हे सर्वानुमते विश्वासात घेऊन चालावे अशी आमच्या पक्षाची स्पष्ट भूमिका पहिल्यापासून आहे. पुन्हा पुन्हा अगदी बँबीच्या देठापासून सांगण्याची काही गरज नाही. आमचे निर्णय आम्हांस स्वतंत्र आहे. कोणी कोणाचा ठेका घेतला असेल, कुणाला होय म्हणायचे असेल होय म्हणा. आम्हाला त्याची गरज नाही आणि माझे मित्र मिलन म्हात्रे यांना मी स्पष्ट सांगतो की, एका राष्ट्रीय पक्षाचे चार सदस्य स्थायी समितीमध्ये काम करते वेळी ते काय करत होते हे विचारायचे तुम्हाला या सभागृहात मुळीच अधिकार नाही आहे. आम्ही आमचा पक्ष चालवतो. आमच्या कुवतीवर चालवतो. आमच्या क्षमतेवर चालवतो. ह्या अंदाजपत्रकाला सर्वांची पहिल्यापासून भूमिका आहे की, हे पहिल्या महापालिकेचे अंदाजपत्रक आहे पहिल्या महापौर आहेत. एका देशात किंवा राज्यात असा मेसेज जावा की, येथे कामकाज नीटनेटके चालते सगळ्यांना विश्वासात घेऊन चालते आणि त्याच्यासाठीच सकाळपासून इतका वेळ आहे आणि

तेवढेच होते तर ठराव करून घ्यायचा होता ना. जे स्थायी समितीने मंजूर केले आहे तर ते मा. महासभेमध्ये ठेवण्याचे कारण

### लिओ कोलासो :-

मा. महापौरजी आपल्या परवानगीने बोलतोय आणि त्याला रोहीदास पाटलांचे देखील समर्थन आहे. त्यामुळे मी त्यांना धन्यवाद देतो. त्यांनी या सभागृहामध्ये ज्या भावना व्यक्त केलेल्या आहेत आणि सन्मा. सदस्य मिलन म्हात्रे हयांनी सुदधा विस्तृतपणे हया बजेटच्या ७/८ दिवसाच्या कालखंडाचे चांगल्याप्रकारे सिंहालोकन करून चांगल्याप्रकारे त्यांचे विचारही मांडलेले आहेत. या ठिकाणी असा एक प्रश्न आहे. जेव्हा स्थायी समिती ७/८ दिवस मंथन करतोय ज्याला आपण मऱ्यांन डिसकशन म्हणतोय आपल्यामध्येच काही जणांनी शिस्तीच्या नावाखाली १५ मिनिट कॉग्रेसवाल्यानी बोला, १५ मिनिटे राष्ट्रवादीने बोला, १५ मिनिटे बीजेपी वाल्यांनी बोला आणि त्याच्यामध्ये सगळ्यांचे समाधान होऊ शकणार नाही. सन्मा. सदस्य आणि सदस्या सभागृहाच्या निर्देशनास मी एक गोष्ट आणू इच्छितो की, सन्मा. महापौर सो. हया सरकारी कामा निमित्त बाहेरगावी ३.३० वा. जाणार आहेत. या ठिकाणी असा प्रश्न येतो की, हे वार्षिक बजेट आहे. आणि प्रत्येक सदस्याला आपली मते मांडण्यासाठी किमान वेळ मिळाला पाहिजे. परंतु बजेट मांडतानाची अशी पद्धतीसुधा आहे. आपण राज्यशासनाचा बजेट वगैरे बघतो की वेळेचे सर्वांना स्लॉट दिलेले असतात आणि स्लॉट ते पुर्ण करतात. आज आता येथे भोजन अवकाशाची वेळ आलेली आहे. दुसऱ्या बाजूला महापौर सो. बाहेरगावी जाणे आहे. तिसऱ्या बाजूला हयाच महापौरांच्या अध्यक्षतेखाली हे बजेटही मंजूर झाले पाहिजे अशी सगळी परिस्थिती आहे. तर त्यामुळे गटनेत्यांनी खर हयावर विचार करूनच आपल्या सभेच्या कामकाजाचे नियोजन ठरवायला पाहिजे होते पण ते झाले नाही. तर मी फक्त आता विरोधी पक्षाच्यावतीने रोहीदासजी पाटील बोललेले आहे. मिलन म्हात्रे बोललेले आहेत. थोडक्यात काही सदस्यांना बोलायचे असेल तर तशी आपण संघी दयावी. १५ मिनिटांच बॅनिम आपण थोडया कालाकरीता तहकूब करावे असे मी आपणांस विनंती करतो.

### रिटा शहा :-

मा. महापौर सो. मी अगोदरपण विचारले स्टाटिंगला मी दोन तीन प्रश्न विचारले तेव्हा सांगितले एकत्रिकरण करून जबाब देणार त्याचे अजून जबाब भेटले नाही मला आणि दुसरे आता मिलन म्हात्रे सो. एक नगरसेवकांचे मान आणि अपमानाचा प्रश्न आहे. मागे माझा पण अपमान झाला आहे. ते काढणार नाही मी आता पण जेव्हा डायसवर बसतात आयुक्त किंवा महापौर तेव्हा त्यांनी कुठल्याही पक्षाची बाजू न घेता नगरसेवकांबरोबर एका रितीने न्याय दयायला पाहिजे. आता बीजेपीचे नगरसेवक मी कुठल्या पक्षाची बाजू घेत नाही. ओमप्रकाश गारोडीया यांनी आपल्या मनाचे जे काय होते ते काढायला बघत होते पण त्यांना १५ मिनिटांचा अवधी म्हणून त्यांना तुम्ही गप्प बसा तुमचे चार नगरसेवक रथायी समितीध्ये आहे मग तुम्ही असे करून घ्यायला पहिजे होते हे सर्व खोट चाललेल आहे. कारण असे बघायला गेले तर राष्ट्रवादी कॉग्रेसने स्थायी समितीचे अध्यक्ष आहेत आणि त्यांनी त्यांच्या नगरसेवकांना काय विश्वासात घेतले नाही का? आणि आसिफ शेख नगरसेवकांनी पान पान पलटून आणि आम्ही निवांत बसून त्यांचे ऐकले आम्ही त्यांचा विरोध केला नाही. मागे रिटा शहा उठली तर माझा वैयक्तिक अपमान केला गेलेला आहे आणि त्याच्याबद्दलचे पत्र मी महापौर मऱ्डमला दिले आहे. त्यानगरसेवकाचे महेंद्रसिंग चौहानचे नगरसेवक रद्द करा असे मी पत्रसुदधा दिलेले आहे काय चालले आहे. जे चालले आहे ते चुकीचे चाललेले आहे. नगरसेवकाला अधिकार नाही रुलिंग दयायचे येथे काय चालले आहे. नगरसेवकच रुलींग देत आहेत आणि नगरसेवकच एकमेकांना बसवायला बघतात आणि जास्त तिकडून हे होतेय आज मी येथे आरोप लावतेय की जास्त तिकडून कुठलाही नगरसेवक विरोधात बोलला तर त्याला बसवायला बघतात ते लोक कुठल्याही रितीने हा माझा आरोप आहे आजवा. कुठल्याही नगरसेवकाचा अधिकार तुम्ही हे करु शकत नाही १५ मिनिटे झाले म्हणून आम्ही गप्प बसायचे तुम्ही स्थायी समितीचे सदस्य आहात तुम्हाला सर्व काय ते माहित पडते. आमच्या कॉग्रेस पक्षामधून २ ते ३ नगरसेवक आहेत. स्थायी समितीमध्ये जर काय नेहमी नेहमी २४ तास आम्ही त्यांना भेटायला जातो का तुमचे काय ठरलय मिटींगमध्ये म्हणून मी पहिला प्रश्न दिला आहे कि कायदयात बसत असेल तर जेवढी तुमची स्टॅडिंग कमिटीची मिटींग लागते तर प्रत्येक नगरसेवकाला त्याची प्रोसिडिंगची कॉपी दया. मग हा प्रश्न उद्भवणार नाही. पण तुम्ही ते मोगम ठेवतात. ते सिकरेट आहे. पण आपल्याला कायदयाच्या पलीकडे जाऊन काम करायला पाहिजे. स्टॅडिंग कमिटीमध्ये काय सिकरेट होत नाही हे नगरसेवकांना कळायलाच पाहिजे आणि त्यांची कॉपी सर्वांना दयावी अशी माझी मागणी आहे.

### रत्न पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतोय, आता बराचशया सन्मा. सदस्यांनी अंदाजपत्रकावर आपआपली मते व्यक्त केलेली आहेत आणि काहीकांना व्यक्त करायची देखील आहे. थोडाशा ५ मिनिटाच्या अवधीत माझ्या ज्या दोनचार सुचना आहेत त्या जरा मी मांडू इच्छितो. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची लोकसंख्या अंदाजित ७.५० लाख पर्यंत आहे. महापालिकेने त्यांच्यावर पाणीपट्टी तसेच घरपट्टी वाढवून त्यांच्यावर जे कर बसवलेले आहेत. त्या अनुषंगाने त्यांना नागरि सुविधा पुरविणे हे महापालिकेचे आदय कर्तव्यच आहे. आरोग्य, शिक्षण, मनोरंजन, सुरक्षा मैदाने, चौपाटी, उदयाने अशा पद्धतीने त्यांना हया सुविधा पुरविणे हे महापालिकेचे पुर्ण कर्तव्य आहे. आणि त्याला सन्मा. सर्व सदस्य त्याला जबाबदार आहेत. संभवित महापालिकेची होणारी लोकसंख्येच्या मानाने आपल्याला जे पाणी येते ते वाढणाऱ्या लोकसंख्येच्या मानेने कमीच असणार आहे. म्हणून मा. प्रशासनाला नम्र विनंती आहे की, पाण्यासाठी जास्तीत जास्त तरतुद करावी. जेणेकरून पाणी आंदोलने होऊ नये त्याची पुनरावृत्ती होऊ नये याच्याकरीता पाण्यावर कटाक्षाने लक्ष घालावे. पालिकेतील शाळेतील विद्यार्थ्यांना त्यांना गणवेश, पाठपुस्तके त्याचप्रमाणे प्रत्येक ६ महिन्यातुन वर्षातून त्यांची आरोग्य तपासणी करावी. अशी मी सुचना तशी ती तरतुद करावी. मा. वैती सो. सन्मा. नगरसेवक वैती सो. यांनी सांगितले आहे अशी सुचना मांडलेली आहे की, सर्व मिरा भाईंदर शाळांना जे अनुदान देत आहोत ते बंद करावे आणि महापालिकेच्या शाळांवर जास्त लक्ष दयावे पण मिरा भाईंदर महानगरपालिकेत असणाऱ्या ज्या शाळा आहेत त्यादेखील आज सोशल काम महानगरपालिकेचे काम करत आहे. म्हणून माझी त्यांना महापालिकेला अशी सुचना आहे की, महापालिकेतील शाळा आहेत. त्या प्रायव्हेट ट्रस्ट आहेत काही पब्लिक ट्रस्ट आहेत. ज्या पब्लिक ट्रस्ट आहेत अशांना अनुदान देण्याची कृपा करावी अशी मी सूचना मांडतोय. तसेच महानगरपालिकेच्या रस्त्यावर उभे असणारी वाहने रस्त्यावर मोटर दुरुस्तीची काम करणारे गॅरेज व पे अॅण्ड पार्क यांची योजना रावबून महापालिकेच्या उत्पन्नात वाढ करावी अशी एक मी सूचना मांडतोय. रिटा शहा यांच्या सूचनेचा विचार करून चांगली सुचना मांडलेली आहे. सर्व सदस्यांना स्थायी समितीच्या सभेची विषय पत्रिका दयावी. याला माझी पुर्ण संमती आहे. सर्व सन्मा. सदस्यांना नगरसेवकांना स्थायी समितीची तशी पत्रिका देण्यात यावी सिटीसर्वेसाठी आपण बराचसा निधी बाजूला ठेवलेला आहे. पण महापालिकेच्या विभागामध्ये सिटीसर्वेसर्व रस्त्यावर ज्ञालेला आहे असे नाही. काही भागामध्ये सिटीसर्वेसर्व ज्ञालेला आहे. काही विभागात बाकी आहे. ज्या भागात बाकी आहे. त्या विभागाचा सिटीसर्वेसर्व करण्यात यावा अशी मी सुचना मांडतोय. जाहिरात कराचा उल्लेख आलेला आहे. पण जाहिरात करामध्ये बाहेरच्या शोकेसचा सुदधा जाहिरात कर लावला जातो. आणि आत असलेल्या शोकेसचा सुदधा जाहिरात कर लावला आणि तसा लावला गेलेला आहे आणि जो असा लावला गेलेला आहे त्या संदर्भात त्यांची अशी परत सुधारीत आकारणी करावी आणि आतमध्ये जो शोकेस आहे. त्याची कर आकारणी रद्द करण्यात यावी. अशी मी एक सूचना मांडतोय. मला बोलण्यासाठी आपण जी परवानगी दिली त्याबद्दल मा. महापौरांचे, मा. आयुक्तांचे व सन्मा. सभागृहाचे मी हार्दिक आभार मानतो.

### मिलन पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतोय सन २००३/०४ या अंदाजपत्रकात भाईंदर चौपाटी, स्टेडीयम शिवार गार्डन, शिवार गार्डनचा विस्तार, भाईंदर एस. टी. डेपो., रोड, स्टेडियम, मार्केट, शाळा, गणवेश, पुस्तके वाटप, संगणक शिक्षण, सार्वजनिक दवाखाने उघडणे, भुयारी गटारी योजना, सर्वेक्षण या सर्व प्रमुख कामांसाठी तरतुद केलेली आहे. मा. सदस्यांच्या मागण्या इच्छा तसेच नागरिकांच्या अपेक्षा कृत्य अंदाजपत्रकात आहेत. हया बदल मी आयुक्त, महापौर, स्थायी समितीचे अध्यक्ष सर्व सभासद, सन्मा. सदस्यांना मी धन्यवाद देत आहे. अंदाजपत्रकात पुरे तरतुद करून कार्यवाही पुर्ण होत नाही. तरतुदीप्रमाणे त्या वर्षात जी रक्कम त्याकामी खर्च झाली तसेच हया अंदाजत्रकात उपयोग आहे. अन्यथा रक्कम फक्त कागदावरच राहते. स्टेडियम शिवार गार्डन, विस्तार आरक्षण २६२, एस. टी. डेपो, स्टेडियम रस्ता, मार्केट कामे आरक्षणाखाली आहे. हयाकामा खालील जागा हया शासकीय, सॉल्ट डिपार्टमेंट खाजगी मालकीचे आहे. त्या जागा ताब्यात घेणे आवश्यक आहे. जागा ताब्यात घेण्यासाठी टी. डी. आर, हस्तांतरण, भू-संपादन कायदयाखाली तरतुद आहे. त्यानुसार त्याजागा ताब्यात घेण्याच्या दृष्टीने प्राधान्याने कार्यवाही करावी लागेल. भाईंदर चौपाटीची जागा मनपाच्या ताब्यात आहे. त्यावर चौपाटी विकसीत करण्यासाठी दृष्टीकोनातून नकाशे, अंदाजपत्रक तयार आहेत. विकास आराखडयाचे वरील आरक्षणे विकसीत करण्याच्या दृष्टीने जागा ताब्यात घेणे, धोरणात्मक निर्णय घेणे, अंदाजपत्रकांना वित्तीय प्रशासकीय मंजूरी प्राप्त करून घेण्यासाठी आवश्यक ते प्रस्ताव लागतात. या महासभा स्थायी समितीपुढे विचारार्थ घेण्यासाठी महापौर मा. अध्यक्ष स्थायी समिती आयुक्त सो. यांना आग्रहाची विनंती करित आहे. आपल्या प्राथमिक शाळेत विद्यार्थ्यांना वहया, पुस्तके, गणवेश वाटप, संगणक शिक्षण, आपल्या हया बजेटमध्ये मी महापौरांना, आयुक्तांना व स्थायी समितीच्या

अध्यक्षांना अशी विनंती करतोय की, आताच आपल्या भाईदर मध्ये एक जिल्हास्तरीय विज्ञान प्रदर्शन झाले या विज्ञान प्रदर्शनामध्ये उत्कृष्ट अशा लहान लहान मुलांनी प्रयोग निर्माण केले होते आणि हया कंप्युटरच्या युगामध्ये मुलांच्या बुद्धीला चालना देण्याकरीता विज्ञान परिषद आपल्या भाईदरच्या विद्यार्थ्यानकरिता विज्ञानप्रदर्शन भरवण्याकरीता हया विज्ञान प्रदर्शनाकरीता या सभेत मी अशी सूचना करतो की २ लाखाची तरी कमीत कमी तरतुद विज्ञानप्रदर्शनाकरीता करावी अशी मी त्यांना सूचना करतो. आपल्या शाळेतील बहुतांश गरीब विद्यार्थ्यांचे शिक्षण होत आहे. त्यांना गेल्या ३,४ वर्षांत वहया, पुस्तके, गणवेश मिळत नाही. ह्यावर्षी त्याकामी तरतुद केली आहे. शाळेचे वर्ष जून २००३ पासून सुरु होत आहे. शाळा सुरु होताच त्यांना वहया, पुस्तके, गणवेश उपलब्ध करणे आवश्यक आहे. तसेच संगणक देखील वेळीच उपलब्ध करावे लागतील यासर्वाचा विचार करून येत्या २ महिन्यात त्यासाठी आवश्यक त्या मंजुन्या प्राप्त करणे आवश्यक आहे. त्याप्रमाणे प्राधान्याने शाळेतील मुलांना पुस्तके याबाबत वहया, कार्यवाही व्हावी हिच माझी विनंती आहे. सार्वजनिक दवाखाने, सार्वजनिक दवाखाने उघडणे कामी ही तरतुद आहे. मनपाच्या कायदयानुसार वैदयकीय सेवा जनतेला उपलब्ध करण्याची जबाबदारी आपली आहे. जनतेला वैदयकीय सेवा मिळत नाही खाजगी सेवा घेणे महागाईचे परवडत नाही. शहराच्या विविध भागात ज्याठिकाणी मनपाच्या इमारती जागा, समाजमंदीरे उपलब्ध आहेत त्याठिकाणी नियमित दवाखाने सुरु करण्यास म्हणजे ओ.पी.डी. दृष्टीकोनात कार्यवाही व्हावी हया दृष्टीचा विचार सविस्तर विचार अहवाल उपलब्ध करून संबंधीत आवश्यक ते विस्तार मंजूरीसाठी स्थायी समितीपुढे नेऊन सादर करावे. भूयारी गटारे मनपाच्या शहरात भूमिगत गटारी योजना लागू करण्याचा प्रस्ताव प्रत्यक्षात मंजुर केलेला आहे. परंतु हयापुढे सर्व प्रगती झाली आहे, माहिती नाही. शहरामध्ये भूमीगत गटारयोजना लागू करणे एम.एम.आर.डी. ए.एम.जे.पी. हया विभागांशी संबंधित आहे. एम.एम.आर.डी.ए. कडे हयासंबंधीशी मान्यता प्राप्त एजेन्सी / प्लॅनिंग आहे. शहरात गटार योजना लागू करण्यासंबंधी प्राथमिक स्वरूपाच्या फेरस्टीबल रिपोर्ट तयार करणे आवश्यक आहे. त्यादृष्टीने प्राधान्याने कार्यवाही व्हावी. आताच काही सुरुवात केली योजना तर १०/१२ वर्षांत पुर्ण होऊ शकते. कॉलेज/शाळा याकामी चालू वर्षी २ लाख तरतुद ठेवली आहे. शहरातील बन्याच शाळांना, कॉलेज अनुदानाची मागणी केलेली आहे. यासंस्था शाळांतील शैक्षणिक सेवाकरीता त्यांना सहाय्य करणे आपले कर्तव्य आहे. तरी ३१ मार्च २००३ पर्यंत शाळेच्या संस्थांना अनुदान देणे आवश्यक आहे. तसेच सन २००३/०४ यावर्षासाठी ५० लाखाची तरतुद करावी अशी मी सुचना करीत आहे. मनपा भाईदरच्या मराठी शाळांकरीता वर हॉल व नपाची शॉपिंग सेंटर जुन्या कार्यालयासमोर बांधले आहे. बांधकाम एकत्र -----हॉल विचार घेऊन केला आहे. त्याठिकाणी त्या माळ्यावर हॉल व काम मंजूरीच आहे. तरी त्याकामाकरिता काम समावेश करून इमारती बांधुने त्याखाली समावेश करून हाती नाही जर तो हॉल बांधला तर तो सर्व समाजाकरीता एक लहानसा हॉल चांगला होऊन जाईल अशी मी एक सूचना करतोय. हे बजेट इतके सुंदर आणि सर्व दृष्टीकोनातून अस बनविल्याबदल स्थायी समितीचे अध्यक्ष, आयुक्त, महापौर, व सर्व सभासदांना मी धन्यवाद देता आणि हे इतके उत्कृष्ट बजेट सभागृहाने लवकरात लवकर स्विकारून पास करावे ही सर्व सभासदांना माझी नम्र विनंती आहे.

### **शशिकांत भोईर :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतोय, मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे २००३/०४ चे आर्थिक अर्थसंकल्प आपण आज सादर केला आहे. त्याचे स्वागत करतो मी कारण आपला हा फिगर फक्त वाढलेला आहे आणि असाच वाढवावा आणि आपल्या वेगवेगळ्या मार्गाने महानगरपालिकेला उत्पन्नात वाढ व्हावी पण मी आपणांस सुचना करू इच्छितो की, आपण जे मालमत्ता कर ३० कोटी अपेक्षित पकडलेले आहे. या मालमत्ता करामध्ये ब-याच समस्या आहेत की, अगोदर जुनी बिल्डींग होती ती पाडून तिकडे नवीन बिल्डींग उभारण्यात आली. त्या जुन्या इमारतीला ही कर चालू आहे आणि पुन्हा नवीन बांधलेल्या इमारतीला ही कर चालू आहे म्हणून आज हा मालमत्ता कराचा फिगर वाढलेला आहे. तसेच काही इमारतीमध्ये कमी दर जास्त दर असल्याकारणाने रहिवाश्यांमध्ये एक भेदभावचे वातावरण निर्माण झालेले आहे की, आम्ही एका इमारतीमध्ये राहतो ती इमारत १९९० मध्ये बांधली . १९९९ मध्ये बांधली परंतु जी तफावत आहे ती शंका आज रहिवाशीच्या मनात आहे. आणि त्यामध्ये जो आपला कर भरणा आहेत तो ते आज भरत नाही आहेत आणि एकाच रुमला २,२ वेळाही कर आकारणी झालेली आहे. कोणत्या रुमला ५० पैसे दराने लागला असेल तर त्याच रुमला पुन्हा फेर आकारणी झाली तेव्हा १.१० पैसे प्रमाणे झालेली आहे ही तफावत आहे ती पहिल्यांदा आपण दुरुस्ती करून घ्यावी त्यानंतर जो आपण ३० काटीचे जे मालमत्ता करामध्ये जी आपण तरतुद दाखवलेली आहे तर ती आपल्याला आता स्थायी समितीने ३७ कोटी ५६ लाख पर्यंत दाखवलेली आहे. त्याच्यात वाढ होणार नाही, उलट घटेल.

खाली आपण कागदावरच ही वाढीव संख्या दाखवून आपला हा अर्थसंकल्प वाढवलेला आहे. तरी या गोष्टीचा विचार करावा आणि अशा जुन्या इमारतीना नव्या इमारतींना कमी जास्त दराने कर आकारणी झालेली असेल त्याची पुर्नआकारणी करून जो रेट पहिल्यांदा लावलेला आहे तो लावावा आणि हया बजेटमध्ये ३० कोटीची आज आपण मालमत्ताकराची मिळकत दाखवलेली आहे. महसुल अपेक्षित दाखविलेला आहे त्याच्यामध्ये एकदाच काहीतरी होईल . ३० कोटी कि २० कोटी नागररिकांच्या शंका आहेत की मी जेव्हा भरायला जातो माझ्या रुमला २ हजार येते आणि तेवढयाच चौरस फुटाचा रुम असेल तर त्याला २०० रुपये येतो. त्यामुळे त्याच्यामनामध्ये शंका आहे की हा कर एवढा कशाला भरायचा यासाठी काय करावे लागेल त्यामुळे नागरीक जास्तीत जास्त कर भरणा करीत नाहीत. त्याच्या मनपाबद्दल दुतर्फी भावना आहे ती वगळण्यासाठी आपण एकनिर्णय घ्यायला पाहिजे तसेच आज आपण विकास कर ३ कोटी दर्शविलेला आहे. आज बरेच विकासकर्ते आपला नकाशा मंजुर करून घेतांना चटई क्षेत्र कमी दाखवून जागेवर चटईक्षेत्र जास्त दाखवतात, बांधतात आणि हे चटई क्षेत्र बांधल्यानंतर जो वापर परवाना आहे तो घेत नाहीत त्यामुळे आपला जो विकास कर मिळणार असतो त्यामध्ये तुट भासते. त्यामुळे अशा ज्या इमारतीसाठी परवाने आपण मंजुर करून दिलेले आहेत, नकाशे मंजुर करून दिलेले आहेत त्याचा जो विकास कर आहे तो किती भरलेला आहे. आणि किती भरणा करायचा आहे आणि जागेवर किती चटई क्षेत्रफळ वापरण्यात आलेले आहे. हयाची पुर्नविलोपन करून त्याची जी घट आहे त्याच्यात वाढ होण्याची शक्यता आहे. जी आपण ३ कोटी दाखवली आहे. आज ५, कोटी पेक्षा जास्त होऊ शकते, त्याच्यावरही जाऊ शकते आणि तो खर्च आपण वेगवेगळ्या विभागासाठी विभागु शकतो तसेच आपण दुकाने, कारखाने यांच्या उत्पन्नामध्ये ५० लाख उत्पन्न अपेक्षित धरले आहे. पण असे बरेच दुकानदार, कारखानदार जेव्हा आपले नाहरकत परवाने घ्यायला येतात तेव्हा त्यांना अनेक अडकणी निर्माण होतात. एकतर इमारती ग्रामपंचायत काळातील असेल किंवा १९९५ च्या अगोदर जेव्हा शासनाने निर्णय दिलेला आहे कि ९५ च्या अगोदरची असेल त्याला कागदपत्र नसेल काही इमारतीधारंकानी वापर परवाना नाही घेतला म्हणून त्यांना आपण एन.ओ.सी. देत नाही. त्यामुळे आपलीसुद्धा घट होते आणि अशा नागरिकांची एक गैरसोय होते कि आम्हाला जेव्हा महानगरपालिकेमध्ये नाहरकत दाखला मागतो तेव्हा आम्हांना अनेक कारणे दाखविली जातात त्यासाठी आपणांस अगर ना हरकत दाखल्यामध्ये वाढ करायची असेल तर आपण त्यांच्या अटीशर्तीनुसार जो शासनाने निर्णय दिलेला आहे ९५ च्या अगोदरचा ती शर्त मानुन वापर परवान्याची अट न मानता त्यांना परवाने दयावे जी ५० लाख अपेक्षित उत्पन्न धरले आहे त्यापेक्षा जास्त होईल त्याच्यात काही शंका नाही. एक खर्चाचा तपशील म्हणून शाळागृह बांधणे त्याच्यासाठी ५० लाखाची तरतुद करण्यात आलेली आहे. मिरा भाईदर क्षेत्रातील भाईदर पुर्व येथील खारीगाव शाळेची जी इमारत तळमजळ्याची बांधण्यात आलेली आहे. त्याच्यावर आणखी ३ मजले बांधावेत जेणेकरून आमच्या भाईदर पुर्व परिसरातील नागरीकांना लग्नगृहासाठी लग्नसभागृह पाहिजे तिकडे, तसेच बरेचसे विद्यार्थी सी.ए., वकिल, डॉक्टर यांचे प्रशिक्षण घेत असतात त्याच्यासाठी अभ्यासिका म्हणून त्याच्यासाठी त्यांची उपाययोजना झाली पाहीजे तसेच त्यामध्ये वाचनालय आणि मिरा भाईदर महानगरपालिकेला विभागीय कार्यालयासाठी तिकडेही योजना असावी यासाठी जी ५० लाखाची आपण तरतुद केली आहे. त्याच्यात वाढ करावी अशी मी आपणांस विनंती करीत आहे. आपण जो बांधकाम विभागामध्ये डॉक्टर हेडगेवार मार्ग यासाठी आपण ३० कोटी खर्च करून रस्ता बनवणार आहोत त्यासाठी आपण जे एम.एम.आर.डी.ए. कडून लोन घेणार आहोत. ते आपल्याला मिळाले का, जर मिळाले नाही तर आपण जो बांधकाम विभागासाठी ३० कोटीची तरतुद केलेली आहे ती आपली कोसळून जाईल. जो जेवढा खर्च आहे तेवढा तो डॉ. हेडगेवार मार्गावरच खर्च होईल आणि जी लोकांना अपेक्षित आहे माझ्या वार्डमध्ये पक्के रस्ते झाले पाहीजेत, डांबरीकरण झाले पाहिजे, गटारे झाली पाहिजे. अशा कोणाच्याही विकास योजना पुर्ण होणार नाहीत तर त्याबद्दल आपण विचार करावा आणि एम.एम.आर.डी. कडून आपणास लोन मिळत असेल तर त्या लोनचा आपण खरोखर उपयोग करावा जर नाही मिळाले तर खरोखर आपल्या या बजेटवर एक संकट कोसळेल आणि ज्यांनी ज्यांनी योजना आखल्या असतील माझ्या वार्डमध्ये हे करेन ते करेन त्या त्यांच्या निराशया होतील यात काही शंका नाही तसेच आपण या बजेटमध्ये भुयारी मार्गासाठी ७५ लाख तरतुद केलेली आहे. पण हा भुयारी मार्ग आहे भाईदर पश्चिम व पुर्वेला जोडणारा यासाठी कमीत कमी माझ्या अंदाजाने ९० कोटीची तरतुद असायला पाहिजे होती. परंतु ७५ लाखामध्ये कसा काय भुयारी मार्ग होईल हे प्रशासनाच्या मी नजरेत आणून देतो हयावर ही विचार करावा तसेच हा जो आपण रुपया दाखवलेला आहे खर्चाचा आणि जमेचा त्याच्यात एक तुट आहे. आर.ओ.बी. डॉ. हेडगेवार मार्ग, भुयारी गटार योजना याच्यात २४ टक्के दाखवलेला आहे. खर्च या रुपयामध्ये आणि आपण पुन्हा ८ टक्के कर्ज परत फेड रुपयामध्ये परतफेड कशी दाखविलेली आहे. यांचा मला खुलासा करावा आणि जे बजेट बनले आहे त्याच्यात मी ज्या सुचना

केलेल्या आहेत त्या सभागृहाने मान्य कराव्या तसेच महापौरांनी जी मला आज वेळ दिली तसेच उपआयुक्त, सभापती सो. हयांनीही मला बोलण्याची संधी दिल्याबद्दल आमच्या शहरविकास आघाडीतर्फे आम्ही आपले आभारी आहोत. धन्यवाद.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

मा. महापौर मँडम, अर्थसंकल्प सादर करतांना दोन गोष्टी इकडे दिसत आहेत. मा. आयुक्त सो. हा बजेट १२० कोटीचा दिलेला आहे आणि स्थायी समितीमध्ये चर्चा करून आणि १२० कोटीचे वाढ करून १३५ कोटीवर ते बजेट आणलेले आहे. १३५ कोटीचे बजेट आणतांना आपण फक्त जर सर्व हेड बघितले तर चार वस्तुमध्ये सर्वात जास्त वाढ झालेली आहे. आणि त्या वाढीमध्ये प्रशासनाची वाढ कमी दाखवलेली आहे. कर आकारणी आहे, आयुक्त सो. आपण ३० कोटी दाखवलेली आहे. आणि स्थायी समितीने ती वाढ ३४ कोटीवर नेलेली आहे. दुसरा जो विकास कर आहे. विकासकरामध्ये आयुक्त सो. आपण ३ कोटी दाखवलेले आहे आणि स्थायी समितीने ६ कोटीवर तो आकडा घेऊन गेलेला आहे. लायसेन्स फीस फक्त ५० हजार आयुक्त सो. आपण दाखवलेले आहे आणि स्थायी समितीने साडेचार कोटीवर ते नेलेले आहे. म्हणजे हे तीन हेड पकडले फक्त आपण तर साडे अकरा कोटी तीन हेड मध्ये फक्त महापालिकेच्या स्थायी समितीने वाढ केलेली आहे. मला असे वाटते स्थायी समितीचे सभापती आणि आयुक्त सो. या दोघांनी आपसात बसुन हा जो फरक आलेला आहे. कशापद्धतीने भरून काढणार आहेत याची विचारपुस केली नसावी कारण जेव्हा स्थायी समितीचे सभासद जे बसतात या बजेटवर चर्चा करायला बसले सर्व व्यापारी आहेत कोणत्या ना कोणत्या उदयोगामध्ये आहेत आणि व्यापाच्याला कला माहिती असते कि एक रुपयाचा सव्वारुपया, दिडरुपया व्यापारामध्ये कसा करावा आणि त्या डोक्यांनी त्यांनी १ कोटी २० लाखाचा १३५ कोटी करून टाकला असे वाटते कारण प्रशासन चालवत असतांना आयुक्त सो. आपल्यालाही माहिती आहे प्रशासनाचे काय नियम असतात, काय शासकिय नियम असतात जे तुम्ही करु शकत नाही. आणि अशाच नियमामध्ये स्थायी समितीने वाढवलेली ही रक्कम आहे. सर्वात महत्वाची गोष्ट लायसेन्स फीस हे मागच्या ५ वर्षापासून नगरपालिकेच्या काळापासून आतापर्यंत हा विषय सभागृहामध्ये वेळोवेळी आलेला आहे. व्यापारी पैसे द्यायला तयार आहे तुम्ही पैसे घ्या आम्हाला लायसेन्स दया पण प्रशासन सांगते हि बिल्डिंग अनाधिकृत आहे. आम्ही दाखले देऊ शकत नाही आणि म्हणून तुम्ही ५० लाख दाखवलेले आहे. तुमची बाजू एकदम चुकीची नाही आहे आणि साडेचार कोटी फक्त व्यापारी हरकत दाखला दिला पाहिजे पण शेवटी शासनाचे तिकडे बोट येणार हा साडेचार कोटीचा वाढीव हा वाढीव होणार नाही आणि आयुक्त सो. तुमचा जो आकडा आहे ५० लाख त्याच्यावर जास्तीत जास्त १ कोटी जाऊ शकतो कुठेतरी तुम्ही शिथिलता आणली तर म्हणून हा तीन ते चार कोटीचा फरक या बजेटमध्ये होणार आहे याचा गांभिर्याने जेव्हा आपण खर्च दाखवतो त्यावेळी तुम्हाला करायला पाहिजे विकास कराचा जर आपण आढावा घेतला केव्हाही प्रशासनाला सांगितले त्यावेळी आता उपआयुक्त सो. नाही आहेत कि सभागृहाने निर्णय घेतला ३ पट्टीने पैसे द्या पैसे कधीतरी घ्या पण पैसे आले पाहिजे. अनधिकृत बांधकाम होतात विकास कराची चोरी होते पण आजपर्यंत या मिरा भाईदर महापालिकेमध्ये किंवा नगरपालिकेमध्ये कुठलाही आर्किटेक्ट कुठलाही बिल्डर यांच्यावर कारवाई झाली नाही म्हणून हा विकास कर आजपर्यंत वसुल झालेला नाही मी आजही सांगतोय जोपर्यंत तुम्ही या शहराचे आर्किटेक्ट या शहराचे जे कॉन्ट्रॅक्टर आहेत, या शहराचे बिल्डर्स आहेत, हयांच्यावर कडक धोरण घेतले नाही तर हा तीन कोटीवरुन तुम्ही सहा कोटी केलेला आहे. हा तुम्ही ३ कोटी दिला आहे सो. आणि ६ कोटी म्हणजे दुप्पट केलेला आहे. हा पण आकडा स्थायी समितीने दिलेला एकदम चुकीचा आहे. एकतर तुम्ही कडक धोरण घ्या, सभागृहाने धोरण घ्या आपण धोरण घेत नाही फक्त आपण सभागृहामध्ये बोलून टाकले. विषय संपला मी मागच्या नगरपालिकेमध्ये आमचे नगरसेवक डॉ. रमेश जैन यांनी चार, चार, पाच, पाच पत्रे दिली आहेत अनधिकृत बांधकामाबाबत त्यांना उत्तर मिळाले आहे. हे बांधकाम अनधिकृत आहे. बोर्ड लावले ते बोर्ड बिल्डरने फेकून टाकले. तरी नगरपालिका कारवाई करु शकली नाही. म्हणून स्थायी समितीचे सभापती सो. जे ३ कोटीचे ६ कोटी विकास करामध्ये केलेल आहे हा खोटा आकडा असणार जर आपण आणि यासभागृहाने त्याच्यावर ठोस कारवाई केलेले नाही म्हणून याच्यावर आपण यापुर्वी ९८ मध्ये एक सर्व राणे कल्सटंटनी केला होता. माझ्याकडे त्याची प्रत आहे. १७ लाख रु. आपण राणे कल्सटंटना दिले होते आणि त्यांनी भाईदरच्या मालमत्तेच्या एक आढावा या नगरपालिकेला दिला होता हा आढावा ९९ ला दिला आणि आज चार वर्ष झालेली आहेत त्यामध्ये त्यांनी इमारती ४४२५ म्हणजेच त्यांनी प्लॅट सांगितले नाही किती आहेत ते. त्यांनी बंगला, वाडा, स्वतंत्रदुकाने १०,१८१ आणि झोपडपट्टी १३३४ आज हा

आकडा माझ्या हिशेबाने त्याच्या तिष्ठूट किंवा चौपट हा आकडा गेला असेल. स्थायी समितीने हा आकडा बरोबर दिलेला आहे. ३४ कोटीचा आकडा बरोबर दिलेला आहे पण ३४ कोटी वसुल करण्यासाठी आपल्याकडे तांत्रिक सल्लागार, तांत्रिक कर्मचारी वर्ग नाही आहे आणि जे बिल्डर्स आहेत मी आज खरोखर तुम्हांला सांगतो जर या गावाचा विकास तुम्हाला करायचा असेल तर तुम्हांना कुठेतरी बिल्डरवर बोट दाखवायला लागेल या प्रशासनाला बिल्डर टॉवर बांधतोय पंधरा माळ्याचे टॉवर बांधतोय त्याचे वीस फ्लॅट विकताहेत वीस फ्लॅटची तो कर आकारणी करतोय आणि निघून जातोय आणि हीच परिस्थीती म्हणून आज शहरामध्ये लोकांना टॅक्स लागलेला नाही आहे. आणि लोक फिरतात जुना टॅक्स एका बिल्डिंगला सहा सहा टॅक्स का तर हया बिल्डरमुळे नाहीतर या बिल्डरांनी एकाचवेळी संपुर्ण बिल्डिंगचे सर्टिफिकेट घेत नाही कारण कंम्प्लीट सर्टिफिकेटची त्यांना गरज नाही आहे माणूस रहायला आला म्हणजे बिल्डिंग तुटणार नाही एक हातोडा बिल्डरवर पडला तर हा विकास कर आणि कर आकारणीमध्ये जे ३४ नाही ४० कोटी पर्यंत जाईल पण हे कडक धोरण आपल्याला स्विकारावे लागणार आहे. जो खरोखर वाढ झाली पाहीजे हया तीन वस्तू मध्ये त्यातील वस्तू मध्ये वाढ स्थायी समितीने दाखविलेली नाही आहे बाजार लिलाव फक्त १५ लाखाचा तुम्ही फरक केलेला आहे सो. आज भाईदरमध्ये अनेक कॉम्प्लेक्स झालेले आहेत सर्व ठिकाणी फेरीवाले बसतात. आणि ज्या पध्दतीने जे इकडे टेंडर होतो मी मागच्यावेळी टेंडरला होतो फिक्सिंगसारखे टेंडर होते. ही पध्दत बंद झाली तर हा आकडा १ कोटी २० लाख तुम्ही दाखविला आहे. बाजार लिलावामध्ये नक्कीच वाढ ५० लाखापेक्षा जास्त झाली पाहीजे याची दखल जर सभापती आणि आयुक्त सो. नी घेतली तर बाजार लिलावामध्ये नक्कीच ५० लाखाचा फायदा होऊ शकतो. आज जे इकडे क्लब्स आहेत सो. मला माहिती आह जेव्हा इंडस्ट्रीयल लोकांनी दोन फुट जास्त गाळा वाढवला म्हणजे ११ फुटावरून १३ फुट घेऊन गेले तर या इकडच्या अधिका-यांनी त्याच्यावर टॅक्स लावला की वरती तुम्ही ३ फुट वापरता म्हणून टॅक्स लावा. आज भाईदर मध्ये अनेक क्लब आहेत त्या क्लबमध्ये रिकामी जागा आहे ती ते भाड्याने देतात लग्नसमारंभासाठी देतात पण आपण फक्त त्या प्रिमायसेसला भाडे लावतो ओपन स्पेसला भाडे लावत नाही. तुम्ही कनाकिया बिल्डर मध्ये स्ट्रीट लाईट लावली. या टेंबा हॉस्पीटलचा एक नवीन रस्ता तयार झाला त्याला स्ट्रीट लाईट लावली. अशा अनेक कॉम्प्लेक्स आहेत कि ज्या ठिकाणी आपण लाखो रुपये खर्च केले तिकडचे जे ग्रांडरस आहेत एन.अे. झालेले आणि एन.अे. मध्ये आपण टॅक्स घेऊ शकतो असे माझे मत आहे. पण अधिकाच्यांनी त्याची जाणीव आपल्याला दिली नाही आणि ज्या ठिकाणी खरोखर टॅक्स वाढतोय, उत्पन्न वाढते आहे. त्या ठिकाणी कुठेही सुवना आपण केलेली नाही. प्रशासनाने केलेली नाही म्हणून हे बजेट १२०, १३५ केलेले आहे फक्त भावना किंवा इकडे वाढ होऊ शकते म्हणून वाढवून टाका अशा पध्दतीने हा बजेट झालेला आहे. एक गोष्ट तुमच्या लक्षात आणून देतोय रस्ता खोदाई सो. आपण ५० लाख रस्ते खोदाईमध्ये उत्पन्न दाखविलेले आहे आणि दिड कोटी आपण दाखवलेली आहे आणि दोन कोटी मा. सभापती साहेबांनी स्थायी समितीमध्ये दाखविलेली आहे. रस्ता खोदाईमध्ये मागच्यावेळी उत्पन्न दाखविले आहे फक्त ३५ लाखाचे २५ किंवा ३५ लाखाचे आहे. महाराष्ट्र प्राधिकरणाने जी ११६ कोटीची पाईप लाईन टाकली या शहरामध्ये आणि टेंडर देतांना कोणी असो ज्या शहरामध्ये कुठलेही टेंडर घेतोय त्याची नुकसान भरपाई करण्याचे काम त्याचे आहे. प्राधिकरणाने लाईल टाकली आपण त्यांना पैसे दिले पण त्या रस्ता खोदाईच्या बाबतीमध्ये एक पैसा वसुल केलेला नाही म्हणून हा आकडा मागच्या वर्षाचा फार कमी आहे. हयाची आपण दखल घ्यावी कारण एकदा ऑक्ट्रॉय नाका दिला मग नगरपालिकेची काही वस्तु आली काही वस्तु सोडून त्याना ऑक्ट्रॉय भरावा लागतो. त्याच पध्दतीने कुठल्याही ठेकेदाराने कुठलेही काम घेतले त्याची नुकसान भरपाई त्या कॉन्ट्रॅक्टरने महापालिकेची केली पाहिजे पण जीवन प्राधिकरणाने ज्या कॉन्ट्रॅक्टरनी जे ११६ कोटीचे काम घेतले त्या कामापोटी त्याने अख्खे रस्ते खोदाई केले त्याच्यामध्ये लाखो रुपये आपले पॅचवर्क मध्ये गेले आणि एक रुपया त्याच्यामध्ये उत्पन्न झाले नाही याची खबरदारी आपण पुढच्या बजेटमध्ये प्राविदान केले १ कोटी ५० लाखावरून २ कोटी त्यामध्ये जे मागचे घेतलेले नाही ते आपण घेतले पाहीजे बोलल्यासारखे पुष्कळ आहे हयाच्यामध्ये पण सो. हे जे मी दिलेले आहे बाजार आणि खास करून प्रॉपर्टी मध्ये बिल्डर लोकांवर आपण काही सक्ती आणली तर हा ३४ कोटीचा तुम्ही आकडा दाखविला आहे तुम्ही ३० आणि सभापती ३४ हा ४० कोटीचा कारण आज नगरपालिकेची महापालिका झालेली आहे. लोकांना अपेक्षा आहे नाव मोठे झालेले आहे. पण समोर मिळणार काय आज आपण बजेटमध्ये शाळांना फक्त ५० लाख रुपये दिले शिक्षणाला जी अत्यंत आवश्यक गरजेची बाब आहे ५० लाख रु. दवाखान्याची आपण तरतुद केलेली आहे. चार ओपीडी तुम्ही खोलणार आहात पण शेवटी काय काय मिळणार त्या ओपीडी मधुन १ लाख, २ लाखामध्ये काय मिळणार आहे. साडेसहा लाख लोकवस्ती आहे दहा रुपये पर डे १० रुपये वर्षाच फक्त आपण सर्वांचे कॅलक्युलेशन केले तुमच्या बजेटने दहा

रुपये तुम्ही एका वर खर्च केला आहे आरोग्यामध्ये एका माणसावर १० रु. म्हणून हे बजेट महानगरपालिका नवीन आहे. टँक्सेस वाढणार आहेत नंतर उत्पन्न होणार आहे. पण त्याच्यासाठी कठोर उपाययोजना आपल्याला कराव्या लागणार आहेत सां. फक्त दोन तीन सुचना मी करतो आहे. एक आरोग्याचा विषय होता. सॅप्टीटॅकचा सॅप्टीटॅक आहे. मैलावाहू टँकर तो टँकर मैला घेत नाही म्हणून तो टँकर कामाला येत नाही म्हणून एक पथक असा नेमावा स्पेशल कि ज्या संडासाच्या प्रायव्हेट टाक्या आहेत ते साफ करून घेतील आणि त्याचे नॉमिनल रेट महापालिका वसुल करणार त्याच्यावर मच्छराचा प्रकोप आहे किंवा आरोग्याचा विषय आहे त्याच्यावर आपल्याला नक्कीच उपाययोजना मिळणार आहे कारण वीस वीस वर्षे झाली लोकांनी टाक्या साफ केलेल्या नाहीत कारण प्रायव्हेटवाले ५ ते १० हजार रु. मागतात म्हणून याच्यावर एक तरतुद करावी आणि एक पथक हाताने म्हणजे मैला काढून साफ करावे. आपण खेळणीमध्ये थोडीशी तरतुद केलेली आहे. सां. आता आपण फुटपाथ तयार केले फुटपाथ तयार करतांना काही अपंगांचे आपण जे बूथ होत ते तोडले काही लोकांना पुरेशी जागा दिली, काही लोक आजही फुट पाथवर शिवमुर्ती नाईक सां. फार चांगला प्रयत्न केला पण आज छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग फुटपाथवर कमीतकमी १० टप्प्या परत आपण बांधलेल्या फुटपाथवर आहेत. कारण त्यांना उपाय नाही. म्हणून मी मागच्या नगरपालिकेमध्ये आपल्याला सांगितले होते कि जे महापालिकेचे उदयान आहे. त्या उदयानामध्ये आपण इलेक्ट्रॉनिक खेळणी लावा ती इलेक्ट्रॉनिक खेळणी आपण अपंगांना दया आज नगरपालिका खेळणी लावते खर्च करतेच आहे. थोडीशी तरतुद जास्त करा आणि ही खेळणी व आपण त्या अपंग व्यक्तींना किंवा विधवा असतील किंवा गरजु असतील त्यांना गार्डनमध्ये दयावी ज्याने हा रस्त्यावरील टपरीचा विषय संपणार आहे आणि जो गोरगरीब आहे तो एस्सेलवर्डला जाऊ शकत नाही किंवा मुंबईला कुठल्या गार्डनमध्ये जाऊ शकत नाही तो २ रु., १ रु., आठ आणे मिनिमम रेटने तो एस्सेलवर्ड सारखा आनंद हया गार्डनमध्ये घेऊ शकतो आहे तर एक तरतुद त्याच्यामध्ये हे करावे. आपले अँम्ब्युलन्ससाठी दहा लाख रुपये काहीतरी तरतुद केलेली आहे साहेब. भाईदरमध्ये चलता फिरता दवाखान्यासाठी सुद्धा तरतुद केली आहे त्या खेळणीमध्ये सां. भाईदरमध्ये मोठे हॉस्पीटल आहे पण एखादया हार्ट पेशंटला हार्ट अँटक आला तर त्याना हार्ट अँटकची अँम्ब्युलन्स येते फिजीशियनची ती मुंबईहून मागवावी लागते त्याचे ८ ते ९ हजार रु. भरावे लागते. २ अँम्ब्युलन्स आपली चालतात, शववाहिनी आपली चालते पण ते वाहन आणले आपण फिजीशियनची तर त्याच्यामध्ये दोन उपयोग होणार आहेत. एक तर त्यामध्ये डॉक्टर नेमायला लागेल, नर्स नेमायला लागेल, ती स्लम एरियामध्ये फिरुन जे काम आपण ओपीडीने करणार तो ओपीडीप्रमाणे करणार आणि केव्हाही कुठल्याही व्यक्तीला हाटॅ अँटॅक सारखा मोठा प्रॉब्लेम झाला तर त्याला ताबडतोब ती सुविधा उपलब्ध होईल कारण दोन अँम्ब्युलन्स आपल्याकडे आहेत म्हणून १० लाखाच्या ठिकाणी २० लाख रु. त्याना जास्त खर्च आहे. त्याला स्टाफ जास्त ठेवावा लागेल म्हणून तुम्ही त्यामध्ये जास्त तरतुद करा. मार्केट आणि कत्तलखान्यामध्ये फारसे बोलणे झालेले आहे. मागच्या नगरपालिकेपासून सतत बाजारामधून फार उत्पन्न होत आहे. ह्यावेळी साहेब आपण १ कोटी ३० लाख उत्पन्न दाखविला आहे आणि खर्च फक्त १ कोटी दाखविला आहे. आज रस्त्याच्या प्रश्न झालेला आहे. रस्त्यावर लोक बसतात, फेरीवाले बसतात ना इलाज आहे आणि कोणी कुणाला बोलु शकत नाही. म्हणून मार्केटचे १ कोटी ३० लाख उत्पन्न आहे ते उपत्पन्न अजूनही वाढू शकते. ते उत्पन्न वाढवावे आणि हे संपुर्ण उत्पन्न मार्केट बांधण्यासाठी वापरावा त्यातील एकही पैसा दुसऱ्या कामामध्ये न लावता आणि या भाईदरला चांगली भाजी, चांगली फळे मिळतील. लोकांचे आरोग्य चांगले राहील असा तुम्ही प्रयत्न करा आपण मला दोन शब्द बोलायला दिले त्याबद्दल धन्यवाद. जय हिंद जय महाराष्ट्र.

### उपआयक्त :-

दोन मुद्दे यांचे समजावून सांगतो बाजार लिलाव हा स्थायी समिती समोर केला १८-१९ ला ३३ लाख रु. मिळाले. २०००-०१ ला ५१ लाख रु. मिळाले आणि २००१-०२ मध्ये १ कोटी २ लाख रु. मिळाले आपण जे निगोशियेशन करून दिलेले आहे असे म्हणणे ते पुर्ण चुकीचे आहे कारण २०००-०१ मध्ये ५१ लाख आणि २००१-०२ मध्ये १ कोटी २ लाख स्टॅडिंग कमिटीच्या सदस्यासमोर लिलाव केलेला आहे.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

सां. तुम्ही निगोशियेशन केले नाही. निगोशियेशन त्या ठेकेदारामध्ये झालेले आहे.

### उपआयक्त :-

निगोशियेशन झाले असते तर ५१ लाखाचे १ कोटी २ लाख झाले नसते. एका वर्षामध्ये डबल उत्पन्न झाले.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

भाईदरचे क्षेत्र वाढलेले आहे सो.

### उपआयुक्त :-

फक्त आकडेवारी सांगितली तुम्हांला.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

आकडेवारी तुमची कुठे नाही सांगतोय.

### उपआयुक्त :-

५१ लाख जे होते ते १ वर्षामध्ये १ कोटी २ लाख झाले

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

आजही वाढू शकते.

### उपआयुक्त :-

वाढणार नाही असे म्हणत नाही.

### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

माझे म्हणणे आहे त्याच्यावर लक्ष दया. जे आयुक्त सो. आणि स्थायी समितीच्या फिगरमध्ये टच केलेले नाही आहे तुम्ही त्यावर थोडेसे लक्ष दयावे.

### उपआयुक्त :-

दुसरी महत्वाची बाब रस्ता खोदाई एम.जे.पी हे शासकीय डिपार्टमेंट आहे. त्यांनी ११० कोठीची वॉटर सप्लाय स्कीम मंजुर केलेली आहे. जर आपण खोदाईचे पैसे त्याच्याकडून घेतले तर इकडे आपली कर्जाची रक्कम वाढणार कारण ते महापालिकेचे एजन्सी आहे म्हणून काम करते. इकडे जर आपण रस्ता खोदाईचे पैसे त्यांना लावले तर इकडे ११० कोठीऐवजी तेथे १२० कोटी होईल. कारण तेथे पैसे आम्हाला वर्ग होतील. आणि तिसरा मुद्दा महासभेने २५ टक्के, २५ टक्के आणि ५० टक्के डेव्हलपमेंट चार्ज वसुल करायचा ठराव केला होता म्हणून आम्ही डेव्हलपमेंट चार्ज वाढीव धरलेला आहे ते पुर्वी वसुल करायचे राहीलेले आहेत. कॉन्सीलने ठराव करून जे बांधकाम परवानगी घेतात त्यांना सवलत दिली होती बिल्डर आणि बिल्डींग परमिशन घेणाऱ्यांना २५ टक्के, २५ टक्के आणि कंप्लीशंनला ५० टक्के कंप्लीशंनला ५० टक्के दयावे लागू नये म्हणून इकडे अर्ज कोणी केला नाही. त्यामुळे आता सहा महिन्यापासुन १०० टक्के वसुली करतोय कॉन्सीलचा ठराव करून जी सवलत दिली होती तीही पैसे वसुल करायचे काम सुरु झालेले आहे.

### रोहीदास शंकर पाटील :-

मा. महापौर, सभापती, आयुक्त, उपआयुक्त, सचिव या सभागृहात उपस्थित असलेले सर्व सन्मा. नगरसेवक, अधिकारी २००३-०४ च्या अंदाजपत्रकाला मंजुरी देण्यासाठी आपण इथे सर्व सकाळपासून प्रत्येक पक्षाच्या नगरसेवकांनी आपआपल्या पध्दतीने विषय मांडण्याचा प्रयत्न केला. मघापासून जी चर्चा झाली त्याच्यातुन मी जास्त सभागृहाचा वेळ घेणार नाही. आणि मी आकडेवारी वरही बोलणार नाही. पान क्रमांकावरही बोलणार नाही आणि येलो पेजवरही बोलणार नाही. फक्त दोन तीन विषय समोर ठेवण्याचा प्रयत्न करीन ज्याकडे सर्व सभागृह महापौर, सभापती, आयुक्त, उपआयुक्त निश्चित ध्यान देतील. दोन्ही तीन्ही विषय सगळ्यांच्या दृष्टीने अती महत्वाचे आहेत. मोजक्या शब्दांत मांडायचा मी प्रयत्न करतोय कि सभापती सो. तरुण आहेत वसुलीमध्ये पटाईत आहेत. आयुक्तांनी दिलेल्या अंदाजावर आणखी १५ कोटी वाढवले. त्यांचा तो आत्मविश्वास आहे आणि त्यांच्या या सगळ्या कामामध्ये जसे प्रशासनाने आयुक्तांच्या वतीने जे एक बजेट पेश केले त्यानंतर स्थायी समितीने सगळ्यांच्या संमतीने एकमताने पेश केले त्याच्यावर आता फार टिका करावी. अशातील भुमिकेचा विषय राहीलाच नाही आहे. त्यात तरतुदी आहेत. सुधारणा आहेत किंवा ज्याकाही शंकाकुशंका आहेत हयाच्यावर सगळ्यांची चर्चा केलेली आहे. मला असे वाटते की मिरा भाईदरला शोभा येईल किंवा त्याचे चीज होईल व मिरा भाईदर मध्ये बदल झाला असे दिसून येईल. त्यातला एक अंटम जो आहे कि आयुक्तांनी त्यांच्याकडे लक्ष दिले नाही सभापतीनी ही लक्ष दिले नाही. सॉम वॉटर म्हणून जे काही हेड आहे तो झिरो का ठेवलाय मला समजत नाही. हया शहराची वस्तूस्थिती आहे कि ज्यावेळी शहर ग्रामपंचायत म्हणून होते त्यावेळी अनेक ग्रामपंचायती काम करीत होत्या ग्रामपंचायतची नगरपालिका झाली. बांधकामाचे प्रमाण वाढत गेले आणि ज्या ज्या ठिकाणी शहराच्या कॅचमेंट एरिया होत्या जसे शांतीनगर म्हणावे, भाईदर पुर्व एरिया म्हणावी. शांतीनगर एकटेच नाही आर.एन.पी.पार्क म्हणा, शांतीपार्क म्हणा किंवा रिधी सिधी म्हणा सगळ्या पुर्वेला ज्या नागरी वसाहती बनल्या मग कनाकिया असेल किंवा अनेक हया ज्यावेळी काशीच्या डोंगरामध्ये पडणारा पाऊस, मिन्याच्या डोंगरामध्ये पडणारा पाऊस तो पाऊस एक अवधीमध्ये पडतोय, एक तास, दोन तास, तीन तास असा पासुन पडतोय आणि त्या डोंगरांचे पाणी सरळ खाली उतरते. अनेक वर्षापुर्वी हा जो पाऊस व्हायचा तो त्याला एक रेस्ट

पिरियड होता आणि त्याला केचमेट एरिया होती. आज केचमेट एरिया संपल्यामुळे एक पुर्वला फक्त जाफरी खाडीवरचा एक पुल राहीला आज देशामध्ये जसे नदयांचे पात्र बदलायची चर्चा चाललेय तो पिण्याच्या पाण्यासाठी चाललेय. तर आपल्याला त्या गोष्टीचा विचार करणे नक्कीच जरुरीचे होते कि कसाही पाऊस पडू दे तो थोडा पडू दे जास्त पडू दे पण ज्यादिवशी पाऊस पडेल त्या दिवशी हया मिरा भाईदर महापालिका क्षेत्रातील पुर्वेकडची जी मोठी वस्ती आहे कि एकंदरीत लोकवस्तीच्या २/३ ती वस्ती आहे आणि त्या वस्तीतील तळमजळ्याची वस्ती मोजली तर १/५ वस्ती येते. तळमजळ्याची फॅक्टरी असेल, तळमजळ्याची जी घरे आहेत. मग ती झोपडी असेल किंवा घर असेल हया सगळ्या घरामध्ये पाणी भरते असे अनेक वर्षाचा आपला अनुभव असतांना आपल्याला नक्की माहिती आहे कि हयाच्यामध्ये कोटयावधी रुपयांचे नुकसान होते. कारखानदाराचे नुकसान होते दुकानदारांचं नुकसान होते. घरात तळमजळ्यावर राहणाऱ्या नागरिकांचे नुकसान होते. मग तो प्लॅट मध्ये जरी असेल तो टॉवर जरी असेल तरी खाली जर माळा असेन तरी मिरा रोड पासून भाईदर पुर्वेकडे सगळ्याठिकाणी पाणी भरते. एका उदा. दाखला म्हणून मी सांगतो कि अनेक वर्षाच्या मागणीनंतर तत्कालीन जिल्हाधिकारी मुकेशजी खुल्लर यांच्या आदेशानुसार रेल्वेसमांतर एक नाला निघाला की ज्याच्यामुळे गेल्यावर्षी पुर्ण मुंबई बुडली, महाराष्ट्र बुडला, ठाणा बुडला पण भाईदर मधील पुर्वेकडचा रेल्वे समांतर भाग बुडला नाही त्याला एक यशाचे क्रेडीट म्हणजे नक्की होते की पुढचे धोरण रेल्वे समांतर हा नाला निघाल्यानंतर आज समुद्राची पातळी १५, फुट खाली असतांना आपण रेल्वेसमांतर नाल्यासारखा कुठेही नाल्याची प्रोक्हीजन ठेवलेली नाही. म्हणजे गोल्डन नेस्ट कडून जाणारा नाला, पंजाब फॉन्ड्रीकडून जाणारा नाला किंवा बी. एस.ई. एस ऑफिसच्या मागून जाणारा नाला असे हे पाच नैसर्गिक नाले आहेत. त्या नाला खोदाईची पक्के नाले बांधा अगर बांधु नका पण पाण्याचा प्रवाह हा एका जाफरी खाडीतून जाऊ शकत नाही. गेल्यावर्षीचा हा महापालिकेला पुर्ण अनुभव आहे. कि मिरा रोड बुडल्यानंतर मिरा रोडचे पाणी डॉ. हेगडेवर मार्ग क्रॉस करून पलटी मारून पाणी या बाजुला आले आणि नवघर गावाच्या मागून जाऊने त्या पाण्याचा निचरा झाला. ४ दिवस पाण्याचा निकास झाला नाही. चार दिवस पाणी थांबून होते तरी सुध्दा आपल्या या बजेटमध्ये त्याची प्राविजन केली नाही. माझी सभागृहाला विनंती आहे. कधी कोणाला वाटत असेल हा पक्षाचा विषय असेल हा पक्षाचा विषय नाही कोणाच्या अकलेचा विषय नाही वास्तविकतेचा विषय आहे. तर यासाठी मोठी तरतुद करून ह्यावर्षी ते समांतर नाले निघाले पाहिजे पुर्वेकडचे पाणी आपला प्रयत्न आहे आमचे करस्पॉडन्स आहे. महापालिकेचे करस्पॉडन्स आहे कि रेल्वे ब्रीजसाठी म्हणजे दहिसर पासून भाईदर पर्यंत मिरा रोड मध्ये दुसरे कुठेतरी स्लॅबडन व्हावे पण त्याला लगेच यश येईल असे नाही आणि जर करायचे झाले तरी तेवढया मोठया जागेची प्रोविजन म्हणजे ते पाणी वाहून घेऊन येईल आणि पाणी वाहून घेऊन जाईल अशी फिजीबिलीटी त्याला मिळत नाही असे रेल्वेचे म्हणणे आहे. आपला डिपार्टमेंटनी काय करस्पॉडन्स आहे. त्याबाबत मला माहिती नाही आहे. पण त्याला पर्याय म्हणून आज मिरा रोडचे पाणी भाईदर पुर्वेकडे वळवून त्याला जर नाले निघाले तरच आर.एन.ओ मधील पाणी निघु शकेल, शांतीपार्क मधील पाणी निघु शकेल, शांतीनगर मधील पाणी निघु शकेल. त्या प्रवाहाची कॉन्ट्रीटी कमी करावी लागेल हा एक मुद्दा आहे. दुसरा एक मुद्दा अनेकांच्या बोलण्यात आला पण जसे मी म्हटले की आकडेवारी आणि पेजवर बोलणार नाही. आज जशा या महापालिकेतील शैक्षणिक गोष्टीकडे जर प्राथमिक शिक्षणावर जर आपला कोणताही खर्च झाला नाही. आज महापालिका शाळांची अत्यंत दैनावस्था की ज्याना आपण म्हणतो ग्रामीण भागातील शाळा, ग्रामीण भागातील शाळांचा पटसंख्येचा विचार केला असता शहरी भागामध्ये वेगवेगळ्या टयुशन लावून आपआपल्या मुलांना शिकवले जाते. पण त्या ग्रामीण भागातील शाळांमध्ये कोणतीही सुविधा नाही शिक्षक संख्या नाही आहे. मुख्याध्यापिकेची वर्तणूक चांगली नाही. नगरसेवक जातात त्यांना नीट उत्तर मिळत नाही. मध्ये डॉ अशोक मोडक आमदार सो. आले होते आणि उपआयुक्तांसमोर विषय मांडला होता की, एकतर मुलांचे संपुर्ण करिअर आपण आपल्या नाकर्तेपणामुळे नाकर्तेपणा हा शब्द योग्य वाटत नाही मला आपण दुर्लक्षित केल्यामुळे कि चेण्यासारख्या शाळेमध्ये पुर्ण पट संख्या घसरते त्यावर कारवाई करणे जरुरी आहे. अशा ज्या ग्रामीण भागातील शाळा आहेत, मग चेना असून दे, अगर उत्तन असू दे. या ग्रामीण भगातील शाळांची पटसंख्या टिकवली पाहीजे. त्याचबरोबर त्या शाळातील मुलांचे आरोग्य टिकविले पाहिजे. त्यांची क्षमता नसेल आणि मधाशी सांगितले की, आता जग इतके फास्ट चाललेले आहे आणि जसे महापालिकेत कॉम्प्युटराईज करावे असा विषय कुठेही घेतला नाही तसेच प्राथमिक शाळा मध्ये कॉम्प्युटरची सोय व्हावी हया हेडखाली एक सेपरेट हेड म्हणा त्याची प्रोक्हीजन व्हायला पाहीजे कि पुढच्या वर्षामध्ये मग पहिलीपासून ज्या आपल्या महापालिकेच्या शाळा चालतात त्याचमध्ये कॉम्प्युटरचे शिक्षण त्या मुलांना मिळायला पाहिजे. महापालिकेने ती प्रोक्हीजन केली पाहिजे. मला असे वाटते की हे सगळे करतेवेळी एकंदरीत बजेट

फुगवायचे असते तर अजुनही फुगवू शकले असते. कमी करायचे असते तर आणखी ही कमी करु शकले असते. आपण जे बजेट सादर केलेले आहे. याबजेटच्या आकडेवारीची जी संख्या मेंटेन करायचे त्याचे इंम्प्रीमेंटेशन करायचे हि जबाबदारी महापौरा बरोबर एकटयावर कशाला देता. त्याच्यावर पापाचे धनी एकटे करु नका. भागीदार सगळेच व्हा आम्ही सगळेच व्हायला तयार आहोत. या यशाचे अपयशाचे धनी हे सभागृह व्हावे या भूमिकेतून आम्ही बोलतो आणि आमची अशी अपेक्षा आहे कि जसे मघाशी सांगितले कि महापौरांचे गुणगाण गायला आम्हांलाही भरपुर येतात पण जर कधी संधी मिळाली तर ती पण आम्ही सोडणार नाही कारण टीका करायचे आमचे कर्तव्य आहे. जसा आता महिला दिन गेला आणि या शहराच्या प्रथम महापौर त्यांनी महिला दिनाच्या दिवशी कोणताही कार्यक्रम इथे करु नये अश्या ज्या काही गोष्टी होतात. त्यात त्यांचा दोष नाही.

### लिओ कोलासो :-

कार्यक्रम झाला.

### रोहीदास पाटील :-

कुठे, महापालिकेत नाही झाला. लिओ सो. आमची तीच अपेक्षा आहे कि सल्लागारांना मी त्यांना कधीच दोष देणार नाही. आजही देत नाही, उदयाही देणार नाही. हे जे जे कार्यक्रम आहेत त्यांचे वेळेत इंप्लीमेंटेशन झाले, वेळेत सुधारणा करण्याच्या जर सुचना मिळाल्या. जश्या सभागृहाने, कोणत्याही पक्षाच्या कोणत्याही नगरसेवकांनी त्याच्या क्षमतेनुसार दिल्या असतील. भारतीय जनता पार्टीच्या नगरसेवकांनी आम्ही ज्या आमच्या सुचना दिलेल्या आहेत त्याच्यात एक नक्की मी सांगतोय की हया अंदाजपत्रकाला सभागृहाची मला वाटते सगळ्यांची संमती असेल का असेल असे आमच्या पक्षाची याला आम्ही अपेक्षा आहे अशी की एकमताने व्हावा तर त्याचे आम्ही समर्थन करतोय पण त्याच्यात अट आहे. उपविधीचा जो विषय आहे. या उपविधीच्या अनुषंगाने घेतलेल्या फिगर आहेत त्याच्यामुळे उपविधीच्या नक्की निर्णय झाल्याशिवाय यांची ताळमेळ जमणार नाही याची नोंद घ्यावी. नीट मग ते झाले झाले म्हणून ते सभापती तर बसलेले आहेत म्हणून ते कमी बोलतात. खाली बसले कि जास्त बोलतात आटोपले आटोपले करतात आणि गोंधळ माजवतात ती सवय सोडून दया हे सभागृहातील प्रत्येक सन्मा. नगरसेवक तुमच्या सन्मान करेल. महापौरांचा सन्मान करील, आयुक्तांचा सन्मान करील, उपायुक्तांचा सन्मान करील, सचिवांचा सन्मान करील. हया सभागृहाने ते मान्य केले पाहिजे कि व्यासपीठ आहे हे सन्मानीत आहे आणि उगाच कुठेतरी वेळ न घालवता ज्या ज्या गोष्टी जे जे नगरसेवक सांगतील त्याचा तुम्ही पक्षीय दुष्टीकोन जरुर ठेवा आम्ही त्याच्यावर जास्त टिकाटिपणी करणार नाही आमची अपेक्षा आहे की सर्व सामान्यांच्या सेवेसाठी मिरा भाईदर महानगरपालिका अहोरात्र सगळ्या अधिकाऱ्यांना बरोबर घेऊन किंवा अधिकारी नगरसेवकांना बरोबर घेऊन कार्यरत आहेत असा संदेश जाऊ दे अशी अपेक्षा करतो धन्यवाद.

### हेरल बोर्जिस :-

सन्मा. महापौर सो. मी जास्त वेळ घेणार नाही परंतु सत्ताधारी पक्षाचा गट नेता या दुष्टीकोनातून अर्थसंकल्पावर बोलणे आवश्यक आहे. सन २००२-०३ चा सुधारीत आणि २००३-०४ चे मुळांदाजपत्रक सन्मा. आयुक्तांनी, स्थायी समितीला सादर केला होता स्थायी समितीने त्यामध्ये १५ कोटी रुपयांची संभाव्य वाढ लक्षात घेऊन हा अर्थसंकल्प महासभेपुढे सादर केलेला होता तर सर्व प्रथम मी स्थायी समितीचे सभापती हयांचे आणि त्यांचे सर्व सदस्य हया शहराचे हे अंदाजपत्रक एक नियोजनबद्ध रित्या आखले गेले आहे त्यामुळे मी सत्ताधारी पक्षाच्या वतीने आपणाला धन्यवाद देतो. फक्त एकच गोष्टीवर आयुक्त सो. आपले लक्ष वेधीन दिवाबत्तीवर वार्षिक आपण साडेचार कोटी रु. दिवाबत्तीसाठी खर्च करीत आहोत. एक गोष्ट फक्त आपल्या निर्देशणात आणू इच्छितो माझ्या स्वतःच्या प्रभागाची आपण पाहणी केली तर आजच्या स्थितीमध्ये ५० पोल आपल्याला बंद दिसतील आणि त्या संख्येप्रमाणे ऐवरेज काढले तर मला वाटते १० हजार रु. आपण प्रतिदिन आपण तोटयामध्ये चाललो आहोत. कारण कोणत्याही प्रकारची त्या खात्याकडून आम्हांना तसा प्रतिसाद मिळत नाही. तर हया विषयावरही विशेष गांभीर्याने लक्ष दयावे आणि सदर अर्थसंकल्पावरती सभागृहाच्या वतीने सन्मा. सभागृह नेते आपणास बोलणार आहेत तर सर्व सन्मा. गट नेते, सन्मा सदस्य यांचे जे विचार ज्या सुचना आपल्यासमोर मांडल्या गेल्या आहेत त्यांचा विचार करून हा अर्थसंकल्प नियोजनबद्धरित्या आखल्यामुळे आपणा सर्वाना मी धन्यवाद देतो. धन्यवाद.

### मोहन पाटील :-

सन्मा. सदस्यांनी याठिकाणी काही सुचना मांडल्या या अर्थसंकल्पावर समर्थनीय बोलले आहेत विरोधी पक्ष जरी असले तरी टिकाशास्त्र असतो तरी त्या सुचना आहेत अश्या आम्ही घेणार, रोहीदास पाटीलजी आपणही आमच्याबरोबर कधी बसावे अशी आमची इच्छा आहे आपणही कमी बोलावे ही

आमची इच्छा आहे. या ठिकाणी मुळप्रतीमध्ये सर्वांचे फोटो समाविष्ट केले जातील नावासहीत त्यानंतर आयुक्त सांगेन कि आपण कायदयात ज्या काही बाबी बघून जर प्रोसिर्डींग देता येत असेल सन्मा. सदस्यांना तर ती देण्याची तरतुद आपण करावी. त्याच्यानंतर जो हॉस्पीटलचा प्रश्न याठिकाणी ठेवलेला आहे. दोन्ही जे आपल्याकडे हॉस्पीटल्स आहेत त्या हॉस्पीटलचा विचार जरुर तो करु आपण कारण दोन्ही त्या जागा आपल्या ताब्यात नाही. ताब्यात येतील लवकरच आणि यावर्षी कोणत्याही कामाची मुहूर्तमेढ करण्याच्या दृष्टीने पाऊले उचलू या. त्याच्यानंतर कत्तलखाने आणि घनकचरा प्रकल्प अशा आपण कामे घेतलेली आहेत.

#### प्रभात पाटील :-

मी खाटांचा उल्लेख केला होता कि आपण ज्या ओपीडी चालू करणार आहात.

#### मोहन पाटील :-

औषधे या प्राथमिक तत्वावर म्हणजे औषधे देतो आपण ओपीडी बोलतो आपण.

#### प्रभात पाटील :-

मघाशी नाईक सांगेन कि आपण ज्या ओपीडी चालू करणार आहात.

#### मोहन पाटील :-

प्राथमिक आरोग्य केंद्र ताब्यात आल्यानंतर खाटांचा विचार करु आल्यानंतर खाटांचा विचार करु आणि आपण नाट्यगृह आणि आदी ज्या गोष्टी आहेत त्या आपण शक्यतो बीओडी तत्वावर करण्याचा मनोदय केला आहे. कारण मिरा भाईदर महानगरपालिका आणि मुंबई महानगरपालिका, ठाणे महानगरपालिका म्हणा, किंवा कल्याण महापालिका म्हणा या सर्वांच्या बजेटची तरतुद बघितल्यानंतर आपल्याकडे येणारा आवक जो पैसा आहे तो अतिशय कमी प्रमाणात आहे. त्यादृष्टीकोनातुन आपण बी.ओ.डी. तत्वावर, जागा आरक्षणे आपल्याकडे आहेत आणि बी.ओ.डी. तत्वावर विकसित करण्यासाठी मंडळी पुढे आली आपल्याकडे तर आपण हॉस्पीटल, नाट्यगृह आदी आपण विकसित करु आपण याठिकाणी त्याच्यानंतर उपविधीमध्ये ज्या काही गोष्टी आहेत त्या उपविधीच्या गोष्टी आपण या बजेटच्या सभेनंतर हा विषय आपण इथे आणुन उपविधीमध्ये चर्चा करु. मघाशी धनराज अग्रवालजी, ओमप्रकाश अग्रवालजी यांनी या चर्चेत भाग घेतला कि याठिकाणी विकासकर जो जास्त लावलेला आहे आपण विकास कर आपला मागचा बराच पेंडींग आहे. आपण तो विकास कर इनस्टॉलमेंटनी होणार होतो तर तो आपण वसुल केलेला नाही आहे. आणि जो वसुल केल्यानंतर आपली तेवढी रक्कम होऊ शकते याच्यावर आम्ही संपुर्णपणे विचार विनिमय केलेला आहे त्याच्यानंतर आपण बाजार लिलावाबद्दल बोललात आपण त्याच्यामध्ये एकगोष्ट आपण समाविष्ट केली नाही आहे. या ठिकाणी जर बाजारलिलावाच्या नंतर विचार केला. हॉकर्स बसतात आपल्या मिरा भाईदर महानगरपालिकेमध्ये त्यांना लायसेन्स पद्धती जर लागू केली. तिथूनही आपल्याला आवक येऊ शकते तोही विचार याठिकाणी करायचा आहे. बजेटमध्ये आपण कोणत्याही गोष्टी फुगीर केलल्या नाही आहेत जेणेकरून आपले बजेट फुगले पाहिजजे आणि लोकांसमोर जाऊन त्याचा वेगळा परिणाम झाला पाहिजे अशी कोणतीही पद्धत याठिकाणी अवलंबलेली नाही. याठिकाणी शशिकांत भोईर यांनी सांगितले. १९९५ च्या अट कोणतीही आयुक्त सांगेन कि आपण जर एखादी इमारत अनधिकृत असते आणि आपण त्याच्यामध्ये डॅम आणि पाण्याची टाकी हे नसतांना योजना म्हणून ठेवायचे आहे. आपल्याला कारण पाच वर्षांनंतर पुन्हा या शहरामध्ये पाण्याची टंचाई भासणार आहे. वाढते शहर आहे. मुंबईच्या लगतचे शहर आहे. मुंबईसारखी आर्थिक राजधानी असल्याकारणाने मिरा भाईदर मध्ये लोक जास्त प्रमाणात येत आहेत त्यामुळे योजना आखणे फार जरुरी आहे. दोन कोटीची तरतुद आपण याठिकाणी केलेली आहे. कोणतीही योजना अन्यथा डॅमची योजना आपल्यासमोर आली त्यासाठी हा राखीव निधी ठेवलेला आहे. लवकर त्या पद्धतीचा गोषवारा आपल्यासर्वांच्या वतीने करु घेऊन या शहरास एक चांगली योजना देवू अशा पद्धतीने याठिकाणी सर्वांनी चांगल्या सुचना मांडलेल्या आहेत आणि आम्ही केलेल्या बजेटचे समर्थन केल्याबद्दल मी सर्व सदस्यांचे याठिकाणी समर्थन करीत आहे.

#### मिलन पाटील :-

विज्ञान परिषदेचा विचार करावा.

#### मोहन पाटील :-

विज्ञान परिषदेच्या बदलही काही विषय घेऊ आपण आणि आपण दिलेल्या सुचनांचा जरुर विचार करू आणि दिलेल्या सहकार्यबदल मी सर्व सन्मा. सदस्यांना धन्यवाद देतो. स्टॉम वॉटर बदल आपण हयाचा सर्वेक्षण सर्व करू आणि सर्व केल्यानंतर गटाराची जी तरतुद आपण ठेवलेली आहे. त्याच्यावर ती तरतुद थोडीफार इथे तिथे करू. महत्वाचा मुद्दा याठिकाणी मांडलेला आहे. पण सर्व होणे फार जरुरीचे आहे. आणि या शहरामध्ये मागच्या वेळेपासून स्टॉम वॉटरचा सर्वेक्षण सुरु केला होता त्याच्यानंतर तो पातळीच्या मुळे ते अयशस्वी झाले. परंतु आपण जे नाले सांगितले आहेत त्या नाल्यांचा जरुर विचार करू. याबजेटमध्ये तरतुद करू एवढे बोलून मी सर्वांना धन्यवाद देतो आणि पुढील कारवाई करण्याची सभागृहाला विनंती करतो.

### रिटा शहा :-

मा. महापौरांच्या आदेशाने बोलते आपण आता सांगितले की स्थायी समितीचे ते कायदयात बसत असेल तर ते आपण दया. पण कायदयात तरतुद आहे. कारण अंधेरीला प्रशिक्षण झाले तेव्हा तिथे त्यांनी ही सांगितले की असे कायदयात तरतुद आहे. तर ते मागणी करायला पाहिजे त्यानंतरच आम्ही पत्रव्यवहार केलेला आहे आणि आयुक्त सो.ना माहितच असेल तशी कायदयात तरतुद आहे. मग तुम्ही डिक्लर करा कि पुढच्या मिटीग पासून तुम्ही देणार आहेत.

### मा. सभापती :-

मी काय सांगितले तुम्हाना जी कायदेशीर बाब असेल ते आयुक्त आणि उपआयुक्त यांनी ठरवून दयावे असे बोलतोय माझी त्याला मनाई नाही. कारण शेवटी ते माझ्याकडे जरी असले तरी माझे चार सदस्य बघतात. प्रत्येक पक्षाचे घटकाचे सदस्य त्याच्यामध्ये असतात तर ती कोणती गोपनीय वस्तू नाही. तर लोकांपर्यंत आणि नागरिकांपर्यंत जाण्यापेक्षा सदस्यांपर्यंत जाणे हे मला जरुरीचे वाटतय.

### मा. आयुक्त :-

खरतर स्थायी समितीचे जे कामकाज आहे ते अत्यंत पारदर्शक पदधतीचं कामकाज आहे. त्याच्यामध्ये प्रत्येक राजकीय पक्षाचे प्रतिनिधी आहेत. त्या प्रत्येकाला अजेंडा मिळतो. त्या प्रत्येकाला इतिवृत्त मिळते. ठराव तिथे येतात चर्चेला घेतले जातात त्याची पक्षपातळीवरती देखील चर्चा होते कुठल्याही प्रकारची भुमिका घ्यायची आहे. त्याबदलही डिस्कशन्स आपले राजकिय पातळीवरती होत असतात तरी देखील जर आपल्याला वाटत असेल कि एखादया सभेच्या कामकाजाची माहिती मिळावी तर आपण जरुर तशी मागणी करा आपल्याला त्याचे इतिवृत्त देण्यात येईल, त्याचे प्रोग्राम देण्यात येतील परंतु कारण नसतांना सगळ्यांतच त्याच्या अजेंडा पाठवयाच्या किंवा इतिवृत्त पाठवायचे याच्यामध्ये इट इज वेस्ट ऑफ स्टेशनरी.

### रिटा शहा :-

सो. वेस्ट ऑफ स्टेशनरी असे नाही आपण एवढा खर्च करतो आता गैरसमज होतो नगरसेवक आणि डायसवर ते कशाला स्टॅंडिंग कमिटीवर प्रत्येक पक्षाचे नगरसेवक आमचे सदस्य आहेत. पण त्या दोन तीन नगरसेवकांना आम्ही नेहमी भेटत नसतो. आताबाजार लिलाव झाला आम्हांना माहीतच नाही. मी काय बोलते की मी कुठल्या पार्टीशी कि सदस्याबदल बोलत नाही. प्रत्येक नगरसेवकांला अधिकार आहे. कि चार दिवसात स्टॅंडिंग कमिटीमध्ये काय होते आणि त्याच्यावर मला नाही वाटत फारसा खर्च होतो.

### मा. आयुक्त :-

सरसकट देण्यापेक्षा मागणीनुसार देणे योग्य ठरेल.

### रिटा शहा :-

सो. आपल्याला असे वाटत असेल वेस्ट ऑफ मनी होते तर तुम्ही आमच्याकडून त्यांचे पैस घ्या. पण आम्हांला कॉपी पाठवा तुम्ही हे योग्य नाही.

### मा. आयुक्त :-

ठिक आहे.

### प्रभात पाटील :-

मी मध्यांतरी नवघरच्या मैदानाविषयी पत्रव्यवहार केला आणि मा. स्थायी समितीने त्याच्यावर चांगला निर्णय घेतला ते मैदान आता शैक्षणिक, सामाजिक आणि धार्मिक संस्थांनाच देणार आहेत. निर्णय झालेला आहे मी सचिवांशी चारवेळा बोलले मग सभापतींशी बोलले. परंतु मला त्याची कॉपी नाही मिळाली अजुनपर्यंत असे होत नाही म्हणून त्याची प्रत मिळावी किंवा त्याचा निर्णय कळावा अशी अपेक्षा आहे. निर्णयाची प्रत मला अजुनपर्यंत मिळालेली नाही.

### प्र. सचिव :-

इतिवृत्त कन्फ्रेशन मागच्या आठवड्यात झालेले आहे त्या ठरावाची कॉपी आपल्याला देण्यांत येईल.

### **प्रभात पाटील :-**

असे प्रत्येक वेळी सांगता पण देत नाहीत.

### **ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मा. महापौर, आयुक्त सांगता, स्थायी समितीचे सभापती, उपआयुक्त साहेब, सर्व पक्षाचे गटनेते, अधिकारी वर्ग, सन्मा नगरसेवक, नगरसेविका, पत्रकार बंधु आणि उपस्थित नागरीक. नगरपरिषदेचे महानगरपालिकेत रूपांतर झाल्यानंतर पहिला अर्थसंकल्प सादर होत आहे. फार आनंद वाटला. आपल्या आयुक्तांनी सखोल अभ्यास करून आपल्या अनुभवाचा फायदा घेऊन त्यांनी हा अर्थसंकल्प बनवला हया अर्थसंकल्पामध्ये १० लाख शिल्लक असलेला अर्थसंकल्प सुमारे १२१ करोड्या अर्थसंकल्प त्यांनी बनवला आणि त्यांनी स्थायी समितीला सादर केला आमच्या रथायी समितीच्या सभापतींनी आणि त्यांच्या सर्व सदस्यांनी या अर्थसंकल्पावरती बारकाईने लक्ष घालून प्रत्येक बाबींचा विचार करून सतत सात दिवस पर्यंत चर्चा करून त्यांनी महसूल उत्पन्न तसेच खर्च यांच्या तरतुदीमध्ये वाढ केली आणि तो अर्थसंकल्प सुमारे १३५ करोड्या बनवला आणि त्यात ३८ लाख रु शिल्लक ठेवलेल आहेत हे सर्व स्थायी समितीचे सभापती आणि सदस्य हे अभिनंदनास पात्र आहेत. सगळ्या नगरसेवकांचे वतीने मी त्यांचे अभिनंदन करतो आणि हा ऐतिहासिक अर्थसंकल्प म्हणून मी तुम्हाला सांगितले होते हा खरोखरच इथलाच झाला कारण कि कुठल्याही महापालिकेमध्ये स्थायी समितीमध्ये एवढी चर्चा होत नाही. तेवढी चर्चा आज आपल्या महानगरपालिकेत झाली आणि आपल्या पहिल्या महापौर आहेत आणि हा बजेट स्थायी समितीमध्ये पहिल्या महापौर दिनीच झाला. म्हणून हा एक इतिहास झाला मिरा भाईदर शहर हे विकसित होणारे शहर आहे. विकास योजनेतील विकास कामे उदा. रस्ते, बगीचे आणि इ. कामे आपल्याला करायला पाहिजे हे नगरपालिकेचे आद्य कर्तव्य आहे. तसेच सर्व नगरसेवकांची जबाबदारी आहे. प्रत्येक नगरसेवकाला प्रत्येक नगरसेवकांची अपेक्षा आहे. कि आपल्या प्रभागात जास्तीत जास्त कामे झाली पाहिजेत. परंतु आपणा सर्वांना माहितच आहे की आपली महानगरपालिकेने विकास कामे करण्यासाठी भरपुर कर्ज घेतलेले आहे. पाणी योजनेसाठी कर्ज घेतलेले आहे, फ्लायओरसाठी कर्ज घेतलेले आहे, रस्त्यासाठी आपण कर्ज घेणार आहोत या सगळ्या कर्जाच्या बाबी असल्यामुळे आपल्याला विकास कामे करण्यासाठी मर्यादा आपण घालावी लागते. आणि प्रभागामध्ये सुध्दा काही ठराविकच कामे आपल्याला यावर्षी करावी लागणार आहेत. तरी सगळ्या नगरसेवकांनी थोडेसे समजून घ्यायला पाहिजे आज आपल्याला माहितच आहे कि आपण हे कर्ज घेतले होते आणि त्या कर्जाच्या अटीशर्ती मध्ये मालमत्ताकरामध्ये २५ ते २८ टक्के वाढ करणे अपेक्षित होते आणि तसे आपण केलेले आहे आणि म्हणून आपले उत्पन्न वाढलेले आहे. आता सदस्यांनी एक सुचना मांडली कि आयुक्तांनी सांगितले ३० करोड रु. वाढणार आहेत आणि स्थायी समिती म्हणते ३४ करोड रु. आहेत परंतु मला असे वाटते. कि मागील वर्षी आपल्याला उपआयुक्त सांगता आहे. नी जवळ जवळ १२ करोड ४३ लाखाची मालमत्ता कराची वसुली केलेली आहे. म्हणजे ज्या मालमत्तांना अजून टॅक्सही लागलेला नव्हता असा १२ करोड रुपयाचा टॅक्स वसुल केलेला आहे आणि अजुनही मला असे वाटते कि त्याच्यामध्ये अशा भरपुर मालमत्ता आहेत कि त्यांना टॅक्स लागलेला नाही आणि आता रियल इस्टेटचे मार्केट वाढलेले आहे. बहुतेक बिल्डींग तयार होत आहेत. तर आपला मालमत्ता कर आणखीन वाढू शकतो. आणि त्या अनुषंगाने आपला विकास कर ही वाढणार आहे. कारण कि डेव्हलपमेंटी माझाही संबंध आहेत कारण माझा मटेरियल सप्लायचा बिझनेस असल्यामुळे मलाही माहिती पडते कि आता कंस्ट्रक्शन मार्केट वरती येणार आहे. प्लायओवर ब्रीजमुळे वेस्टचे कंस्ट्रक्शन थांबले होते. इस्टचे कंस्ट्रक्शन थांबले होते आणि त्याच्यामुळे आपले डेव्हलपमेंट होणार आहे आणि त्याच्यामुळे डेव्हलपमेंट चार्ज वाढणार आहे आणि तसेच प्रशासनाने आता डेव्हलपमेंट चार्ज १०० टक्के बांधकाम नकाशा मंजुरीच्या वेळी घेत आहेत. त्याच्यामुळे डेव्हलपमेंट चार्ज वाढण्याची शक्यता जास्त आहे आणि तसेच आपला जो पाणी पुरवठा विभाग होता तो तो सतत गेल्या दोन ते तीन वर्षांपासून तुटीमध्ये होता सुमारे सात ते आठ करोड्या तुट गेल्यावर्षीची होती आणि ती भरून काढण्यासाठी सगळ्या नगरसेवकांनी आपल्या पाणीपटीमध्ये वाढ केलेली आहे. आणि तो प्रॉफीट नो लॉस या तत्वामध्ये आपण मिरा भाईदरच्या नागरिकांना पाणी देणार आहोत ही सगळी स्वागतार्ह गोष्ट आहे आणि आयुक्त सांगता आहे. यांनी बी. पी.एन.सी. अॅक्ट प्रमाणे ३८६ कलमान्वये उदयोगधंदयांना लायसेन्स देण्याची जी पध्दत चालू केली आहे ती अतिशय चांगली आहे कारण कि आपल्या महानगरपालिका हद्दीत कुठल्याही दुकानदारांना आणि कुठल्याही उदयोगधंदयांना आपण लायसेन्सची पध्दत ठेवली नव्हती आणि आज ती पध्दत सुरु करून आपण एक चांगला रेव्हेन्यु उभा करणार आहेत. या बदल आपले अभिनंदन आणि तसेच हे जे करतांना सगळ्या सदस्यांच्या सुचना होत्या कि आपण ही

उपविधीची मंजुरी घेऊनच करावी आणि आमसभेमध्ये याची मंजुरी घेणे फार गरजेचे आहे. अशा अनेक बाबीमधून आपल्या स्थायी समितीच्या सदस्यांनी आणि आपण हा रेहेन्यु वाढवलेला आहे ही फार चांगली गोष्ट आहे. या अर्थसंकल्पात आपण महत्वपूर्ण विकास कामासाठी फार चांगला नीधी काढून ठेवलेला आहे. उदा. एफ.ओ.बी , डॉ. हेडगेवार रस्ता, आणि भुयारी गटार योजना सुध्दा त्याचे सर्वेक्षण करणार आहोत आणि त्यासाठी आपण तरतुद केलेली आहे. फार चांगली गोष्ट आहे आणि हयाच्यामुळे डासांचा जो प्रदुर्भाव आहे हा कमी होणार आहे. तसेच फलायओहर ब्रीज झाल्यामुळे पुर्व पश्चिम येथे येण्याजाण्यासाठी फार त्रास होणार आहे. कारण की संपुर्ण ईस्टला जाण्यासाठी संपुर्ण वळसा घ्यायला लागणार आहे. आणि तो न घ्यावा म्हणून भुयारी मार्ग करणार आहोत फार चांगली गोष्ट आहे. सां. याचा पाठपुरावा चांगल्यारितीने करून अंज अरली अंज समाजमंदीरा मध्ये आपण ओपीडी उघडणार आहात ही स्वागतार्ह गोष्ट आहे कारण कि टेबा हॉस्पिटल प्राथमिक आरोग्य केंद्र आपल्याकडे हस्तांतरण होण्यासाठी उशीर लागत असल्यामुळे आपण जो इमिजेट फार्स्ट निर्णय घेतलेला आहे. तो फार चांगला आहे याजबरोबर इतर बाबीसुध्दा आपण नमुद केल्या आहेत उदा. मनपा विश्रामगृह आणि इत्यादी सीटीसर्वे सुध्दा आपण घेतलेला आहे. फार चांगली गोष्ट आहे. सां. तसेच सगळयात महत्वाची गोष्ट म्हणजे आपण सगळ्या पक्षाच्या लोकांनी आपल्या मॅन्युफॅस्टममध्ये परिवहन सेवा सुरु करा असे सांगितले होते आणि आपल्या स्थायी समितीच्या सभापतीनी आणि महापौरांनी परिवहन सेवा सुरु करावी म्हणून जी तरतुद केलेली आहे. ती फार चांगली आहे. सगळ्या नगरसेवकांच्यावतीने मी पुन्हा त्यांचे अभिनंदन करतो आणि त्यांनी लवकरात लवकर परिवहन सामिती आणि शिक्षण मंडळ स्थापन करून ही सेवा खाजगी करण तत्वावर सुरु करावी कारण की आपण स्वतः बसेस सुरु केल्या आणि विकत घेतल्या तर तो लॉस होण्याची शक्यता आहे. खाजगीकरणामध्ये संपुर्ण जो एक्सपॅनसेस त्या ठेकेदाराचा असतो. त्यामुळे आपला त्याच्यामध्ये एक्सपॅनसेस नाही आणि फंडाची सुध्दा आवश्यकता नाही. तसेच आपण जी महसुलामध्ये वाढ केली. या महसुलाच्या वाढीमध्ये दुर्बल घटक योजनेसुध्दा आपला निधी वाढलेला आहे. तसेच महिला बालकल्याण योजनेमध्ये सुध्दा आपला निधी वाढलेला आहे. आणि विशेष करून आपल्या सगळ्या नगरसेवकनीधी मध्ये सुध्दा वाढ झालेली आहे. त्यामुळे आपला बजेट दोन लाखापर्यंत पोचलेला आहे. आणि या अर्थसंकल्पाची अंमलबजावणीची जबाबदारी नगरसेवकांच्या बरोबर सर्व अधिकाऱ्यावर जास्त आहे. कारण कि तेच खरे महानगरपालिकेचे कारभारी आहेत. आणि त्यांनी व्यवस्थित पण याचा कारभार करावा आणि प्रत्येक बाबीवरती काटेकोरपणे लक्ष घालावे जसे आमच्या सन्मा. वैती सां.नी सांगितले होते कि अनावश्यक खर्च टाळा हे फार महत्वाचे आहे. कारण आपण जसे घर चालवतो तशी महानगरपालिका चालवा आणि प्रत्येक

गोष्टीवरती खर्च करतांना विचारकरून करा. ज्याने आपला रेहेन्यु वाढेल आपले उत्पन्न वाढेल आणि मिरा भाईरच्या विकासासाठी चांगले हातभार लावा. अशी विनंती आपल्यासर्वांना करतो आणि हा अर्थसंकल्प एकमताने मंजुर करावा असा मी ठराव मांडतो.

चंद्रकांत वैती :-

आताच सभागृह नेते ध्रुवकिशोर पाटील यांनी अर्थसंकल्पाचा हितोचित वर्णन करून तसा ठराव मांडलेला आहे आणि त्याला मी अनुमोदन देत आहे. परंतु हे अनुमोदन देतांना एक विषय आपणाला सुचना करु इच्छितो कि भारतीय क्रिकेट संघ विजयांच्या उंबरठयावर आहे. तर भारतीय क्रिकेट संघ विश्वविजेता झाला तर आपल्या महापालिके तर्फ देखील आजतक सारख्या चॅनलमार्फेत काहीतरी मदत घोषित करण्याची तजवीज करावी हि विनंती.

**प्रकरण क्र. ४९**      मा. स्थायी समिती सभेने शिफारस केलेल्या मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सन २००३/०४ चे मुळ अंदाजपत्रकास मान्यता देणे बाबत.

**ठराव क्र. ५९**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या सन २००२/२००३ चे सुधारीत व सन २००३/२००४ चे मुळ अंदाजपत्रका बाबतची कार्यालयीन विविरण पत्रे, अहवाल व मा. स्थायी समिती ठराव क्र. ११६दि. ७/३/२०३ विचारात घेवून सन २००२/२००३ चे सुधारीत व सन २००३/२००४ चे मुळ अंदाजपत्रकास आजची सभा मंजुरी देत आहे. मुळ अंदाजपत्रकाचा तपशिल पुढील प्रमाणे.

|            |                | <u>२००३/२००४</u>    |
|------------|----------------|---------------------|
| उत्पन्न :- | “अ” अंदाजपत्रक | १०९९२.३४ लाख        |
|            | “ब” अंदाजपत्रक | --                  |
|            | “क” अंदाजपत्रक | २५२३.४० लाख         |
|            |                | -----               |
|            | <b>एकूण</b>    | <b>१३५१५.७४ लाख</b> |
|            |                | -----               |
| खर्च :-    | “अ” अंदाजपत्रक | १०९०४.०२ लाख        |
|            | “ब” अंदाजपत्रक | ५०.०० लाख           |
|            | “क” अंदाजपत्रक | २५२३.४० लाख         |
|            | अखेरची शिल्लक  | ३८.३२ लाख           |
|            |                | -----               |
|            | <b>एकूण</b>    | <b>१३५१५.७४ लाख</b> |
|            |                | -----               |

**सुचक :-** श्री. ध्रुवकिशोर पाटील                    **अनुमोदक :-** श्रीम. शानु गोहिल  
ठराव सर्वानुमते मंजूर

#### ओमप्रकाश अग्रवाल :-

एक दुखवटा ठराव आहे. रामजीभाई सिंघानिया हे कॉग्रेस सेवादलाच्या अध्यक्ष आणि भाईदरचे जुने सामाजिक कार्यकर्ते हयांचे होळीच्या दिवशी हदयविकाराने निधन झालेले आहे. त्यांना श्रद्धांजली स्वरूपात शोकप्रस्ताव मी येथे मांडत आहे.

#### मोहन पाटील -

मी त्या शोकप्रस्तावास अनुमोदन देत आहे.

#### मिलन म्हात्रे :-

जिल्हा परिषदेचे वैद्यकिय अधिकारी डॉ. धोत्रे हयांच्या वडीलांचे सुध्दा निधन झालेले आहे. त्याच्या दुखद निधनाच्या ठराव मी मांडत आहे.

#### सुरेंद्र तिवारी :-

त्या ठरावाला मी अनुमोदन देत आहे.

#### दुःखवटा ठराव क्र. ६० :-

मिरा भाईदर परिसरातील कॉग्रेस सेवा दलाचे अध्यक्ष आणि भाईदरचे जुने सामाजिक कार्यकर्ते रामजीभाई सिंघानिया यांचे होळीच्या दिवशी हदयविकाराने निधन झालेले आहे. तसेच जिल्हा परिषदेचे वैद्यकिय अधिकारी डॉ. धोत्रे हयांच्या वडीलांचे सुध्दा निधन झालेले आहे. तरी ही महासभा त्यांना श्रद्धांजली अर्पण करते.

**सुचक :-** श्री. ओमप्रकाश अग्रवाल  
श्री. मिलन म्हात्रे

**अनुमोदन :-** श्री. मोहन पाटील  
श्री. सुरेंद्रप्रसाद तिवारी.

ठराव सर्वानुमते मंजुर

**प्र. सचिव :-**

श्रद्धांजलीसाठी सर्व सदस्यांनी दोन मिनिटे उभे रहायचे आहे.

**मा. महापौर :-**

सभेस उपस्थित असलेले मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त, मा. उपआयुक्त, मा. प्र. सचिव, अधिकारी वर्ग, तसेच पत्रकार बंधु आजची सभा खेळीमेळीच्या वातावरणात पार पाडली असून सभा संपल्याचे मी जाहिर करीत आहे.

सभा संपल्याची वेळ<sup>1</sup>  
वाजता

महापौर  
मिरा भाईदर महानगरपालिका

प्रभारी सचिव,  
मिरा भाईदर महानगरपालिका